खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 27 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-297

अत्याचार से आजिज बांग्लादेश के हिंदुओं ने सरकार को दी चेतावनी

हिंसा न रुकी तो अफगानिस्तान और सीरिया बन जाएगा बांग्लादेश

चटगांव (बांग्लादेश), 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अत्याचार से आजिज आए बांग्लादेश के हिंदुओं ने सरकार को दी चेतावनी दी है। एकजुट हुए बांग्लादेश के हिंदुओं ने अंतरिम सरकार से कहा है कि हिंदुओं पर हिंसा नहीं रुकी तो बांग्लादेश को अफगानिस्तान और सीरिया बनने से कोई रोक नहीं पाएगा। बांग्लादेशी हिंदुओं ने भारतवर्ष के हिंदुओं को भी ललकारा है और कहा है रोहिंग्या के मसले पर भारत का मुसलमान बवाल कर सकता है लेकिन बांग्लादेश के हिंदुओं की प्रताड़ना पर भारतवर्ष का हिंदू कोई कारगर प्रतिकार नहीं करता। भारत के हिंदुओं को खुद पर शर्म करना चाहिए।

बांग्लादेश की इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के कितने ही वादे करे, लेकिन फिर

बांग्लादेशी हिंदुओं ने ललकारा : कुछ तो शर्म करो भारतवर्ष के हिंदुओं

भी उनकी सुरक्षा को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई। हिंदुओं के साथ हो रहे इस भेदभाव के खिलाफ हिंदू समुदाय के लोगों ने चटगांव के लालदीघी मैदान में विशाल प्रदर्शन किया। इस दौरान हिंदुओं ने अल्पसंख्यक समुदायों पर होने वाले हमलों से कानूनी सुरक्षा और उचित मुआवजा देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश पुलिस सेवा से करीब सौ हिंदू अफसरों को बाहर निकालने के लिए सरकार की तीखी आलोचना की और सवाल किया कि धार्मिक मामलों के मंत्रालय के लिए कुल 15, 000 करोड़ टका में से गैर मुस्लिमों के लिए केवल 200 करोड़ टका का प्रावधान ही क्यों रखा गया है? हिंदू समुदाय ने दावा किया कि वे अपना प्रदर्शन उस वक्त तक बंद नहीं करेंगे जब तक मोहम्मद यूनुस की सरकार उनकी मांगें पूरा नहीं कर देती। ▶10पर

बंटेंगे तो कटेंगे... योगी का नारा सटीक साबित हो रहा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुओं से एकजुट रहने और बांग्लादेश से सबक सीखने की अपील की, जहां अल्पसंख्यक हिंदुओं पर भीषण अत्याचार हो रहे हैं। योगी ने अपने खास अंदाज में कहा था, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे, बंटेंगे तो कटेंगे। योगी का संदेश साफ है। भारत को छोड़कर किसी भी देश ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। भारत में भी आवाज उल ताकत से नहीं उठी, जैसी उठनी चाहिए थी। जबकि बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों ने हिंदुओं की बेरहमी से हत्या की, उनके घरों और दुकानों को लूटा और आग लगा दी और हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की।ये घटनाएं हृदय विदारक हैं। जो देश फिलिस्तीन के समर्थन में आवाज उठाते रहे हैं, वे बांग्लादेश के मुद्दे पर चुप हैं। योगी का संदेश था, यदि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, ▶10पर

जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना से मिले भारत के विदेश मंत्री जयशंकर

मजबूत हो रही है भारत और जर्मनी की रणनीतिक साझेदारी

भारत-जर्मनी मिलकर दुनिया को सुरक्षित करना चाहते हैं: एडमिरल रिश

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। जयशंकर ने बताया कि उनकी जर्मन वाइस चांसलर और आर्थिक मामले और जलवायु कार्रवाई मंत्री रॉबर्ट हैबेक के साथ भी अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने 7वीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) बैठक को कामयाब बैठक बताया। दूसरी तरफ, जर्मनी की नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी एवं यूरोपीय राष्ट्र की नौसेना के रियर एडमिरल हेल्गे रिश ने कहा कि भारत-जर्मनी मिलकर दुनिया को सुरक्षित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा

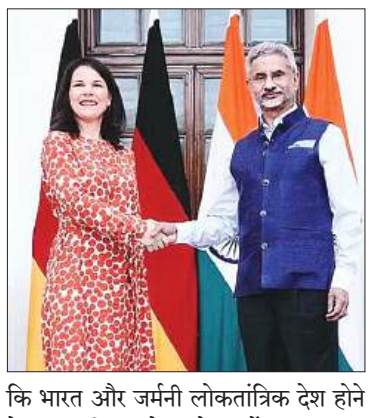

कि भारत और जर्मनी लोकतांत्रिक देश होने के साथ ही अच्छे साझेदार हैं।

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज तीन दिवसीय भारत दौरे पर हैं। शोल्ज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी के साथ उन्होंने 7वीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) बैठक की सह-अध्यक्षता भी की। विदेश मंत्री ने कहा, आज आईजीसी की सफल बैठक के बाद जर्मनी के विदेश मंत्रालय एनालेना बेयरबॉक से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत हुई। जैसे-जैसे यह अपने 25वें साल में प्रवेश कर रही है, हमारी रणनीतिक साझेदारी और गहरी होती जा रही है। उन्होंने जर्मन वाइस चांसलर के साथ बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, जर्मन वाइस चांसलर और आर्थिक मामले और जलवायु कार्रवाई मंत्री ▶10पर

कई देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले रहे भारत की मदद

पुणे, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भारत के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ये देश किस तरह से अपने विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की मदद लेते हैं। जयशंकर ने तीन उदाहरण देते हुए बताया कि भारत ने किस तरह से इन देशों से समर्थन और भरोसा हासिल किया है।पुणे में एक कार्यक्रम में एस जयशंकर ने कहा, वैश्विक दक्षिण का मतलब क्या है? इसका मतलब उन देशों से है जो कभी उपनिवेश रहे हैं, ▶10पर

आम आदमी पार्टी की सरकार का कोई सरोकार नहीं

पंजाब में धान की खरीद को लेकर मचा हाहाकार

चंडीगढ़, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पंजाब में कहने को तो एक अक्टूबर से ही धान की खरीद शुरू हो गई लेकिन हालात यह हैं राज्य की मंडियां किसानों द्वारा लाए गए धान से अटी पड़ी हैं और खरीद का काम कच्छप गति से चल रहा है। धान की उठाई न होने के कारण मंडियों में पैर रखने को जगह नहीं। किसान कई-कई दिनों से मंडियों में रात-रात भर जाग कर फसलों की पहरेदारी कर रहे हैं और खरीद का काम सुचारू रूप से करवाने की मांग को लेकर जगह-जगह धरने लगाए जा रहे हैं। कल प्रदेश में राजेवाला गुट की भारतीय किसान यूनियन ने प्रदेश भर के हाईवे जाम किए और आज पंधेर गुट ने चार घंटे जाम रखा। जाम से आम लोग परेशान हुए वह अलग। इसको लेकर पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा नेता कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने पंजाब सरकार से पूछा है कि केंद्र सरकार ने धान की खरीद के लिए 44 हजार करोड़ रुपए भेजे हैं वह कहां गए?

पंजाब में धान की खरीद और लिफ्टिंग को लेकर किसान सडक़ों पर उतर आए हैं। किसान सरकार और केंद्र का विरोध कर रहे हैं। मंडियों में धान

धान से अटी पड़ी कृषि मंडियां, पैसे के लिए भटक रहे हैं किसान

केंद्र ने धान खरीद के लिए 44 हजार करोड़ भेजे, वह कहां गए?

की फसल खुले आसमान के नीचे पड़ी है। इसको लेकर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी खन्ना पहुंचे। वहां उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और किसानों से भी बात की। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंजाब में जो कुछ भी हो रहा है उसकी मुझे पहले से ही जानकारी थी। मैं इसे देखने के लिए खुद एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी खन्ना गया। ▶10पर

इस्लामाबाद में पुलिस कैदी वैन पर हमला हुकूमत ने पीटीआई पर आरोप मढ़ा

इस्लामाबाद,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पुलिस कैदी वैन पर हमले को सरकार ने गंभीरता से लिया है। शहबाज शरीफ की हुकूमत ने हमले का आरोप जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर मढ़ा है।

एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार इस्लामाबाद के संगजानी टोल प्लाजा पर शुक्रवार को पुलिस कैदी वैन पर हुए हमले के सीसीटीवी फुटेज का वीडियो वायरल हुआ। हमलावारों ने चलती पुलिस कैदी वैन से गिरफ्तार पीटीआई कार्यकर्ताओं को छुड़ाने के लिए लाठियां लहराईं और पथराव किया। एक व्यक्ति ने वैन पर गोलियां चलाईं।

हमला सोची-समझी योजना का हिस्सा

इस घटना पर संघीय सूचना और प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि पीटीआई कार्यकर्ताओं को जिला जेल अटक ले जाया जा रहा था। उन्हें छुड़ाने के लिए किया गया हमला सोची-समझी योजना का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुछ कैदी भाग गए। हालांकि सुरक्षा अधिकारियों ने चार हमलावरों सहित सभी 19 कैदियों को सफलतापूर्वक दबोच लिया। इनमें से एक पीटीआई नेता का बेटा है। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से हथियार बरामद हुआ है। इनके दो वाहनों को भी जब्त किया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक सैयद अली नासिर रिजवी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने लगभग 82 कैदियों को ले जा रही तीन पुलिस कैदी वैन पर हमला किया गया। सूचना और प्रसारण मंत्री तरार ने इस घटना पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं की प्रतिक्रिया को हास्यास्पद बताया। उन्होंने कहा कि इस हमले के आरोपियों को सख्त सजा दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

अवैध रुप से अमेरिका में रह रहे भारतीयों को विशेष विमान से भारत भेजा

वाशिंगटन। अमेरिका में अवैध रुप से रह रहे भारतीयों को विशेष विमान से वापस भेजा गया है। अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने बताया कि यह कदम भारत सरकार के सहयोग से उठाया गया है। डीएचएस के एक वरिष्ठ अधिकारी, क्रिस्टी ए। कैनेगलो ने कहा, जो भारतीय नागरिक अमेरिका में कानूनी आधार के बिना रह रहे हैं, उन्हें वापस भेजा जाएगा। ऐसे प्रवासी दलालों के झांसे में न आएं जो उन्हें गलत जानकारी देते हैं। डीएचएस अन्य देशों के साथ संपर्क में है ताकि उनके अवैध रूप से रह रहे नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। यह कदम अवैध प्रवास को कम करने, सुरक्षित और वैध रास्तों को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। पिछले एक साल में, डीएचएस ने कोलंबिया, इक्वाडोर, पेरू, मिस्र, मॉरिटानिया, सेनेगल, उज्बेकिस्तान, चीन और भारत सहित कई देशों के नागरिकों को उनके देश वापस भेजा है। यह फ्लाइट 22 अक्टूबर को भारत भेजी गई थी। डीएचएस ने यह भी बताया कि वे अमेरिकी इमिग्रेशन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहे हैं और अवैध तरीके से आए लोगों को वैध मार्ग अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस साल के जून महीने से, अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर अवैध प्रवास में 55 प्रतिशत की कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024 में, डीएचएस ने 1,60,000 से ज्यादा लोगों को उनके देशों में वापस भेजा है। इसके लिए 145 देशों में 495 से ज्यादा उड़ानों का संचालन किया गया, जिसमें भारत भी शामिल है।

जस्टिस याह्या अफरीदी पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश बने

इस्लामाबाद। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस याह्या अफरीदी ने आज पाकिस्तान के 30वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्होंने जस्टिस काजी फैज ईसा की जगह ली। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने ऐवान-ए-सदर में जस्टिस अफरीदी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद रहे। जियो न्यूज की खबर में यह जानकारी दी गई। इससे पहले निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा की सेवानिवृत्ति की पूर्व संध्या पर सम्मान में आयोजित पूर्ण अदालत ने विदाई पार्टी का आयोजन किया। इस दौरान जस्टिस याह्या ने नागरिकों के लिए कानून का शासन, शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत की व्यापकता और एक न्यायाधीश की गरिमा और अदालत के सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करने का वादा किया।

टोरंटो में हादसा : कार में लगी आग, भाई बहन सहित 4 भारतीय नागरिकों की मौत

टोरंटो। टोरंटो शहर में एक भीषण कार दुर्घटना में चार भारतीय नागरिकों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की हालत स्थिर बताई गई है। मृतकों में गुजरात के गोधरा के एक भाई-बहन भी शामिल थे। टोरंटो शहर में यह दुखद हादसा तब हुआ जब एक टेस्ला कार, जिसमें सभी पांच लोग सवार थे, अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक खंभे से जा टकराई। टक्कर के बाद इलेक्ट्रिक कार की बैटरी में आग लगी। देखते ही देखते कार में भीषण आग लग गई और उसमें सवार चार लोग आग की चपेट में आकर अपनी जान गंवा बैठे। मृतकों में शामिल भाई-बहन गुजरात के गोधरा शहर के रहने वाले बताए गए हैं। स्थानीय समय के अनुसार रात 12:20 बजे, पांचों लोग एक टेस्ला कार में कहीं जा रहे थे। कार में भाई-बहन के अलावा बोरसद के जय सिसोदिया, दिग्विजय और झलक पटेल भी मौजूद थे। जानकारी के अनुसार, प्रभा रोड स्थित मंगलमूर्ति सोसायटी के निवासी संजय सिंह गोहिल की बेटी केता गोहिल (30) और बेटा नीलराज गोहिल (26) इस हादसे में अपनी जान गंवा बैठे। केता 6 साल पहले पढ़ाई के सिलसिले में कनाडा गई थी और पढ़ाई पूरी करने के बाद एक लैब टेक्नीशियन के रूप में काम कर रही थी। नीलराज हाल ही में, 10 महीने पहले ही, पढ़ाई और नौकरी के सिलसिले में कनाडा गया था। नीलराज ब्राम्पटन शहर में रह रहा था और काम के साथ पढ़ाई भी कर रहा था। इस दर्दनाक हादसे में झलक पटेल, जो कार में अन्य सवारों के साथ थीं, किसी तरह से बच गईं। झलक को एक राहगीर ने देखा और आग की चपेट में आई कार से बाहर निकालने की कोशिश की।

ईरान के हमले का इजराइल ने दिया जवाब

ईरान पर इजराइली एयर स्ट्राइक से युद्ध छिड़ने आशंका बढ़ी

तेहरान,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल की ईरान पर की गई एयर स्ट्राइक से युद्ध की आशंका बढ़ गई है। ईरान ने इस माह की शुरुआत में इजराइल पर बड़ा हमला किया था। प्रतिशोध की आग में झुलस रहे इजराइल के सैनिकों ने बदला लेने के बाद हमला रोक दिया है। इजराइल ने ईरान को चेतावनी दी है कि भविष्य में उसे दोबारा निशाना बनाया गया तो वह और भी कड़ी प्रतिक्रिया देगा।

अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस घटनाक्रम पर पल-पल की रिपोर्ट अपनी वेबसाइट पर साझा की है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रीय वायु रक्षा बल ने कहा कि इजराइल ने तेहरान सहित तीन प्रांतों में सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इससे सीमित क्षति हुई। इजराइली सेना ने शनिवार को कहा कि उसने देश में पूर्व में किए कई ईरानी हमलों के जवाब में ईरान पर हमला किया है। अखबार का मानना है कि इससे आशंका बढ़ गई है कि मध्य पूर्व की दो सबसे शक्तिशाली सेनाओं के बीच लंबे समय से चल रहा टकराव पूर्ण युद्ध में बदल सकता है।

इजराइली सेना ने 2.30 बजे बयान में कहा कि उसने ईरान में सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए। ईरान और उसके सहयोगियों को इजराइल पर एक साल से अधिक समय के किए जा रहे हमलों का जवाब दिया गया है। सेना ने सुबह छह बजे के बाद कहा कि हमला रोक दिया गया है। इजराइली सेना ने कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने मिसाइल-निर्माण सुविधाओं, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल श्रृंखलाओं और अन्य सैन्य स्थलों को निशाना बनाया।

व्हाइट हाउस ने इजराइल के इस ऑपरेशन के लिए समर्थन व्यक्त किया है। इस हमले को लक्षित और आनुपातिक बताया है। हालांकि व्हाइट हाउस ने कहा कि इजराइल और ईरान के बीच लड़ाई का अंत होना चाहिए। एक अधिकारी ने कहा कि अगर ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा तो संयुक्त राज्य अमेरिका फिर इजराइल के बचाव में आएगा।

एक प्रशासनिक अधिकारी ने पहचान छुपाने की शर्त पर कहा कि इजराइली हमला व्यापक और सटीक रहा। इजराइल के सैन्य प्रवक्ता डेनियल हगारी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इजराइली सरकार के नागरिक सुरक्षा आदेशों में तत्काल कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि इजराइली अधिकारी अकसर इन निर्देशों को संशोधित करते हैं, जिससे संभावित हमले का संकेत मिलने पर सभाओं और आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है।

पेंटागन ने कहा कि रक्षा सचिव लॉयड जे. ऑस्टिन ने ईरान में हमलों पर अपडेट प्राप्त करने के लिए इजराइल के रक्षामंत्री योव गैलेंट से बात की। इस दौरान ऑस्टिन ने इजरायल की सुरक्षा और आत्मरक्षा के अधिकार के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता को दोहराया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को ईरान में इजराइली हमलों के बारे में जानकारी दी गई है। अधिकारी ने कहा कि वह घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही हैं।

सभी मोर्चों पर विफल साबित हुई है ओली सरकार: शेखर कोइराला

काठमांडु, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दो तिहाई बहुमत वाले प्रधानमंत्री भी अपने सौ दिन में सिर्फ सरकार गिरने और बचने की बात करेंगे तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और कुछ नहीं हो सकता

नेपाल में केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के 25 अक्टूबर को सौ दिन पूरे हो गए। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने सौ दिन के कार्यकाल को जहां सफल बताया है वहीं उनकी सरकार को समर्थन दे रही नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला ने उनके सौ दिनों के कार्यकाल को सभी मोर्चों पर विफल बताया है।

डॉ. कोइराला ने शनिवार को काठमांडू में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक में कहा कि सरकार के सौ दिन हर दृष्टिकोण से असफल रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री ओली की आलोचना करते हुए जनता के मूल समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए सरकार पर खतरे की बात का विरोध किया है। डॉ. कोइराला ने कहा कि दो तिहाई बहुमत वाले प्रधानमंत्री भी अपने सौ दिन में सिर्फ सरकार गिरने और बचने की बात करेंगे तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और कुछ नहीं हो सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि देश में आए प्राकृतिक आपदा को संभालने में सरकार पूरी तरह विफल रही। देश के डूबते अर्थतंत्र को पटरी पर लाने में सरकार पूरी तरीके से असफल रही। युवाओं का पलायन रोकने में सरकार ने कोई कारगर कदम नहीं उठाए। आम जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने में सरकार चूक गई।

नेपाली कांग्रेस के नेता डॉ. कोइराला ने प्रधानमंत्री के द्वारा राजनीतिक दल विभाजन संबंधी अध्यादेश लाने की तैयारी का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि जिस सरकार को दो तिहाई सांसदों का समर्थन हो उसे अध्यादेश लाने की क्या आवश्यकता है? उन्होंने सवाल किया कि क्या सीपीएन (यूएमएल) संसद की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी से संसद की पहली सबसे बड़ी पार्टी बनने का ख्वाब देख रही है ताकि भविष्य में इस गठबंधन के टूटने के बाद ओली फिर से सरकार बना सकें? उन्होंने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि ओली को इस गठबंधन के प्रति विश्वास नहीं है या फिर वो इस गठबंधन के साथ धोखा कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि विगत 15 जुलाई को ओली ने गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी।

मैं सेलिब्रिटी नहीं बल्कि एक मां की हैसियत से मंच पर आई हूं: बेयोंसे

वाशिंगटन, 26 अक्टूबर।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अपने चरम पर है, यहां पॉप सुपरस्टार बेयोंसे ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के समर्थन में ह्यूस्टन में आयोजित रैली में शिरकत की। अपने होम टाउन ह्यूस्टन में आयोजित इस रैली में बेयोंसे ने मंच पर कहा कि वह यहां एक सेलिब्रिटी के रूप में नहीं, बल्कि एक मां के रूप में आई हैं। बेयोंसे ने कहा मैं यहां एक राजनेता के रूप में नहीं हूं। मैं यहां एक मां के रूप में हूं- एक ऐसी मां जो अपने बच्चों और हमारे सभी बच्चों के भविष्य की गहरी परवाह करती है, बेयोंसे का परिचय उनकी मां टीना नोल्स ने कराया। वह मंच पर पूर्व-डेस्टिनी चाइल्ड सदस्य केली रोलैंड के साथ पहुंचीं।

दर्शकों को संबोधित करते हुए बेयोंसे ने कहा, अब समय आ गया है कि हम एक नया गीत गाएं। एक ऐसा गीत जो 248 साल पहले शुरू हुआ था। पुराने स्वर जो गिरावट, असहमति और निराशा को व्यक्त करते हैं, अब नहीं गूंजते।हमारा समय अब है, उन्होंने कहा। अमेरिका को अब एक नया गीत गाने का समय है। हमारे स्वर एकता का कोरस गाते हैं। इसके बाद बेयोंसे ने कमला हैरिस को मंच पर आमंत्रित किया।कमला हैरिस की इस रैली में बेयोंसे की उपस्थिति ने महीनों से चली आ रही अटकलों पर विराम लगा दिया कि क्या यह पॉप आइकन डेमोक्रेटिक उम्मीदवार का समर्थन करेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, हैरिस के अभियान में बेयोंसे ने अपने गीत फ्रीडम का उपयोग करने की अनुमति दी थी। यह गीत, अश्वेत महिलाओं के सशक्तिकरण पर आधारित है और कमला हैरिस के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान का प्रमुख एंथम बन गया है।

बांग्लादेश में राष्ट्रपति शहाबुद्दीन को हटाने के लिए आम सहमति बनाने के प्रयास तेज

विदेश से लौटे सेना प्रमुख जमान ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार से मुलाकात की

ढाका,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के साक्ष्य मौजूद न होने का आधिकारिक बयान देकर छात्र नेताओं के निशाने पर आए राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस्तीफा देने की मांग करने वाले संगठनों ने आम सहमति बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस बीच विदेश दौरे से लौटे सेना प्रमुख ने आज सुबह अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार से मुलाकात की है।

ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन और जातीय नागोरिक कमेटी (राष्ट्रीय नागरिक मंच) ने राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस्तीफे की मांग के पक्ष में आम सहमति बनाने के लिए राजनीतिक दलों के साथ बैठकें शुरू कर दी हैं। पहले ही दोनों मंचों के नेता बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के साथ अलग-अलग बैठकें कर चुके हैं। भेदभावपूर्व आरक्षण के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेता और जातीय नागोरिक समिति अपनी मांग पर कायम रहना चाहते हैं। वह इस संबंध में अंतरिम सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं। दोनों संगठनों के नेताओं ने राजनीतिक दलों से बातचीत के लिए दो टीमें बनाई हैं। दोनों टीमें अलग-अलग पार्टियों से बातचीत कर रही हैं। वह गुरुवार रात पहली बैठक में बीएनपी नेताओं के साथ बैठे। दोनों संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद के आवास पर बैठक की। बाद में बीएनपी के संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी भी बैठक में शामिल हुए। छात्र नेताओं ने यह समझाने की कोशिश की कि राष्ट्रपति ने बयान के बाद प्रामाणिकता खो दी है। राष्ट्रपति की ऐसी विरोधाभासी टिप्पणियों के बावजूद अगर कोई कार्रवाई नहीं होती तो अंतरिम सरकार सवालों के घेरे में आ जाती है। बैठक में बीएनपी नेताओं ने कहा कि उनकी पार्टी को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। बैठक में स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के संयोजक हसनत अब्दुल्ला, सदस्य सचिव आरिफ सोहेल, प्रमुख समन्वयक अब्दुल हन्नान मसूद, प्रवक्ता उमामा फातेमा, जातीय नागोरिक समिति के संयोजक नसीरुद्दीन पटवारी, सदस्य सचिव अख्तर हुसैन, प्रवक्ता सामंत शर्मिन और जुलाई शहीद स्मृति फाउंडेशन के महासचिव सरजिस आलम उपस्थित रहे। इससे पहले 23 अक्टूबर को सलाहुद्दीन अहमद समेत बीएनपी के तीन शीर्ष नेताओं ने मुख्य सलाहकार से मुलाकात की थी। तीनों ने राष्ट्रपति को अचानक हटाए जाने के परिणामस्वरूप संभावित संवैधानिक संकट के बारे में चेतावनी दी थी।

ईरान की राजधानी तेहरान में सुने गए जोरदार धमाके

तेहरान, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई जोरदार विस्फोट सुने गए। सरकारी टीवी आईआरआईबी यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमाम खुमैनी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थिति सामान्य है।

आईआरआईबी टीवी के अनुसार विस्फोटों के स्रोत की अभी तक पहचान नहीं की गई है और ऐसा लगता है कि विस्फोट तेहरान के उपनगरीय इलाके में हुआ है। टीवी ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से कहा कि कुछ विस्फोट राजधानी के पास तैनात वायु रक्षा प्रणालियों की गतिविधियों से संबंधित थे। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने कहा कि विस्फोटों के स्रोत की पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अर्ध-आधिकारिक तस्नीम समाचार एजेंसी ने बताया कि विस्फोट तेहरान के पश्चिम

में सुने गए, फिर भी राजधानी में स्थिति सामान्य है। इज़रायल ने पुष्टि की कि उसने स्थानीय समयानुसार शनिवार सुबह ईरान में सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं। इज़रायल रक्षा बलों ने कहा कि हमले ईरान के महीनों के लगातार हमलों के जवाब में थे। एक अक्टूबर को ईरान ने इज़रायली ठिकानों पर लगभग 180 मिसाइलें दागीं। तेहरान ने कहा कि ये हमले अन्य चीजों के अलावा क्षेत्रीय प्रतिरोध समूहों के कई नेताओं की हत्याओं का प्रतिशोध थे। जवाब में इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ने गंभीर गलती की है और प्रतिशोध की कसम खाई है।

वहीं ईरानी क्षेत्र पर शनिवार रात भर हुए इजरायली हमले के मद्देनजर ईरान में उड़ानें अगली सूचना तक रद्द कर दी गई हैं। शफकना समाचार एजेंसी ने ईरान नागरिक उड्डयन संगठन के एक प्रवक्ता के हवाले से खबर दी। इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार रात कहा कि उसने एक अक्टूबर को यहूदी राज्य पर हुए हमलों के जवाब में ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। सीबीएस न्यूज ने एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि ईरान पर इजरायली हमला सैन्य तक ही सीमित था।

लक्ष्य और परमाणु या तेल सुविधाओं तक विस्तारित नहीं। फ़ार्स समाचार एजेंसी ने दावा किया कि इज़रायल ने तेहरान के पश्चिम और दक्षिण पश्चिम में कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया। वहीं, तस्नीम समाचार एजेंसी ने कहा कि ईरानी राजधानी के पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में स्थित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी, सशस्त्र बलों की विशिष्ट इकाइयां) के सैन्य केंद्रों को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

स्पुतनिक संवाददाता की रिपोर्ट के अनुसार, सुबह लगभग 4:25 बजे तेहरान के मध्य भाग में, रूसी दूतावास के क्षेत्र में, आकाश में शक्तिशाली विस्फोटों की दूसरी श्रृंखला सुनी गई।

आतंकियों ने गुलमर्ग में सेना पर रॉकेट से हमला किया था

तीन से चार आतंकी थे हमले में शामिल : बारामुला एसएसपी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 26 अक्टूबर।

पहले जम्मू और अब कश्मीर वादी में आतंकवाद के फिर से सिर उठाने के बाद पहली बार आतंकवादियों ने गुलमर्ग के बोटा पथरी में रॉकेट दागा था, जो सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है। पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से संबद्ध पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने बोटा पथरी हमले की जिम्मेदारी ली है। उसने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें एक आतंकवादी घने जंगल में सेना की ओर रॉकेट दाग रहा है।

एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि आतंकवादियों ने सेना के वाहन की ओर रॉकेट दागा था, लेकिन यह निशाना नहीं लगा और वाहन के पास ही गिरा, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ। अधिकारी ने कहा कि रॉकेट दागना चिंता का विषय है, क्योंकि जम्मू क्षेत्र या कश्मीर वादी में सेना पर हाल ही में हुए किसी हमले में पहली बार इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर यह वाहन पर लगता, तो इससे और अधिक नुकसान हो सकता था। अधिकारी ने आगे कहा कि बोटा पथरी में एलओसी के पास हमला करने वाला आतंकवादी समूह हाल ही में

घुसपैठ करने वाला समूह नहीं था। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच के अनुसार ऐसा लगता है कि यह चार आतंकवादियों का समूह था जिसने हमला किया और इस साल की शुरुआत में घुसपैठ की थी।

रक्षाधिकारियों का कहना था कि हमें लगता है कि पिछले कुछ महीनों से बारामुला जिले के जंगलों में मौजूद ज़्यादातर विदेशी आतंकवादियों के समूह ने ही हमला किया है। हमले के बाद भागते समय उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए निशानों से पता चलता है कि वे उसी इलाके में वापस आ गए हैं, जहां से वे काम कर रहे थे। अधिकारी के बकौल, समूह का एक आतंकवादी स्थानीय है जबकि अन्य तीन विदेशी हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल समूह का पता लगाने के लिए मिल रहे सुरागों पर काम कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने जंगल में तलाशी अभियान तेज कर दिया है, ड्रोन, हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया है और विशेष रूप से तंगमर्ग और गुलमर्ग में चौकियों को बढ़ा दिया है।

इस बीच उत्तरी कश्मीर के बोटापथरी और आस-पास के इलाकों में सुरक्षा बलों ने शनिवार सुबह बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। बारामुला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने बताया कि गुरुवार शाम को हुए घातक आतंकी हमले में 3-4 आतंकवादी शामिल थे। एसएसपी जैद मोहम्मद ने बारामुला में मीडिया से बात करते हुए कहा कि रात भर ऑपरेशन रोक दिया गया था, लेकिन आज तड़के फिर से शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बल और अन्य सुरक्षा बल बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान में शामिल हैं। बाबा रेशी से लेकर गुलमर्ग और अन्य आस-पास के इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी ने यह भी कहा कि बोटापथरी हमले से पहले, विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर अन्य स्थानों पर भी तलाशी अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि हमने पट्टन और क्रेरी इलाकों में कई इनपुट-आधारित तलाशी अभियान शुरू किए हैं। जहां तक सबूतों पर विचार किया गया है, माना जाता है कि आतंकी हमले में 3-4 आतंकवादी शामिल हैं।

सूखे से केसर उत्पादन खतरे में

जम्मू, 26 अक्टूबर (ब्यूरो)।

पिछले कई महीनों से कश्मीर में लगातार सूखे की स्थिति के कारण इस साल केसर उत्पादन पर असर पड़ने की संभावना है। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के पंपोर इलाके के केसर उत्पादकों ने बताया कि इस शरद ऋतु में पर्याप्त बारिश न होने से केसर की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। डूसू पंपोर के एक उत्पादक गुलाम रसूल का कहना था कि सितंबर में हल्की बारिश हुई थी, लेकिन यह केसर की उचित खेती के लिए अपर्याप्त थी। रसूल का कहना था कि इस साल चल रही शुष्क परिस्थितियों ने अधिकांश फसलों को प्रभावित किया है और केसर पर भी इसका असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह मध्यम बारिश से भी फसल को लाभ हो सकता है।

एक अन्य उत्पादक खुर्शीद अहमद के बकौल, ईरान, स्पेन और अफगानिस्तान जैसे देशों में हर साल उनके प्रभावी सिंचाई प्रणालियों के कारण केसर की अच्छी पैदावार होती है, जिसकी पंपोर में कमी है। वे कहते थे कि हम आमतौर पर शरद ऋतु में अच्छी बारिश का अनुभव करते हैं, लेकिन इस साल हमारे पास लगभग कोई बारिश नहीं हुई है और इससे निश्चित रूप से उत्पादन प्रभावित होगा। अहमद का कहना था कि सरकार ने पंपोर में केसर उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये का निवेश किया है, फिर भी महत्वपूर्ण ड्रिप सिंचाई सुविधाएं अभी भी काम नहीं कर रही हैं।

अन्य उत्पादकों ने कहा कि ये प्रणालियां सालों पहले स्थापित की गई थीं, लेकिन अस्पष्ट कारणों से उनमें से अधिकांश कभी चालू नहीं हो पाईं। उन्होंने कहा कि अगर ड्रिप सिंचाई सुविधाएँ चालू हो जातीं, तो उत्पादकों को केवल बारिश पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, जिससे समय पर सिंचाई हो पाती और संभावित रूप से बेहतर केसर उत्पादन होता। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से इस मुद्दे को संबोधित करने और केसर उत्पादन बढ़ाने की अपील की है। प्राप्त विवरण के अनुसार, जम्मू और कश्मीर में केसर उत्पादन 2010-11 में 8.0 मीट्रिक टन (एमटी) से घटकर 2023-24 में 2.6 मीट्रिक टन रह गया है, जो कुल मिलाकर लगभग 67.5 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। हालांकि, पिछले साल थोड़ी रिकवरी हुई थी, जिसमें 2022-23 से 2023-24 तक 4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई थी।

अधिकारियों ने बताया कि 2013-14 में केसर का उत्पादन 14.01 मीट्रिक टन था, जिसकी उपज 3.82 किंटल प्रति हेक्टेयर थी। 2014-15 में यह गिरकर 5.57 मीट्रिक टन रह गया, जिसकी उपज 1.52 किंटल प्रति हेक्टेयर रही। 2015-16 में उत्पादन बढ़कर 16.17 मीट्रिक टन हो गया, जिसकी उपज 4.41 किंटल प्रति हेक्टेयर रही, और 2016-17 में यह और बढ़कर 16.45 मीट्रिक टन हो गया, जिसकी उपज 4.49 किंटल प्रति हेक्टेयर रही।

हालांकि, 2017-18 में उत्पादन में गिरावट आई, जो घटकर 5.20 मीट्रिक टन रह गया, जिसकी उपज 1.42 किंटल प्रति हेक्टेयर रही। 2018-19 में उत्पादन थोड़ा बढ़कर 5.65 मीट्रिक टन हो गया, जिसकी उपज 1.54 किंटल प्रति हेक्टेयर रही। 2019-20 तक, उत्पादन में भारी गिरावट आई और यह मात्र 0.02 मीट्रिक टन रह गया, तथा उपज 4.44 किंटल प्रति हेक्टेयर रही। इसके बाद के वर्षों में, उत्पादन स्थिर रहा, 2020-21 और 2021-22 दोनों में 0.02 मीट्रिक टन दर्ज किया गया, जिससे प्रत्येक वर्ष 4.92 किंटल प्रति हेक्टेयर उपज हुई।

संजीव हंस के मामले में तीन अन्य से भी होगी हिरासती पूछताछ

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी संजीव हंस की संलिप्तता वाले करोड़ों रुपए के अवैध धन शोधन के मामले में जेल में बंद तीन अन्य अभियुक्तों को हिरासती पूछताछ के लिए सात दिनों की पुलिस रिमांड पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे जाने का आज आदेश दिया।

विशेष अदालत के न्यायाधीश सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रूपेश देव की अदालत में याचिका दाखिल कर ईडी ने शादाब खान, प्रवीण चन्द्र और पुष्पराज बजाज से हिरासती पूछताछ के लिए उन्हें 14 दिनों की पुलिस रिमांड पर सौंपे जाने की प्रार्थना की थी।

आवेदन पर सुनवाई के बाद विशेष अदालत ने ईडी की प्रार्थना आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए तीनों अभियुक्तों को सात दिनों की पुलिस रिमांड पर हिरासती पूछताछ के लिए ईडी को सौंपे जाने का आदेश दिया है। दूसरी ओर इसी मामले में जेल में बंद आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव से हिरासती पूछताछ की अनुमति ईडी पहले ही प्राप्त कर चुकी है।

गौरतलब है कि ईडी आईएएस संजीव हंस के खिलाफ अवैध धन शोधन मामले में जांच कर रही है। जांच के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान ही ईडी ने अभियुक्तों से लंबी पूछताछ की साथ ही कई स्थानों पर छापेमारी भी की और उसके बाद पूर्व विधायक गुलाब यादव, प्रवीण चंद्रा और शादाब खान को दिल्ली से, संजीव हंस को पटना में और कोलकाता से पुष्पराज बजाज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मामला करोड़ो रुपये का अवैध रूप से धन शोधन का है। अवैध धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत ईडी इस मामले में मुकदमा संख्या ईसीआई 04/2024 दर्ज कर जांच कर रही है।

राष्ट्रपति को अपने बीच पाकर गौरावान्वित हुए आदिवासी

रायपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपने बीच पाकर छत्तीसगढ़ के लोग हमेशा गौरवान्वित होते हैं, विशेष रूप से यहां के जनजातीय समाज स्वयं को बहुत प्रतिष्ठित महसूस कर रहा है।

छत्तीसगढ़ के गौरवशाली पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित सरगुजा प्रखण्ड के लोकार्पण और महतारी वंदन की 9 वीं किस्त की राशि के अंतरण के अवसर पर छत्तीसगढ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों के लोग अपनी जीवन-पद्धति, खान-पान, लोक-नृत्य, लोक-संगीत, लोकवाद्यों, कलाओं रीति-

रिवाजों, तीज-त्यौहारों, अस्थाओं और अन्य आदिम परंपराओं को सहेज कर रखा है। नर्तक दलों ने अपने नृत्य के माध्यम से बताया कि जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। जनजातीय समाज का कल्याण करने सरकार प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ के गौरवशाली पुरखौती मुक्तांगन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपने बीच पाकर हमारे छत्तीसगढ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने अपनी पहचान नृत्य के माध्यम में प्रस्तुत की। जिला सरगुजा, विकासखण्ड मैनपाट के ग्रमा डांगबुड़ा के नर्तक दल ने सरगुजा संभाग के आदिवासियों के प्रसिद्ध लोकनृत्य करमा का पुरूष पारंपरिक वेशभूषा में धोती, कुर्ता, पगड़ी, मयूरपंख सहित और महिलाएं साड़ी-ब्लाउज के साथ पैर में घुंघरू पहनकर मांदर और झांझ बजाते हुए नृत्य का प्रदर्शन किए। करमा नृत्य लगभग हर खुशी के अवसर पर किया जाता है। इसी प्रकार दंतेवाडा जिला के विपकासखण्ड गीदम के ग्राम जोड़तराई के नर्तकदल ने गौर नृत्य कर पारंपरिक बस्तर के विभिन्न त्यौहारों के जैसे- अमुस तिहार, नवाखाई आमा पण्डुम, शादी-विवाह आदि में महिलाओं और पुरूषों के द्वारा मिलकर सामुहिक रूप से पारंपरिक तरीके से नृत्य का प्रदर्शन किए। जिला जशपुर के विकासखण्ड कांसाबेल के ग्राम टाटीडांड के नर्तकों ने करमा अपने नृत्य के माध्यम से बताया कि करमा दशहरा के चार दिन बाद गाड़ते हैं, शाम को करम डगाल काटकर गाड़तें हैं और रातभर करमा नृत्य करते हैं । यही राजी करमा के नाम से भी जाना जाता है। इस करमा को बड़े घुमधाम से मनाया जाता है। इसी प्राकर दीपावली करमा दीपावली के दिन शाम को करम पेड से डगाल काटकर गाडते हैं और और रातभर करमा नृत्य करते हुए सुबह विसर्जन करते हैं। इस करमा में गोवर्धन पूजा, लक्ष्मी पूजा भी करते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान देश के गांव-गांव से शहरों तक देखने को मिल रहा है : मुरुगन

भोपाल, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद स्वच्छ भारत अभियान के नाम से राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की। इस अभियान का असर देश के गांव-गांव से शहरों तक देखने को मिल रहा है।

डॉ. मुरुगन ने नगर पालिक निगम भोपाल के सहयोग से 'एक दशक स्वच्छता के, स्वच्छ भोपाल के लिए विशेष पहल विषय पर शुक्रवार को आयोजित एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला वार्तालाप को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान यह भारत के सबसे बड़े व्यवहार परिवर्तन आंदोलनों में से एक बन गया है। उन्होंने कहा कि देश भर में 11.5 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण के साथ, स्वच्छ भारत अभियान के शुभारंभ के बाद से 10 वर्षों में भारत ने एक लंबी यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि आज स्वच्छता अभियान के कारण पूरे देश में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। लोगों की जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान में सबका सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों भी में 40 साल से पड़ी अनुपयोगी फाइलों को डिस्पोज किया गया। 15 साल पुरानी गाड़ियों को भी स्क्रैप के रूप में यूटिलाइज कर स्वच्छता को बढ़ावा दिया गया।

डॉ. मुरुगन ने कहा कि भोपाल शहर में स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्य लोगों को प्रेरित करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल नगर निगम ने अपने अथक प्रयास से भानपुर खंती को एक गोल्फ कोर्स जैसे सुंदर मैदान में तब्दील कर दिया। भोपाल नगर निगम ने शहर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले 850 टन कचरे के प्रबंधन के लिए अभिनव रणनीति अपनाई है, जिसमें ईंधन स्रोत के रूप में खतरनाक कचरे का उपयोग करना भी शामिल है। वैज्ञानिक अपशिष्ट निपटान, वेस्ट से वेल्थ परियोजना और निर्माण अपशिष्ट के पुनर्चक्रण

जैसे प्रयास अन्य शहरों के लिए एक रोल मॉडल है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान में मीडिया की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्रकारों से स्वच्छता अभियान के तहत किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अपील की और इस मिशन को और अधिक सफल बनाने के लिए सकारात्मक भूमिका अदा करने की भी गुजारिश की। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन पर मीडिया कार्यशाला वार्तालाप आयोजित करने के लिए पीआईबी भोपाल की प्रशंसा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भारत में महात्मा गांधी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही ऐसे नेता है, जिन्होंने स्वच्छता पर जोर दिया। वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व केंद्र सरकार द्वारा गांव - शहरों में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाए गए। ये अभियान सामाजिक संगठनों और जनता की सक्रिय भागीदारी से सफ़ल हुए हैं। उन्होंने कहा कि महापौर रहने के दौरान उन्होंने रोको-टोको अभियान चलाया और यह तय किया कि न गंदगी करेंगे और ना करने देंगे। उन्होंने भोपाल को क्लीन और ग्रीन शहर बनाने का लोगों से आह्वान किया।

महापौर मालती राय ने कहा कि सामाजिक संस्थाएं भी भोपाल को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में प्रशंसनीय सहयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कई वार्डों में बर्तन बैंक भी स्थापित किया गया है। स्वच्छता किटी समूह कचरा पृथक्कीकरण को लेकर जागरुकता फैला रहा है। इस समूह का प्रत्येक सदस्य हर महीने 100 रुपये का योगदान देता है जिससे साफ सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन का स्तर सुधारने पर केंद्रित कई समुदायिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेता है। कार्यशाला में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण ने एक पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम स्वच्छ भारत मिशन के तहत भोपाल नगर निगम द्वारा की जा रहे प्रयासों से पत्रकारों को रूबरू कराया। कार्यशाला के दौरान स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्थाओं की महिलाओं और प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। पीआईबी, भोपाल के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और स्वागत उद्बोधन दिया।

इससे पहले कार्यशाला का शुभारंभ केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन , भोपाल लोक सभा क्षेत्र के सांसद आलोक शर्मा, नगर निगम भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण, पत्र सूचना कार्यालय के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यशाला का आयोजन स्वच्छ भारत मिशन के संदर्भ में पत्रकारों की रचनात्मक, सकारात्मक और विकास परक पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए किया गया।

इरफान अंसारी को मंत्रीमंडल से बर्खास्त करें हेमंत सोरेन: शिवराज

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

झारखंड में कांग्रेस नेता और मंत्री इरफान अंसारी का सीता सोरेन पर दिए अमर्यादित बयान पर भाजपा नेताओं ने कड़ा विरोध जताया है। शनिवार को भाजपा चुनाव प्रभारी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सोरेन के मंत्रीमंडल से इरफान अंसारी को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने इरफान के बयान का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जामताड़ा विधायक और मंत्री इरफान अंसारी ने सीता सोरेन के लिए अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया है। क्या इरफान अंसारी को शर्म नहीं आती है। आदिवासी महिला सीता सोरेन को इरफान अंसारी ने रिजेक्टेड माल बोला है। उनको शर्म करनी चाहिए।

श्री चौहान ने कहा कि सीता सोरेन स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पत्नी, शिबु सोरेन की बहु और हेमंत सोरेन की भाभी हैं। वे झारखंड भाजपा की सम्मानित नेता हैं। इरफान अंसारी ने सीता सोरेन के लिए भद्दे शब्दों का इस्तेमाल किया। इरफान अंसारी ने केवल सीता सोरेन जी का अपमान नहीं किया बल्कि

झारखंड की बहनों और बेटियों का अपमान किया है। यह भारत की नारी शक्ति का अपमान है। अगर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शर्म आती है तो इरफान अंसारी को मंत्री मंडल से बाहर निकाल देना चाहिए। इस बीच कोडरमा सांसद और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्ण देवी ने सीता सोरेन पर कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी के बयान का घोर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इरफान अंसारी ने सीता सोरेन के लिए बहुत ही अपमानजनक टिप्पणी की है। महिलाओं के लिए कांग्रेस की क्या सोच है कांग्रेस नेता इरफान अंसारी के बयान से स्पष्ट हो गया है। कांग्रेस महिला और युवा विरोधी पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मन में महिलाओं के लिए ओछी मानसिकता हमेशा से रही है। जिसको आज कांग्रेस के इरफान अंसारी ने सीता सोरेन पर अभद्र भाषा का प्रयोग कर स्पष्ट कर दिया है।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा ने कहा कि मैं इरफान अंसारी के टिप्पणी का विरोध करती हूं। झारखंड में कांग्रेस ने एक आदिवासी महिला सीता सोरेन जी का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं की पूजा की जाती है, उनका सम्मान किया जाता है। लेकिन महिलाओं के प्रति कांग्रेस गलत और ओछी मानसिकता का परिचय इरफान अंसारी के बयान से साफ हो गया है। अगर कांग्रेस महिलाओं की इतना ही चिंता करती है तो कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इरफान अंसारी के टिकट को वापस ले लेनी चाहिए। सांसद अन्नपूर्णा ने प्रियंका गांधी से भी इरफान अंसारी के बयान का जवाब मांगा। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि कांग्रेस नेता इरफान अंसारी के अमर्यादित बयान का महिलाओं से विरोध करना चाहिए। ऐसी ओछी मानसिकता वाले लोगों को और ऐसे मंत्री को हटाना चाहिए और इरफान अंसारी के टिकट को वापस लेना चाहिए। लेकिन कांग्रेस ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करती है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप आपको आत्मविश्वास से साथ दिन की शुरुआत करने की जरुरत हैं आप एक से अधिक प्रोजेक्ट में शामिल होंगे और समय की कमी भी महसूस कर सकते हैं. वित्तीय स्थिति में सुधार होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त रास्ता भी मिल सकता है. यदि आप परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी स्थिति को बढ़ाना चाहते हैं तो अपने मन को एकाग्र रखें प्रत्येक बिंदु पर ध्यान देने की जरुरत हैं । आपको अपने जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा. प्रेम संबंध मजबूत होंगे. व्यायाम करते रहें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार की शुरुआत कुछ धीमी रहेगी आपको अपने क्रोध पर संयम बरतने की आवश्यकता हैं, वरना व्यर्थ विवाद में फंस सकते हैं. दोपहर के बाद धन का आगमन होगा. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है. संतान की शिक्षा पर व्यय बढ़ेगा. आपकी निर्णय लेने की क्षमता और पराक्रम में वृद्धि होगी. आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने के भी योग हैं प्रेमी जोडों को आपस मे मिलने का सही समय हैं। एक दूसरे को मन की बात कहने से पीछे नही हटना चाहिए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन आपकी परेशानी को दूर करेगा आपकी सारी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है. बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है. साथ ही यात्रा सुखद रहेगी. संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है, जिससे आपके खुशियों में इजाफा होगा. ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलेगा, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा. गणेश जी के मंत्र का जप करें कार्यसिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन सफलता वाला रहेगा श्रेष्ठ परिणाम रहेंगे . परीक्षा या नौकरी की तलाश करने वाले या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों को सतत प्रयास करने जरुरत हैं. क्योंकि आने वाले समय में सफलता आपके साथ होगी. व्यवसाय विस्तार की योजना संभव है. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. आप अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से दूसरों से आगे रहेंगे. पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण होगा और पारीवारिक सदस्यों के मध्य एकता रहें । आप का परिवार का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है और इसके कारण आप अधिक तनाव मे रहेंगे और बेचैन होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. कोई बड़ा काम होगा. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. यात्रा लाभदायक रहेगी. आपके छोटे भाई या बहन का समर्थन आप को आत्मविश्वास देगा. अतिरिक्त काम में किसी की मदद मिल सकती है. पुराने कुछ मामलों में अनबन खत्म हो सकती है. दूसरो की समज को भी नजरअंदाज नही करना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज एकाएक आपको अचानक धन लाभ होगा. ऑफिस के कुछ सहकर्मी आपके काम में सपोर्ट करेंगे, जिससे आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा. किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आगे आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा. आपके सोचे हुए काम आसानी से पूरे होंगे. नौकरी या बिजनेस में आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें आपको पूरा सफलता मिलेगी. अपनी सामर्थ्य अनुसार मंदिर मे दान करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को सामाजिक तौर पर फायदा होगा राजनीति क्षेत्र मे जमीन तलाश कर सकते हैं जीवन में कुछ बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिनका उपयोग आप अपने लाभ के लिए कर सकते हैं. किसी बुद्धिमान व्यक्ति से मिलने वाली महत्वपूर्ण सलाह पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि आप उससे अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं. विचारों का आदान–प्रदान भी आपको बहुत लाभ दिला सकता है. आपको अपने पिता के सुझाव का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह आपके लिए कुछ नए वित्तीय मार्ग खोलने में मदद कर सकते हैं. परिवार की महिला का स्वास्थ्य आप को चिंता मे डाल सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज किसी पर भी आप को भरोसा नही करना चाहिए पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. अपने आत्मविश्वास पर आप को आगे बढना चाहिए उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें. रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है.गाय को गुड खिलाए और चिंटियों शक्कर डालें

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह धार्मिक ग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए विचारों मे सात्विकता रहेगी मित्रो के साथ समय बितेगा , जिससे घर में खुशियों का माहौल बन जायेगा. आप बच्चों को कुछ उपहार जरूर दें बच्चे पढ़ाई में महनत करते रहेंगे टीचर्स भी सहायता करेंगे. जिससे बच्चों का रुझान पढ़ाई में बढ़ेगा. आप कोई नया काम करने की सोचेंगे. शिवजी के सन्मुख तिल के तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप अपने अलग अलग व्यापार का एक मे विलय कर सकते. कठिन समय है, कार्य स्थल पर बार–बार परिवर्तन आपको भ्रमित कर सकता है. प्रेम संबंधों के लिए यह एक अच्छा समय है. आप का परिवार के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनेगा विवाहित सम्बन्ध मे तनाव हो सकता हैं परंतु आप का मौन और संयम तनाव का अंत सुखद बना देगा बच्चे आपको व्यस्त और खुश रखेंगे. स्वास्थ्य मजबूत रहेगा । शाम के समय मे मन भी प्रफुल्लित रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सभी ओर से खुशी का वातावरण रहेगा पारिवारिक जीवन मे संतुष्टि रहेगी एवं आपस मे सौहार्दपूर्ण माहौल रहेगा. जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा. छोटी–मोटी नोंक–झोंक को नजरअंदाज करना चाहिए दूसरों के काम में दखल न दें. झंझटों से दूर रहें. विवाद को बढ़ावा न दें । आज आप व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें.आप के प्रयास धन की किल्लत को दूर करेंगे नौकरी की समस्या हल होगी ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज किसी मित्र के यहा हवन का आयोजन बन सकता हैं आप की व्यस्तता भी रहेगी फिर भी आपका दिन खुशनुमा रहेगा. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. ऑफिस में आपके काम को लेकर सीनियर्स आपकी तारीफ कर सकते हैं. छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. साथ ही कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है. नंदी को चावल का भूसा खिलाए आर्थिक संकट दूर होगा।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 27 अक्टूबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी अहोरात्र
नक्षत्र : मघा दोपहर 12:24 तक
योग : ब्रह्म अहोरात्र
करण : बव सायं 06:37 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल दोपहर 12:24 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास को तेजी से आगे बढ़ाएगी

सीएम सैनी ने पीएम मोदी से मुलाकात कर परियोजनाओं पर की चर्चा

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात कर राज्य के विकास के संबंध में विभिन्न विकास परियोजनाओं और योजनाओं पर चर्चा की।

श्री सैनी ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में आने वाले समय में केंद्र और हरियाणा की डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास की गति को तीव्रता से आगे बढ़ायेगी और विकास के मामले में नॉनस्टॉप हरियाणा– बढ़ता हुआ हरियाणा होगा। उन्होंने श्री मोदी के साथ मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से कहा कि गत दिवस हरियाणा विधानसभा में सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली और आज प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाकात हुई। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री के साथ कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि हरियाणा में विकास की गति में तीव्रता लाएं, ताकि लोगों के जीवन को सरल और सुगम बनाया जा सके। इसी कड़ी में गत दिनों उनकी नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल और केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ भी बैठकें हुई है, जिसमें कई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। श्री सैनी ने कहा कि गुरुग्राम में मेट्रो रेल और रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का विस्तारीकरण होगा, तो वहीं सराय कालेखां से पानीपत तक जाने वाली आरआरटीएस परियोजना को करनाल तक बढ़ाने का भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से लोगों को यातायात जाम से निजात मिलेगी और उनका सफर सुगम और सरल होगा।

अंबाला में बस स्टैंड की मरम्मत के लिये 92.37 लाख रुपए मंजूर

चंडीगढ़, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने अंबाला छावनी बस स्टैंड की स्पेशल रिपेयर के लिए सरकार ने 92.37 लाख रुपए की प्रशासनिक मंजूरी दी है। इस संबंध में परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि सरकार ने 92.37 लाख रुपए की प्रशासनिक मंजूरी दी है और बहुत जल्द अम्बाला छावनी बस स्टैंड की रिपेयर के लिये कार्य शुरू किया जायेगा। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड को पहले से भी अधिक बेहतर बनाया जायेगा जिससे यहां आने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधायें मिल सकें।

उन्होंने कहा कि अंबाला छावनी बस स्टैंड जीटी रोड पर सबसे महत्वपूर्ण बस स्टैंड है और रोजाना यहां से हजारों यात्री अलग–अलग राज्यों में आने–जाने के लिए बसों से उतरते और चढ़ते हैं। श्री विज परिवहन मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के कुछ घंटे के भीतर ही अम्बाला छावनी बस स्टैंड पर व्यवस्थाओं को जानने के लिये औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान कई खामियां उन्हें मिली थी और उन्होंने मौके पर ही बस स्टैंड इंचार्ज (एसएस) को निलंबित करने के निर्देश दिये थे। परिवहन मंत्री हालांकि अनिल विज के निरीक्षण के चौबीस घंटे के भीतर ही परिवहन विभाग ने बताई गयी विभिन्न खामियों को ठीक किया था ताकि यात्रियों को समस्याओं का सामना न करना पड़े। श्री विज ने अम्बाला छावनी बस स्टैंड से दिल्ली तक बस में सफर किया था और इस दौरान उन्होंने यात्रियों से बातचीत करते हुए समस्याओं को भी जाना था।

इस दौरान बीच मार्ग में श्री विज ने करनाल और पानीपत बस स्टैंड पर भी निरीक्षण किया था। गौरतलब है कि श्री विज के प्रयासों से ही वर्ष 1999 में अम्बाला छावनी बस स्टैंड को नया रूप दिया गया था। पहले यहां छोटा बस स्टैंड था, मगर श्री विज के प्रयासों से नया बस स्टैंड बना जो कि जीटी रोड सबसे बड़ा बस स्टैंड बनाया गया था।

हरियाणा सरकार ने गेहूं के प्रमाणित बीजों की दरें तय की

चंडीगढ़, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने आगामी रबी सीजन 2024–25 के लिये गेहूं के प्रमाणित बीजों की बिक्री दरों की घोषणा की है। कृषि विभाग के निदेशक द्वारा जारी निर्देशों के तहत, राज्य सरकार ने किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज किफायती दरों पर उपलब्ध कराने के लिये सब्सिडी योजना लागू की है।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार किसानों को वित्तीय सहायता देने और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है, ताकि आगामी सीजन में फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके और कृषि परिणाम बेहतर हों। उन्होंने कहा कि नायब सरकार का यह निर्णय न केवल किसानों को रियायती दरों पर अच्छे गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराएगा, बल्कि उनकी पैदावार बढ़ाकर उनकी आय में भी वृद्धि करेगा। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, सभी प्रकार के गेहूं की सामान्य बिक्री सी –306 किस्म और अधिसूचना के 10 वर्ष से अधिक पुरानी किस्मों को छोड़कर– 3875 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है। हालांकि, किसानों को राहत देने के लिए सरकार एक हजार प्रति क्विंटल की सब्सिडी देगी, जिससे बीज की प्रभावी दर घटकर 2875 रुपये प्रति क्विंटल हो जायेगी।

प्रमाणित गेहूं के बीज 40 किलोग्राम के प्री–पैक बैग में सब्सिडी वाली दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि किसान रबी सीजन के लिए आसानी से उच्च गुणवत्ता वाले बीज खरीद सकें। यह सब्सिडी केवल हरियाणा के किसानों को ही दी जाएगी और किसी सरकारी एजेंसी, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), या योजनाओं के तहत प्रदर्शन के लिये इस्तेमाल किये गये बीजों पर लागू नहीं होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रमोशनल गतिविधियों या अन्य सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग किये जाने वाले बीजों पर कोई सब्सिडी नहीं मिलेगी।

डोटासरा के नृत्य करने का उपचुनाव में कोई असर नहीं पड़ेगा : पूनिया

जैसलमेर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश–शाध्यक्ष और पार्टी के हरियाणा प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर व्यंग्य कसते हुए कहा कि उनका चुनावी सभाओं में किए जाने वाले नृत्य का आम जनता भरपूर आनंद उठा रही है, इसका असर न तो हरियाणा के चुनावों में देखा गया और न ही राजस्थान के उपचुनाव में कोई असर पड़ेगा।

श्री पूनिया ने जैसलमेर प्रवास के दौरान कहा कि राजस्थान में सात सीटों पर हो रहे उपचुनाव में प्रचार के दौरान उनके द्वारा किये जाने वाले नृत्य से जनता का मनोरंजन जरूर हो रहा है, लेकिन यह नृत्य मतों में बदलेगा ऐसा नजर नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के हथकंडे मतों में तब्दील नहीं होते हैं सिर्फ जनता का मनोरंजन होता है। जहां तक राजस्थान में होने वाले सीटों पर उपचुनाव की बात है हमारे पास खोने को कुछ नहीं है। चुनाव से पहले इन सात सीटों में से हमारे पास एक सीट थी, लेकिन अब चुनावों में अधिकतर सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीतेंगे।

उपचुनाव में सबसे ज्यादा चर्चित सीट खींवसर की चर्चा करते हुए श्री पूनिया ने कहा, इस सीट पर पिछली बार हम करीब ढाई हजार मतों से हारे थे। मुझे लगता है इस बार की स्थिति में बहुत परिवर्तन नजर आ रहा है, क्योंकि अब सरकार बदल चुकी है। राजस्थान का जनमानस अक्सर सत्ता और सरकार के साथ तालमेल बैठाकर चलता है। डबल इंजन की सरकार का राजस्थान में उपचुनावों पार्टी को फायदा मिलेगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत का फॉर्मूला बताते हुए उन्होंने कहा कि आजकल चुनाव में इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन का काम ज्यादा है। यदि कांग्रेस से तुलना करें तो संगठन में हम उनसे उत्कृष्ट हैं। प्रबंधन एवं रणनीति भी हमारी उनसे बेहतर थी। हम उनसे इक्कीस थे, लेकिन लोकसभा चुनाव में पांच सीटें हारने के कारण उन्होंने हमें कम आंक लिया। मगर, सच यह था कि हम बहुत प्रतिकूलताओं में चुनाव लड़े। किसान, जवान, पहलवान, संविधान, आरक्षण को लेकर हमारे खिलाफ एक नकारात्मक अभियान कांग्रेस ने चलाया। कुछ हद तक भ्रम फैलाने में वे कामयाब भी हो गए। हालांकि हमने लोकसभा से लेकर विधानसभा चुनाव के बीच अच्छी तैयारी कर ली थी, जिसकी वजह से जीत दर्ज कर पाए।

हरियाणा की जीत के बाद पार्टी में कद बढ़ने के सवाल पर श्री पूनिया ने कहा, मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूं। जो जिम्मेदारी तय करनी है वह पार्टी करेगी। मुझे खुशी है कि मैं विजयी दल का हिस्सा हूं। पार्टी से मिली जिम्मेदारी और विश्वास पर मैं खरा उतरा। मैं पार्टी का एक महत्वपूर्ण सदस्य हूं। मेरे बारे में मैं नहीं, पार्टी निर्णय करती है। पार्टी ने मेरे को मेरी हैसियत से काफी ज्यादा बहुत कुछ दिया है। राइजिंग राजस्थान में निवेश बढ़ाने को लेकर मुख्यमंत्री भजन लाल की विदेश यात्राओं को लेकर विपक्ष द्वारा सवाल उठाए जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत ने राजस्थान को बीमारू राज्य से बाहर निकाला था, वसुंधरा राजे ने अपने कार्यालय में राज्य में खूब निवेश लाने में बढ़िया कार्य किया था, अब भजन लाल भी राइजिंग राजस्थान में देश के साथ सौर ऊर्जा से लेकर पर्यटन तक, अगर यहां निवेश आता है तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र की तरक्की भी होगी। इससे पहले श्री पूनियां ने भाजपा जिला कार्यालय जैसलमेर में पार्टी कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर पूनियां ने कार्यालय में सदस्यता अभियान की कार्यशाला को संबोधित करके सदस्यता अभियान को बूथ, मंडल स्तर तक मजबूती से पहुंचाने का आह्वान किया, जिससे पूरे राज्य का देशभर में सदस्यता में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बन सकेगा। यह कार्य पार्टी के कार्यकर्ता अपने परिश्रम की पूंजी से संभव कर दिखाएंगे।

अध्यापक को ब्लैकमेल करने की आरोपी मां–बेटी गिरफ्तार

धौलपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में धौलपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक अध्यापक को हनी ट्रैप में फंसाकर उससे रकम ऐंठने के आरोप में पुलिस ने मां– पुत्री और एक दलाल को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि हनी ट्रैप के शिकार अध्यापक देवेंद्र गर्मियों की छुट्टियों में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को घर पर नि:शुल्क भौतिकी पढ़ाते थे। उसी दौरान आरोपी छात्रा भी पढ़ने आती थी। इस वर्ष जून के अन्त में विद्यालय खुलने पर उन्होंने घर पर पढ़ाना बन्द कर दिया। उसके बाद छात्रा एवं उसकी मां ने अपनी पारिवारिक गरीबी का हवाला देकर देवेंद्र से धन की मांग करना शुरू कर दिया। बाद में उसे झूठे मामले में फंसा देने की धमकी दी और फिर अध्यापक के खिलाफ धौलपुर के महिला थाने में मामला दर्ज करा दिया। तब छात्रा की मां की मांग पर अध्यापक ने 50 हजार रुपये नकद और एक स्कूटी दी। पुलिस के अनुसार इसके बाद छात्रा एवं उसकी मां ने दलाल राकेश के माध्यम से उससे बड़ी रकम की मांग की। बाद में साढ़े बारह लाख रुपये छात्रा के खाते में एचडीएफसी बैंक में जमा कराने पर सहमति बन गयी। इसके बाद इस पूरे मामले की शिकायत देवेंद्र ने पुलिस में की। तब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मामले के खुलासे के लिये जिला विशेष दल (डीएसटी) और पुलिस उपाधीक्षक (अनुसूचित जाति जनजाति शाखा) के नेतृत्व में दल का गठन किया और दल ने जाल बिछाया। देवेंद्र जब धौलपुर में एचडीएफसी बैंक में छात्रा के खाते में राशि जमा करवा रहा था, उसी समय पुलिस दल ने दबिश देकर दलाल राकेश, छात्रा और उसकी मां को गिरफ्तार करके नकदी बरामद कर ली। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

युवा मतदाताओं में भाजपा का आकर्षक बढ़ा : चतुर्वेदी

श्रीगंगानगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मंत्री एवं सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने कहा है कि देश के युवाओं में भाजपा के प्रति आकर्षण खूब बढ़ा है।

श्री चतुर्वेदी ने शनिवार को यहां पत्रकारों से कहा कि भाजपा के चल रहे देशव्यापी सदस्यता अभियान के आंकड़ों के मुताबिक अब तक जो लोग सदस्य बने हैं, उनमें करीब 61 प्रतिशत लोगों की आयु 35 वर्ष से कम है। इससे साफ होता है कि देश के युवा वर्ग का भाजपा पर पूर्ण भरोसा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियां युवाओं को आकर्षित और प्रभावित कर रही हैं। वर्ष 2014 में भाजपा के 10 करोड़ सदस्य थे, तब छह महीने में 10 करोड़ सदस्य बने थे। विगत दो सितंबर को सदस्यता अभियान शुरू करने से पहले पार्टी की सदस्यता को शून्य कर दिया गया था। इस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदस्य बन कर नये अभियान की शुरुआत की। सिर्फ 45 दिन में ही 10 करोड़ सदस्य बन गये। इनमें से 61 प्रतिशत सदस्य 35 वर्ष से कम आयु के हैं।

श्री चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान में शुक्रवार शाम तक करीब 74 लाख लोग पार्टी के सदस्य बन चुके थे। इनमें करीब 54 लाख लोग डिजिटल और शेष 20 लाख ऑफलाइन फर्म भर के सदस्य बने हैं। उन्होंने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में भी अभियान पूरी मजबूती से चल रहा है। इस जिले में दो लाख 80 हजार सदस्य बनाने के लक्ष्य के विपरीत अब तक एक लाख 85 हज़ार सदस्य बन चुके हैं।

कार–पिकअप की भिड़ंत में पिता पुत्र और भांजे की मौत, दो घायल

श्रीगंगानगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में अनूपगढ़ जिले में भारतमाला परियोजना राजमार्ग 911 पर शनिवार सुबह पिकअप और कार में टक्कर होने से कार में सवार पिता–पुत्र और भांजे की मौत हो गयी जबकि पिकअप चालक और एक बालक घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पिकअप वाहन घड़साना से सब्जियां लेकर अनूपगढ़ की तरफ आ रहा था कि सुबह करीब सात बजे चक 15–ए के बस अड्डे के पास एक ट्रैक्टर को ओवरटेक करते समय पिकअप विपरीत दिशा से आ रही कार से टकरा गयी। इससे कार में सवार प्रभुराम सोखल (40), उसके पिता ओम प्रकाश (65) और ममेरा भाई बलबीर (45) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि प्रभुराम का भतीजा प्रशांत (12) और पिकअप वाहन चालक करणीसिंह (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अन्यत्र भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। आज शाम को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

आपा अपने दोषों का आरोप दूसरों पर मढ़ती है : विज

अंबाला, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा हरियाणा को जिम्मेदार ठहराने पर हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। विज ने कहा कि आम आदमी पार्टी अपने दोषों का दूसरों पर दोषारोपण करती है। इनके पहले वाले बयान लगाकर देखो, ये कहा करते थे कि पंजाब से धुंआ आ रहा है, उससे प्रदूषण हो रहा है, अब पंजाब में भी इनकी सरकार बन गई धुंआ तो वैसे ही आ रहा है, लेकिन अब ये पंजाब का नाम नहीं लेते, अब ये हरियाणा का नाम ले रहे हैं।

ऐसे ही यमुना जो प्रदूषित होती है, उसका भी हरियाणा का दोष लगाते है। कोई भी राष्ट्रीय समिति बनाकर हरियाणा से जो यमुना जा रही है, उसका पीओडी चेक कर लें और दिल्ली में प्रवेश करने के बाद ओखला तक उसका पीओडी चेक कर लें, उसमें 10 गुना ज्यादा पीओडी है तो उसको कौन देखेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में किसकी सरकार है, कितने नाले दिल्ली में जाकर मिल रहे हैं, यह कौन देखेगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी झूठी एक पार्टी है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बयान कि भाजपा का पूरी एमएसपी देना और वक्त पर खाद देने का वायदा झूठा साबित हुआ, पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि अब हुड्डा जो चाह रहे थे वो तो हुआ नहीं। उन्होंने कहा कि पंजाबी में एक कहावत है नहाती धोती रह गई मुंह ते मक्खी बै गई, उनकी (कांग्रेस) तो सरकार बनी नहीं है, इसलिए वो बड़े हताश हैं, निराश हैं। मंत्री विज ने हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि हुड्डा ने तो पहले ही अधिकारियों की मीटिंग लेनी भी शुरू कर दी थी और बतौर मुख्यमंत्री उनको आदेश देने भी शुरू कर दिए थे, पर उनको अभी जनता की नब्ज का ज्ञान नहीं है।

खली ने विज के साथ ली चाय की चुस्कियां

वास्तु नियमों के अनुसार होना चाहिए पूजा घर

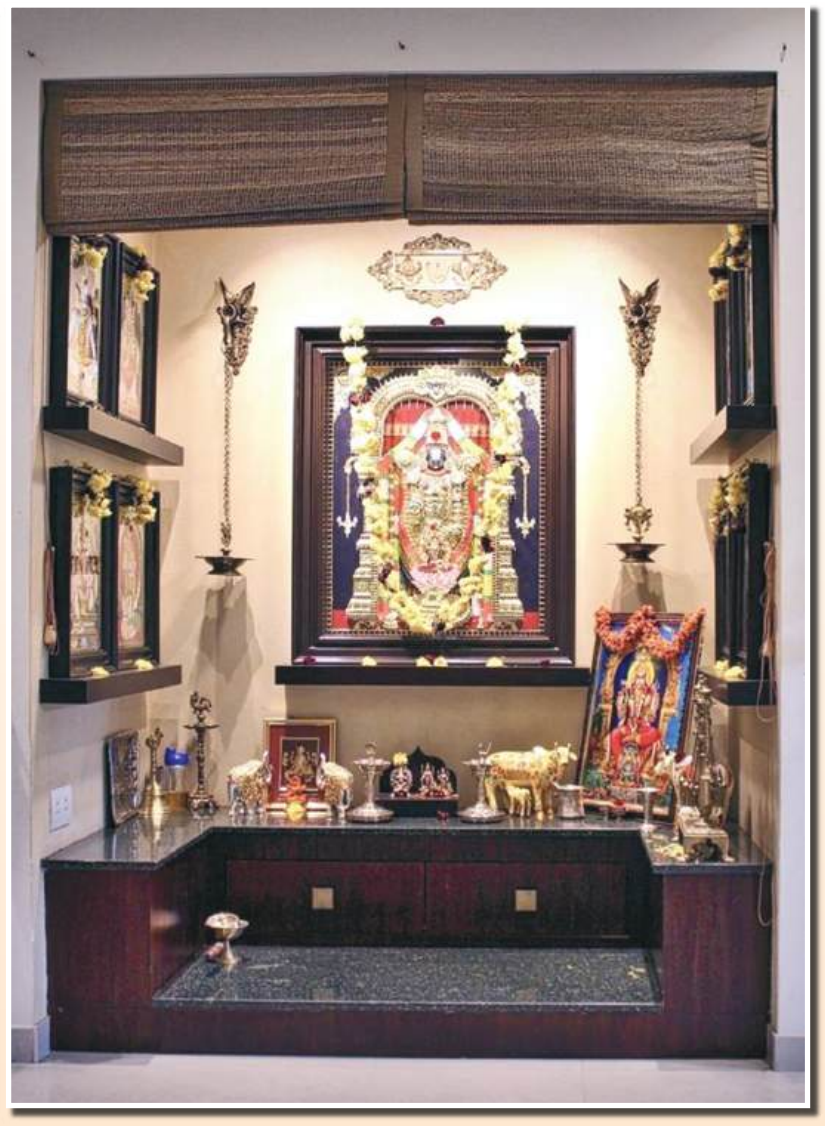

आस्था और विश्वास के साथ जब हम अपने घर में ईश्वर को स्थान देते हैं, तो परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना भी करते हैं। घर पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहे, पूजा-पाठ का पूर्ण लाभ मिल सके इसके लिए आवश्यक है कि पूजाघर वास्तु नियमों के अनुसार होना चाहिए अन्यथा गलत दिशा में की गई पूजा से लाभ होने की बजाय आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पूजा स्थान घर का देवस्थान होता है। जहां से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए आपका पूजा घर वास्तु के हिसाब से ऐसा होना चाहिए, जो आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बेहतर तरीके से कर पाए। दरअसल पूजा घर सही स्थान पर न होने के कारण कभी-कभी पूजा का शुभ फल प्राप्त नहीं हो पाता है। इसलिए पूजा घर बनवाते समय आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए, अगर आपके घर में पूजा घर है तो उसे भी वास्तु के कुछ नियमों से ठीक करवाकर अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार तेज कर सकते हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वास्तु के अनुसार, अपने पूजा कक्ष चाहे किसी भी दिशा में हो। लेकिन देवी-देवता के मुख की दिशा उत्तर-पूर्व की ओर होनी चाहिए। पूजा करते समय इसे शुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार, पूजा कक्ष एक शांत जगह है, इसलिए इसका रंग भी शांत होना चाहिए। इसलिए पूजा घर में सफेद, पीला, लाइट ब्लू, नारंगी जैसे रंगों को चुन सकते हैं। अगर वास्तु के अनुसार पूजा कक्ष बनाना चाहते हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि वह सीढ़ियां और बाथरूम से दूर हो। वास्तु के अनुसार, देवी-देवता को जमीन में न रखें। बल्कि अपनी मूर्तियों के लिए एक मंच, चौकी ले आएं। अपने देवताओं को जमीनी स्तर से ऊपर रखें।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजा कक्ष में मूर्तियों को दीवार से सटाकर न रखें। मूर्तियों और दीवार के बीच एक इंच और आधा इंच जगह छोड़ दें। पूजा कक्ष में दीपक और मोमबत्तियां जलाना एक महत्वपूर्ण माना जाता है। वास्तु के अनुसार, घर में धूपबत्ती और घी जलाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। इसलिए दीपक को दक्षिण-पूर्व में मूर्तियों के सामने रखें। वास्तु के अनुसार, देवी- देवताओं की टूटी-फूटी मूर्तियों रखने से बचना चाहिए। क्योंकि ये अशुभ होता है और वास्तु दोष भी लगता है। इसलिए क्षतिग्रस्त मूर्तियों को बहते हुए जल में विसर्जित कर देना चाहिए या पीपल के पेड़ के नीचे रख देना चाहिए।

पूजा का आदर्श स्थान

मानसिक स्पष्टता और प्रज्ञा की दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान) पूजा करने के लिए आदर्श स्थान है क्योंकि यह कोण पूर्व एवं उत्तर दिशा के शुभ प्रभावों से युक्त होता है।घर के इसी क्षेत्र में सत्व ऊर्जा का प्रभाव शत-प्रतिशत होता है।

पूजा करते समय मुख की दिशा

सामान्य तौर पर पूजा करते वक्त मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर करना चाहिए। वास्तु ग्रंथों में कहा गया है कि धन प्राप्ति के लिए उत्तर दिशा एवं ज्ञान प्राप्ति के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके की गई पूजा चमत्कारिक लाभ देती है।

किस देवता के लिए कौनसी दिशा

प्रत्येक दिशा के अपने देवता हैं जो उस दिशा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए उस क्षेत्र के देवता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उस दिशा विशेष में ही पूजा करना उत्तम रहता है,जैसे देवी माँ और हनुमान जी की पूजा दक्षिण दिशा में,धन की दिशा उत्तर में गणेश,लक्ष्मी जी एवं कुबेर की व उत्तर-पूर्व दिशा में शिव परिवार,राधा-कृष्ण और पूर्व दिशा में श्री राम दरबार,भगवान विष्णु की आराधना एवं सूर्य उपासना करने से परिवार में सौभाग्य की वृद्धि होती है।शिक्षा की दिशा पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में विद्यादायिनी माँ सरस्वती की पूजा करने से ज्ञान में वृद्धि होती है।पश्चिम दिशा में गुरु,महावीर स्वामी,भगवान बुद्ध,जीसस की पूजा शुभ फल प्रदान करती है।संबंधों और जुड़ाव की दिशा दक्षिण-पश्चिम में पूर्वजों की पूजा सुख-समृद्धि प्रदान करेगी।

पूजा के नियम

पूजा स्थल में सुबह -शाम नियमित रूप से दीपक जलाना एवं शंख ज़रूर रखना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होकर परिवार में सुख-सौहार्द का वातावरण बनेगा। कभी भी सूखे हुए पुष्प पूजा घर में न रखें, वास्तु में इसे शुभ नहीं माना गया है। पूजा घर में किसी भी प्रकार सात्विक रंग जैसे हल्का हरा,पीला,जामुनी या क्रीम रंग का यहां प्रयोग करने से मन को शांति मिलती है।

इन बातों का रखें ध्यान

पूजाघर के नीचे या ऊपर शौचालय नहीं होना चाहिए। पूजाघर में महाभारत की प्रतिमाएं,प्राणी तथा पक्षियों के चित्र नहीं होने चाहिए। दिवंगतों की तस्वीरें भी यहां नहीं रखे। पूजाघर में धन-संपत्ति छुपाकर रखना शुभ नहीं माना गया है। यहां पर कोई भी खंडित तस्वीर या मूर्ति नहीं होनी चाहिए। दक्षिण-पश्चिम की दिशा में निर्मित कमरे का प्रयोग पूजा-अर्चना के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रात में नींद नहीं आए तो अपनाएं वास्तु टिप्स

तनाव भरी जिंदगी में आजकल नींद न आने की समस्या आम है। जबकि रोजाना अच्छी नींद लेने से मन-मस्तिष्क और शरीर स्वस्थ रहता है। नींद पूरी न होना और अनिद्रा की समस्या के चलते कई लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जानकार बताते हैं कि नींद पूरी ना होने के कारण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यहां तक कि कई लोग इसकी वजह से नींद की दवा लेकर सोते हैं। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि जबकि कई बार नींद ना आने कारण तनाव ही नहीं बल्कि वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में वास्तु दोष होने की वजह से परिवार के लोगों को सही से नींद नहीं आती है। वास्तु शास्त्र में अच्छी नींद के लिए कई तरह के उपाय बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करने से नींद में आ रही समस्या खत्म हो सकती है। दिन भर की भाग-दौड़ के बाद अच्छी नींद व्यक्ति के लिए बेहद जरूरी हो जाती है, पर आज के समय में ज्यादातर लोग सही ढंग से नींद न आने की समस्या से परेशान हैं। देखा जाए तो इसके पीछे व्यस्त जीवनशैली और मानसिक तनाव मुख्य कारण हैं। इसके अलावा शयन कक्ष के गलत वास्तु के कारण भी कई बार नींद न आने की समस्या पेश आती है। इसलिए अगर आप नींद न आने की समस्या से पीडति हैं तो आपको एक बार अपने बेडरूम के वास्तु पर जरूर ध्यान देना चाहिए।

बेडरूम में आइना ना लगाएं

बेडरूम में आइना ना लगाएं। वास्तुशास्त्र के अनुसार बेडरूम में आइना लगाने से नींद में बाधा आती है। यदि बेडरूम में आइना है तो रात को सोते समय उसे किसी कपड़े से ढंक दें। इसके अलावा बेडरूम में कभी भी झाड़ू नहीं रखनी चाहिए।

इलेक्ट्रॉनिक सामान

कई लोग अपने बेडरूम में इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे- टीवी या कंप्यूटर रखते हैं। जबकि वास्तु में इसे सही नहीं माना गया है। ऐसे में भूलकर भी इन चीजों को अपने बेडरूम में न रखें, क्योंकि ऐसा करने से नींद न आने की समस्या बढ़ने लगती है।

बेड की सही दिशा

अपने कमरे में बेड का ध्यान रखें। वास्तुशास्त्र के अनुसार, बेडरूम में कभी भी बिस्तर उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए। ऐसा होने से नींद में बाधा आ सकती है और आप ठीक से सो नहीं पाते हैं।

बेड पर न खाएं खाना

वास्तुशास्त्र की मानें तो बिस्तर पर बैठकर खाना नहीं खाना चाहिए। ऐसा करने से नींद में खलल पड़ती है और अच्छी नींद नहीं आती। वहीं घर के सभी सदस्यों को एक साथ भोजन करना चाहिए। ऐसा करने से मन में शांति रहती है आप खुशी महसूस करते हैं, जिससे नींद अच्छी आती है।

घी का दीपक

यदि नींद बार-बार टूटती है, तो रात को सोते समय बेडरूम में देसी घी का दीपक जलाकर सोना चाहिए। ऐसा करने से अच्छी नींद आती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेडरूम में पलंग लकड़ी का होना चाहिए। इसके साथ ही चौकोर आकार के पलंग पर सोना अच्छा माना जाता है। कहा जाता है कि इससे अच्छी नींद आती है।

बेडरूम में ना रखें पानी

बेडरूम में कभी भी पानी की बोतल या दूसरा कोई जल पात्र न रखें। दरअसल, पानी के चलते मन-मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही अगर आपके बेडरूम के ठीक ऊपर पानी की टंकी हो तो उसके लिए बेड के ऊपर लकड़ी का कृत्रिम छत या आवरण जरूर लगवा लें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

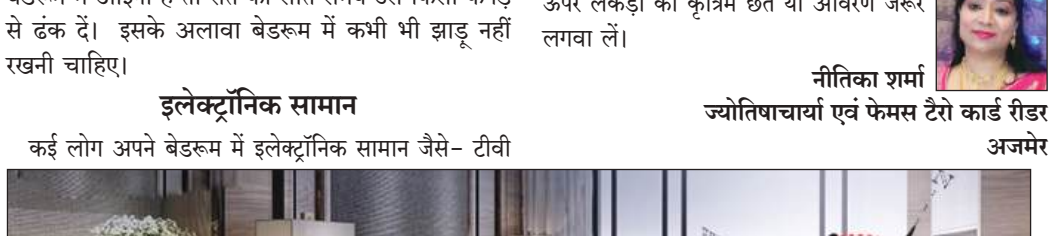

घर के आंगन में प्रेम का प्रतीक है यह पौधा, लाता है सुख समृद्धि

चर्मरोगों में है फायदेमंद चिकित्सक से जानें

हिंदू धर्म में पेड़ पौधों को भी भगवान की तरह पूजा जाता है । ऐसे अनेकों फल है जिनको अपने इष्ट देव को अर्पण करने से वे प्रसन्न होते हैं। ऐसा ही एक पौधा है धतूरा, इसका फल भगवान शिव का सबसे प्रिय फल होता है। यह फल शिवलिंग पर अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। धतूरे के पत्ते बड़े डंठल वाले और नोकदार होते हैं।

इसके फूल घंटी के आकार के होते हैं इनमें पांच पंखुड़ियां होती हैं। धतूरे के फूल सफेद रंग के होते हैं लेकिन कभी-कभी हल्के बैंगनी या पीले रंग के फूल भी आते हैं। इसका फल गोल और कांटेदार होता है और बीज काले-भूरे रंग के होते हैं। धतूरा औषधिय गुणों से भरपूर पौधा है। इसके पत्ते और फलों व सूखे बीजों का आयुर्वेद में बड़ा महत्व है। धतूरे के पत्ते हल्के हरे रंग व भूरे-हरे के होते है।

धतूरे का पौधा घर में लगाना शुभ है या नहीं

भगवान शिव का सबसे प्रिय पौधे धतूरे को घर आंगन चौक में लगाना शुभ माना जाता है। घर के आंगन में काला धतूरा समृद्धि वाला पौधा होता है, क्योंकि इस पौधे को भगवान शिव की विशेष कृपा वाला पौधा कहा गया है। इस पौधे को घर में लगाने से वैवाहिक संबंध भी मधुर बने रहते हैं। धतूरे के पौधे से घर में लगाने से घर में सुख शांति भी बनी रहती है।

धतूरे के औषधीय गुण

धतूरे के पौधे को आयुर्वेद में औषधिय गुणों की खान कहां जाता है। इस पौधे में अनेक औषधीय गुण मौजूद है इसकी जड़ पीसकर इसमें गोमूत्र मिलाकर उस जगह पर लेप करें जहां पथरी का दर्द उठ रहा हो कुछ समय बाद ही पथरी का दर्द ठीक हो जाता है। इसके अलावा धतूरे का पौधा चर्म रोग में सबसे ज्यादा उपयोगी माना जाता है। इसके बीजों को पीसकर सरसों तेल के साथ गर्म करके तेल को चर्म रोग पर लगाने से दाद खाज खुजली की समस्याएं तुरंत ठीक हो जाती है।

अनेक रोगों में कारगर

धतूरे का रस बालों पर लगाने से बाल मजबूत होते हैं व बालों का झड़ना बहुत कम हो जाता है। इससे गंजापन की समस्या भी दूर हो जाती है।धतूरे के फूलों का रस को गंजे सिर पर सप्ताह में एक बार जरूर लगाना चाहिए।

आयुर्वैदिक डॉक्टर ने बताया कि यह एक औषधीय पौधा है, जो गठिया रोग, शरीर की सूजन व मांसपेशियों के दर्द में तुरंत आराम देने वाला पौधा है। औषधिय गुणों से भरपूर धतूरा का पौधा अस्थमा के रोगियों के लिए रामबाण इलाज है। यह पौधा श्वसन संबंधी बीमारियों को दूर भागने में भी सहायक होता है।

घर को बुरी नजर से बचाना है, तो दिवाली पर इन पत्तों से बना तोरण लगाएं, बन जाएंगे सारे काम!

दिवाली का त्योहार भारतीय संस्कृति में खास स्थान रखता है। यह रोशनी, खुशियों और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर घर और दुकान को सजाने का विशेष महत्व होता है। आम के पत्तों से बने तोरण को मुख्य द्वार पर सजाना, दीयों और रंगोली के साथ एक अहम परंपरा मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि आम के पत्तों से बने तोरण शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होते हैं।

आम के पत्तों से बने तोरण का महत्व

वास्तु शास्त्र के अनुसार, आम के पत्तों का तोरण लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आम के पत्तों को पवित्र माना जाता है, और जब इन्हें मुख्य द्वार पर लटकाया जाता है, तो यह नकारात्मक शक्तियों को दूर रखते हैं। इससे घर में एक सुखद और शांतिपूर्ण वातावरण बना रहता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को घर के अंदर प्रवेश करने से रोकता है, जिससे घर में शांति, समृद्धि और खुशी बनी रहती है।

घर को बुरी नजर से बचाने के लिए तोरण

आम के पत्तों से बने तोरण को बुरी नजर से बचाने का एक प्रभावी उपाय भी माना जाता है। यह न केवल घर की सजावट में चार चांद लगाता है, बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, आम के पत्तों का तोरण लगाने से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

ऐसा भी माना जाता है कि तोरण घर के सदस्यों को सुरक्षा प्रदान करता है, और परिवार की उन्नति में सहायक होता है। वहीं दिवाली पर आम के पत्तों का तोरण लगाना सिर्फ एक सजावट नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से भी जुड़ा हुआ है।

दलपति 69 से जुड़ीं प्रियामणि
पहली बार विजय के साथ स्क्रीन पर मचाएंगी धमाल

दलपति 69 साउथ सुपरस्टार विजय की राजनीति में प्रवेश से पहले आखिरी फिल्म होगी। द गोट की रिलीज के कुछ ही दिनों बाद विजय की अगली फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर बैक-टू-बैक अपडेट सामने आ रहा है। फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस कर रहा है। बीते दिन विजय की फिल्म से बॉबी देओल और पूजा हेगड़े के जुड़ने की जानकारी मिली। वहीं, अब नई रिपोर्ट ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। निर्माताओं ने पोस्ट कर जानकारी दी है कि प्रियामणि भी फिल्म दलपति 69 का हिस्सा बन गई हैं।प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म दलपति 69 से प्रियामणि का पोस्टर साझा कर इस खबर की आधिकारिक घोषणा की है। इसके साथ उन्होंने नोट में लिखा, दलपति 69 परिवार में प्रियामणि का आधिकारिक तौर पर स्वागत करते हुए खुश हैं। फिल्म से प्रियामणि के जुड़ाव ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। जानकारी हो कि यह पहली बार होगा ज ब प्रियामणि, विजय के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। दलपति 69 को पॉलिटिकल थ्रिलर माना जा रहा है। वास्तव में, केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा साझा किए गए पहले पोस्टर में दलपति विजय को लोकतंत्र के मशाल-वाहक की भूमिका निभाते हुए देखा गया था। अब तक अस्थाई शीर्षक वाली फिल्म दलपति 69 से प्रियामणि के अलावा गौतम वासुदेव मेनन, बॉबी देओल, पूजा हेगड़े और ममिता बैजू जैसे सितारों के जुड़ने की जानकारी मिल चुकी है। अन्य अभिनेताओं के बारे में विवरण आगामी दिनों में घोषित होने की उम्मीद है। राजनीति में पूर्ण प्रवेश से पहले दलपति 69 विजय की अंतिम फिल्म है।दलपति 69 अगले साल यानी अक्तूबर, 2025 में रिलीज होगी। पोस्टर से लग रहा है कि फिल्म की कहानी सोशल ड्रामा थ्रिलर फिल्म होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक एच विनोत और उनकी टीम इस महीने विजय अभिनीत आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रही है।

भूल भुलैया 3 का आमी जे तोमार सॉन्ग रिलीज
विद्या-माधुरी के परफॉर्मेंस ने लूटी महफिल, दिखीं 2 मंजूलिका की झलक

कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित स्टारर मोस्ट अवेटेड भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में 1 नवंबर को दस्तक देगी। इस बीच इसके आईकॉनिक सॉन्ग आमी जे तोमार को मेकर्स ने फाइनली रिलीज कर दिया है। फैंस सॉन्ग का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे क्योंकि इसमें विद्या और माधुरी ने एक साथ डांस किया है। पहली भूल भुलैया में विद्या ने आमी जे तोमार पर डांस कर सबका दिल जीत लिया था वहीं भूल भुलैया 2 में इस गाने पर कार्तिक आर्यन ने सोलो और तब्बू ने डबल रोल में गाने पर परफॉर्मेंस दी थी। अब इस आईकॉनिक सॉन्ग में विद्या के साथ ही माधुरी ने भी परफॉर्म किया है।हाल ही में भूल भुलैया मंजूलिका यानि विद्या बालन ने सॉन्ग की एक झलक दिखाते हुए बताया था कि 25 अक्टूबर को आमी जे तोमार रिलीज होने जा रहा है। पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, आमी जे तोमार।।।जुगल बंदी।।।इस बार माधुरी दीक्षित नेने जी के साथ। आमी जे तोमार 3।0 सॉन्ग जल्द रिलीज होगा। भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में 1 नवंबर को रिलीज होगी। ये दिवाली भूल भुलैया वाली।भूल भुलैया के इस आईकॉनिक सॉन्ग में पहली फिल्म में विद्या बालन को डांस करते हुए देखा गया था जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। वहीं भूल भुलैया 2 में कार्तिक आर्यन ने इस पर थिरककर दर्शकों का दिल जीत लिया था साथ ही अरिजीत की आवाज में यह गाना दर्शकों को बहुत पसंद आया था। वहीं तब्बू ने भी डबल रोल में इस गाने पर डांस किया था। अब भूल भुलैया 3 में इस सॉन्ग पर दो-दो मंजूलिकाएं नजर आईं। बता दें इस फिल्म में माधुरी को दूसरी मंजूलिका के रूप में दिखाया गया है। वहीं इस सॉन्ग में भी विद्या और माधुरी की जुगलबंदी देखने को मिली। दर्शकों को श्रेया घोषाल की आवाज में यह सॉन्ग काफी पसंद आया है वहीं विद्या और माधुरी की परफॉर्मेंस भी धांसू है।भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में दिवाली के मौके पर यानि 1 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। फिल्म को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया है इसमें कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डीमरी लीड रोल प्ले कर रहे हैं। इनके अलावा विजय राज, राजपाल यादव और संजय मिश्रा जैसे कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं।

अभिषेक बच्चन की अपकमिंग फिल्म आई वान्ट टू टॉक का टीजर आउट
22 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिषेक बच्चन अपकमिंग फिल्म आई वान्ट टू टॉक में नजर आएंगे, जिसका टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म को सरदार उद्यमसिंह, पिंक, पीकू, विक्की डोनर जैसी फिल्में बनाने वाले शूजित सरकार ने डायरेक्ट किया है। शूजित के डायरेक्शन की हर कोई तारीफ करता है वहीं बॉलीवुड के कई एक्टर्स उनके साथ काम करना चाहते हैं। इस बार अभिषेक और शूजित कुछ नया और हटकर लाने वाले हैं। टीजर देखकर पता चल रहा है कि अभिषेक इस बार जिंदगी के फलसफे समझाने आ रहे हैं। मेकर्स ने टीजर के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है।अभिषेक ने जो वीडियो शेयर किया उसमें उनका खुद का एक स्टैच्यू है जो कार में लगा हुआ है। बैकग्राउंड में अभिषेक कहते हैं, मुझे बात करना बहुत पसंद है, मैं बात करने के लिए ही जीता हूं। जिंदा और मरे हुए लोगों में मुझे बस यही एक अंतर दिखता है जिंदा लोग बोल पाते हैं और मरे हुए लोग बोल नहीं पाते। जूनियर बच्चन ने इसे शेयर करते हुए कैप्शन लिखा- हम सभी जानते हैं कि एक व्यक्ति जिसे बात करना बहुत पसंद है जो हमेशा लाइफ की बेहतर साइड को देखता है। चाहे जिंदगी में उसे कोई भी चुनौती मिले। उस व्यक्ति को टैग करें जिसे बात करना बहुत पसंद है।अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी अपकमिंग फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक का टीजर रिलीज किया। इसी के साथ जूनियर बच्चन ने फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। शूजित सरकार द्वारा निर्देशित यह फिल्म 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जैसे ही टीजर शेयर किया गया बी टाउन हस्तियों ने तारीफों के पुल बांध दिए। डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने लिखा, वहा क्या टीजर है। सोनू सूद ने लिखा, कमाल लग रहा है भाई। करण जौहर ने कमेंट किया, मेरे फेवरेट फिल्म मेकर और फेवरेट एक्टर, कुछ मैजिकल होने वाला है।वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन रेमो डिसूजा की बी हैप्पी में नजर आने वाले हैं जो जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म को रेमो डिसूजा ने बनाया है। वहीं वे शाहरुख खान की किंग में भी दिखेंगे जिसे सुजॉय घोष डायरेक्ट कर रहे हैं।

बिग बॉस 17 में भाग ले चुकी सोनिया बंसल परिवार के साथ मनाएंगी जन्मदिन

बिग बॉस 17 में एक सप्ताह तक नजर आई सोनिया बंसल अपने जन्मदिन के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उन्होंने कहा कि उनकी योजना घर पर परिवार के साथ समय बिताने की है।सोनिया ने कहा, खैर, मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो हर साल एक भव्य और भव्य पार्टी करना पसंद करते हैं। मैं एक साधारण व्यक्ति हूं जो अपने परिवार के लिए ऐसे विशेष दिन को खास बनाना चाहती हैं। इसलिए, मेरे लिए इस साल का जन्मदिन घर पर परिवार के साथ मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि उनका कैलेंडर काफी व्यस्त है, जिसके कारण वह अपने परिवार के साथ समय नहीं बिता पा रही हैं।उन्होंने कहा, मेरे काम का शेड्यूल काफी व्यस्त है, जिसके कारण मैं अपने परिवार के साथ उतना समय नहीं बिता पाई जितना मैं चाहती थी। इसलिए, इस जन्मदिन पर कोई बहाना नहीं है।इसे एक निजी मामला बताते हुए उन्होंने कहा : यह घर पर एक शांत निजी उत्सव होगा जिसमें अच्छा खाना, बातचीत और परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाएगा। यह मेरी प्राथमिकता है और मेरे लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।सोनिया ने 2022 में फिल्म गेम 100 करोड़ का से डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने राहुल रॉय, शक्ति कपूर, विशाल मोहन और पंकज बेरी के साथ काम किया। वह फिल्म नॉटी गंगा, डुबकी में भी नजर आईं।सोनिया समर खान द्वारा निर्देशित एक्शन ड्रामा वेब सीरीज शूरवीर में भी नजर आईं। यह फिल्म विक्रांत श्रीनिवास द्वारा निर्देशित एक एक्शन थ्रिलर है।बिग बॉस 17 की बात करें तो इस शो को सलमान खान ने होस्ट किया था। इस विवादित रियलिटी शो को मुनव्वर फारुकी ने जीता था।बिग बॉस का 18वां सीजन 6 अक्टूबर से शुरू हुआ है। वर्तमान में शो में नायरा बनर्जी, करण वीर मेहरा, अविनाश मिश्रा, मुस्कान बामने, चूम दरंग, चाहत पांडे, विवियन डीसेना, ईशा सिंह, रजत दलाल, शिल्पा शिरोडकर, सारा अरफीन खान, गुणरत्न सदावर्ते, तजिंदर पाल सिंह बग्गा, श्रुतिका अर्जुन राज, शहजादा धामी, ऐलिस कौशिक और अरफीन खान शामिल हैं।शो के 18वें सीजन से बाहर होने वाली पहली प्रतियोगी हेमा शर्मा हैं।

जुड़वा बहनों की दमदार कहानी है दो पत्ती
इमोशन्स और सस्पेंस से भरपूर फिल्म के संवाद जबरदस्त

दो पत्ती आज रिलीज हो चुकी है। फिल्म की कहानी जुड़वा बहनों सौम्या और शैली के घर से शुरू होती है, जिनकी मां के गुजर जाने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाती है। सौम्या पीटीएसडी (पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) से पीड़ित है जबकि शैली उसे गलत समझती है, जिससे दोनों बहनों के बीच दरार आ जाती है। फिल्म में कृति सेनन ने डबल रोल किया है।कहानी में मोड़ तब आता है, जब सालों बाद ध्रुव सूद, सौम्या की लाइफ में आता है और उसे नई उम्मीद देता है, जबकि शैली, सौम्या की जिंदगी बर्बाद करने की कसम खाती है। कहानी बढ़ती है तो ध्रुव शैली को धोखा देकर सौम्या से शादी कर लेता है। लेकिन क्या शैली, सौम्या और ध्रुव को खुशी-खुशी रहने देगी? क्या कंट्रोल से बाहर होती जिंदगियां पटरी पर लौटेंगी? ये सब कुछ दो पता चलेगा दो पत्ती देखने के बाद!काजोल की फिल्म में पुलिस अधिकारी के तौर पर एंट्री होती है। काजोल के लिए यह केस जीवन का सबसे पेचीदा साबित हो जाता है। ऐसे में दर्शक वास्तव में सोच में पड़ जाएंगे कि क्या वह सबसे पेचीदा मामले को सुलझा पाएंगी।शशांक चतुर्वेदी निर्देशित और कनिका ढिल्लों की लिखी और निर्मित इस फिल्म में रहस्य, सम्मोहन और आश्चर्य समेत सभी तत्व सही जगह पर हैं। स्क्रीन से चिपके दर्शक सोच में पड़ जाएंगे अब आगे क्या? जैसे-जैसे फिल्म क्लाइमेक्स की ओर बढ़ती है, अप्रत्याशित मोड़ हैरान कर देते हैं। फिल्म को बेहतरीन सीन्स, कैमरा वर्क और बैकग्राउंड स्कोर के साथ अच्छी तरह से बनाया गया है। फिल्म का रांझणा गाना दर्शकों की प्लेलिस्ट में शामिल हो चुका है।इसमें कोई शक नहीं है कि कृति सेनन ने दो पत्ती में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभाई है। फिल्म में उनका डबल रोल वास्तव में काबिल-ए-तारीफ है। शैली खतरनाक और चुलबुली है, तो वहीं सौम्या शर्मीली और सीधी सी।काजोल ने अपने किरदार के साथ न्याय किया है। एक ऐसी पुलिस अधिकारी की भूमिका में छाप छोड़ी है जो सच्चाई का पता लगाती है और न्याय के लिए लड़ती है। वहीं, ध्रुव सूद के रूप में शाहीर शेख का किरदार आश्चर्यजनक है।कनिका ढिल्लों ने हर किरदार को खूबसूरती से लिखा है। वह घरेलू हिंसा के मुद्दे को संवेदनशीलता से छूती हैं और पर्दे पर उसी हिसाब से उतारा भी है।ढिल्लों दुर्व्यवहार करने वाले घरों में परिवार के सदस्यों की चुप्पी पर सवाल उठाती हैं। क्लाइमेक्स दहला देने वाला है! ढिल्लों ने कृति सेनन की ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स के साथ मिलकर अपने बैनर कथा प्रोडक्शंस के तहत फिल्म का निर्माण किया है!

श्वेता तिवारी ने डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने 44 साल की उम्र में भी खुद को 22 साल की लड़की जैसा मेंटेन कर के रखा हुआ है।श्वेता तिवारी ने एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस को दीवाना बना दिया है। श्वेता ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह मैरून डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की किलर पोज और उनकी जबरदस्त हॉटनेस ने फैंस को घायल कर दिया है। इन तस्वीरों में श्वेता ने लाइट मेकअप किया है, जो उनकी नेचुरल ब्यूटी को और भी निखार रहा है। खुले बालों के साथ उनके लुक ने चार चांद लगा दिए हैं। 44 साल की उम्र में भी श्वेता तिवारी का यह स्टाइलिश और फिटनेस अवतार फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।एक्ट्रेस की उम्र का उन पर कोई असर नजर नहीं आता, और उनके फैंस भी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

महाकुंभ 2025 : श्रद्धालुओं को होंगे भारत की पुरातन संस्कृति और वैभव के दर्शन

प्रयागराज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ-2025 में जब श्रद्धालु आएंगे तो उन्हें भारत की संस्कृति और वैभव के दर्शन भी होंगे। योगी सरकार के सहयोग से इलाहाबाद/प्रयागराज संग्रहालय भव्य प्रदर्शनी लगाएगा। महाकुंभ में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बनने जा रहे विश्व के सबसे बड़े युगे-युगीन संग्रहालय का ट्रेलर देखने को मिलेगा।

देश के चार राष्ट्रीय संग्रहालयों में एक प्रयागराज में स्थित है। संग्रहालय में विविध प्रकार के संग्रह हैं, जिनमें यथा मूर्तिशिल्प, मृण्मूर्ति, लघुचित्र कला, आधुनिक चित्रकला, पुरातात्विक वस्तु, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, वस्त्र, पाण्डुलिपि, फरमान आदि हैं। मूर्ति कला संग्रह में अशोक स्तम्भ शीर्ष (तीसरी सदी ई. पूर्व) 58 भरहुत स्तूप के (दूसरी सदी ई.पू.) कला शिल्प, जिसमें जातक कथाओं के दृश्य हैं, स्तम्भ, बड़ेर, तोरण पूर्व कला शिल्प वीथिका में प्रदर्शित हैं।

मध्य कालीन मूर्ति शिल्प अनुभाग में वैष्णव, शाक्त, शैव और जैन मूर्तियां हैं। लघु चित्र कला और आधुनिक चित्रकला का समृद्ध संग्रह है।

इलाहाबाद/प्रयागराज संग्रहालय के डिप्टी क्यूरेटर डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि महाकुंभ- 2025 में प्रदर्शनी के लिए संग्रहालय को योगी सरकार की ओर से स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है। महाकुंभ में संग्रहालय की ओर से डिजिटल प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें इतिहास से जुड़ी वस्तुओं का प्रदर्शन होगा। एक अमृत कलश भी बनाया जाएगा।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि दिल्ली में बनने जा रहे युगे-युगीन संग्रहालय का ट्रेलर महाकुंभ में दिखाया जा सकता है, इसकी कार्ययोजना तैयार की जा रही है। महाकुंभ में इलाहाबाद/प्रयागराज संग्रहालय में रखीं मूर्तियों के रेप्लिका को प्रदर्शित किया जाएगा। वर्ष 2019 के कुंभ में मोहिनी की मूर्ति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही थी और उसे संग्रहालय ने सेल्फी प्वाइंट बनाया था।

प्रयागराज में युद्धस्तर पर चल रही महाकुंभ की तैयारी के बीच इलाहाबाद/प्रयागराज संग्रहालय की ओर से व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। संग्रहालय और मेला प्राधिकरण के बीच स्थान को लेकर बैठकों का दौर जारी है। योगी सरकार की कोशिश है कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भारत की कला, संस्कृति और वैभव के दर्शन हों।

कन्नौज बलात्कार कांड
सपा नेता नवाब सिंह, नीलू और किशोरी की बुआ पर आरोप तय

कन्नौज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कन्नौज बलात्कार कांड के मुख्य अभियुक्त सपा नेता नवाब सिंह यादव, नीलू और किशोरी की बुआ पर आरोप तय हो गए हैं। पॉक्सो कोर्ट में तीन घंटे बहस हुई। दुष्कर्म की धारा और पुलिस की कार्यशैली पर आपत्ति दर्ज की गई। कन्नौज के बहुचर्चित किशोरी दुष्कर्म कांड में दाखिल चार्जशीट पर शुक्रवार को पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई की गई। तीन घंटे तक चली बहस के बाद आरोपी नवाब सिंह यादव, नीलू और पीड़िता की बुआ पर आरोप तय किए गए। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया। अब 28 अक्टूबर निर्णय सुनकर तीनों पर मुकदमे का ट्रायल शुरू किया जाएगा।

जिला एवं सत्र न्यायालय में स्थित पॉक्सो कोर्ट में किशोरी दुष्कर्म कांड में दाखिल चार्जशीट पर बहस हुई।

बचाव पक्ष से चार अधिवक्ताओं ने आरोपियों का पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष में तीन घंटे तक बहस चली। बचाव पक्ष को दुष्कर्म की धारा 65(1) भारतीय न्याय संहिता पर आपत्ति थी। अधिवक्ताओं को फोरेंसिक जांच रिपोर्ट पर भी आपत्ति थी और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता का कहना है कि पुलिस ने जो धाराएं लगाई हैं, उनके साक्ष्य भी दिए हैं और चार्जशीट एवं केस डायरी में उसका उल्लेख किया गया गया। इससे संबंधित पर्याप्त गवाह भी पुलिस के पास हैं।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) अलका यादव ने फैसला सुरक्षित कर लिया और मुकदमे का ट्रायल शुरू करने के लिए 28 अक्टूबर की तारीख निश्चित कर दी। मुकदमा किन धाराओं में चलेगा, अभी इसकी जानकारी अभियोजन और बचाव पक्ष ने नहीं दी है। विदित हो कि मुख्य आरोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव और बुआ पर एक समान धाराएं लगीं हैं, जबकि सह आरोपी नीलू यादव पर साक्ष्य मिटाने की धारा लगी है।

गोरखपुर में बनेगा विश्वस्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर : योगी

रोइंग सेंटर के लिए वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आरएफआई को देंगे जगह

25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के विजेता पुरस्कृत किए गए

गोरखपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक ऐलान से गोरखपुर में रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि रामगढ़ताल के समीप विश्व स्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनाने के लिए सरकार रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफआई) को वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जगह उपलब्ध कराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की सभी बड़ी झीलों में वाटर स्पोर्ट्स की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

शनिवार को रामगढ़ताल में आयोजित 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के समापन समारोह में खिलाड़ियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रोइंग के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। जरूरत है प्रतिभाओं को तराशने की। हमारे रोइंग खिलाड़ी ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतिस्पर्धाओं में प्रतिभाग कर मेडल जीत सकते हैं। रोइंग में प्रतिभाओं को तराशने के लिए सरकार रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुरोध पर रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर खोलने के लिए रामगढ़ताल के पास बने वर्ल्ड क्लास वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्पेस देगी। साथ ही सेंटर को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रदेश सरकार हर प्रकार का सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में कई प्राकृतिक झीलें हैं, वहां भी रोइंग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। सीएम योगी ने एशियन गेम्स और अंतरराष्ट्रीय स्तर की अन्य रोइंग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ियों लक्ष्मण अवार्डी और देवरिया के युवा कल्याण अधिकारी पुनीत बालियान, लक्ष्मण अवॉर्डी कुदरत अली, बुलंदशहर निवासी अरविंद सिंह, सुल्तानपुर निवासी मोहम्मद आजाद, हापुड़ निवासी लोकेश कुमार और संतकबीरनगर निवासी राजेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि रोइंग के इन खिलाड़ियों ने प्रदेश का मान देश और दुनिया में बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ अब शानदार करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति बनाकर ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं में सीधी नौकरी देने का शासनादेश जारी कर रखा है। टोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी की नौकरी दी गई है। इस बार के ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी राजकुमार पाल को भी नौकरी देने की घोषणा की आज चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं से जोड़ा जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार खेलों को आगे बढ़ाने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया, सांसद खेल स्पर्धा, फिट इंडिया मूवमेंट आदि से देश में खेलों का बेहतरीन माहौल बना है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने, उन्हें प्रोत्साहित

करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसके तहत युद्ध स्तर पर प्रदेश की सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में खेल मैदान व ओपन जिम, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर प्रदेश के पहले और विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का निर्माण भी तेजी से हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से ओलंपिक एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़, रजत पदक विजेता को 4 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 2 करोड़ रुपये देने की व्यवस्था तय की गई है। ओलंपिक की टीम स्पर्धा में यह राशि क्रमशः 3, 2 व 1 करोड़ रुपये है। ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। उन्होंने बताया कि एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़, रजत पदक विजेता को 1.5 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 75 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है। कामनवेल्थ खेल तथा विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता को 1.5 करोड़, रजत पदक विजेता को 75 लाख व कांस्य पदक विजेता को 50 हजार रुपये दिए जाते हैं। इसी तरह सैफ और नेशनल गेम्स में भी विजेताओं को नकद राशि से पुरस्कृत किया जाता है।

सीएम योगी ने कहा कि पुराने खिलाड़ियों को सरकार कोच के रूप में नियुक्त कर उन्हें प्रतिमाह डेढ़ लाख रुपये मानदेय दे रही है। पदम् पुरस्कार करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए सरकार की तरफ से प्रतिमाह 20 हजार रुपये वित्तीय सहायता दी जा रही है।

इसके साथ ही अशक्त अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को प्रतिमाह 10 हजार रुपये, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को 6 हजार तथा राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को प्रतिमाह 4 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 140 खिलाड़ियों को एकलव्य क्रीड़ा कोष से आर्थिक सहायता दी गई है।

रामगढ़ताल में दूसरी बार रोइंग की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन से प्रसन्न मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह उनके लिए अतिरिक्त प्रसन्नता का क्षण है। 10 वर्ष पूर्व जो रामगढ़ताल पूर्वी उत्तर प्रदेश के अपराध का गढ़ था वह आज प्रभु राम की कृपा से आकर्षण और जल क्रीड़ा की प्रतियोगिताओं का गढ़ बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही वास्तविक परिवर्तन होता है। रामगढ़ताल पर्यटन के साथ खेल का भी बेहतरीन डेस्टिनेशन बन गया है।इसके आसपास कई होटल खुल चुके हैं, ताल में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट भी शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि जब हम अच्छा सोचते हैं तो हमारी सकारात्मक ऊर्जा समाज और राष्ट्र के उत्थान में लगती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले (500 मीटर, डबल स्कल्स बालिका और कॉक्सलेस फोर बालक) का अवलोकन कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने खिलाड़ियों के जुनून को काफी सराहा। इसके पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर जब नन्हें खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने ने हाथ जोड़कर सीएम योगी का स्वागत किया तो उन्होंने इन बच्चों से हाथ मिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के समापन समारोह में खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सर्वोत्तम प्रदेश बन रहा है। सीएम योगी के नेतृत्व में खेल और खिलाड़ियों के लिए हर तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं देकर उत्तर प्रदेश खेलों का हब बन रहा है। खेल मंत्री ने कहा कि खेल को लेकर सीएम योगी के विजन की ही देन है कि गोरखपुर के रामगढ़ताल में दूसरी बार रोइंग की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हुई है। दो प्रतियोगिताओं की सफलता से पूरी उम्मीद है कि अगली बार यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता होगी। उन्होंने कहा कि गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि पर मुख्यमंत्री की प्रेरणा से रोइंग स्पोर्ट के बढ़ते कदम पूरे प्रदेश और देश मे दिखाई देंगे।

स्वागत संबोधन रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष राजलक्ष्मी सिंह देव तथा यूपी रोइंग एसोसिएशन की अध्यक्ष एवं विधायक रानी पक्षालिका सिंह ने किया। एमएलसी एवं यूपी रोइंग एसोसिएशन के संरक्षक पवन सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर गोरखपुर के सांसद रवि किशन शुक्ल, कुशीनगर के सांसद विजय दूबे, गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, राजेश त्रिपाठी, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, खेल निदेशक आरपी सिंह, यूपी रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा, उपाध्यक्ष राणा राहुल सिंह, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी आले हैदर, रोइंग चैंपियनशिप के आयोजन सचिव पुनीत बालियान, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष दिनेश सिंह, जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष अरुणेश शाही, जिला हॉकी संघ के मनीष सिंह समेत बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी, अधिकारी व गणमान्यजन मौजूद रहे।

25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में बालक और बालिका वर्ग में प्रदर्शन के आधार पर ओवरऑल चैंपियन बनने की ट्रॉफी महाराष्ट्र ने जीती। बालक वर्ग की चैंपियनशिप महाराष्ट्र की टीम ने तथा बालिका वर्ग की चैंपियनशिप पंजाब की टीम ने जीती। इन टीमों को ट्रॉफी देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरस्कृत किया। उन्होंने अंतिम दिन के मुकाबले के पदक विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया।

महाकुंभ में आकर्षण का केंद्र बनेगा भारद्वाज आश्रम

यहां खोजी गई थी विमान उड़ाने की 500 तकनीक

प्रयागराज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ से पहले धार्मिक स्थलों का पुनर्निर्माण योगी सरकार की प्राथमिकता में है। इसी को लेकर योगी सरकार ने भारद्वाज मुनि के आश्रम के पुनर्निर्माण के लिए 13 करोड़ रुपए का बजट रखा है। यहां 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। महाकुंभ आयोजन शुरू होने से पहले सभी काम पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज का भारद्वाज मुनि का आश्रम आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन रहा है। यहीं

दुनिया में पहली बार विमान उड़ाने की टेक्नोलॉजी खोजी गई। पौराणिक मान्यता के अनुसार भारद्वाज मुनि ने यहीं पर विमान उड़ाने के 500 प्रकार के तरीके ईजाद किए हैं। सूर्य की किरणों से चलने वाले विमान की टेक्नोलॉजी खोजने वाले भारद्वाज मुनि पहले ऋषि हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक भारद्वाज मुनि के आश्रम का पुनर्निर्माण का कार्य पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। मंदिर के कॉरिडोर को अंतिम रूप देने के लिए दिन रात काम चल रहा है। निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कई राज्यों के मजदूरों को यहां लगाया गया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्राचीन भारतीय विमान निर्माण कला पर आधाारित महान वैज्ञानिक महर्षि भारद्वाज के आश्रम का कायाकल्प किया जा रहा है।

यहां दीवारों पर भित्ति चित्र जिसमें भारद्वाज ऋषि से जुड़ी कहानियां, भगवान राम के वन गमन के चित्र, वन्य जीवों के चित्र बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, छाया में बैठने के लिए बेंच, पर्याप्त मात्रा में डस्टबिन, मार्ग प्रकाश के लैंप, मुख्य द्वार का निर्माण, पार्किंग स्थल आदि निर्मित किया जा रहा है।

संगम नगरी में महर्षि भारद्वाज का आश्रम सदियों से सनातन संस्कृति का संवाहक है। प्रयागराज को तीर्थराज कहा गया है। यहां की पौराणिक मान्यता है कि भारद्वाज मुनि प्रयागराज के प्रथम निवासी ऋषि थे। सप्तऋषि परिवार में भारद्वाज ऋषि का नाम सबसे ज्यादा आदर से लिया जाता है। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत के अनुसार भारद्वाज आश्रम की देश और दुनिया में बहुत मान्यता है। इसकी वजह से साउथ इंडिया के काफी लोग प्रयागराज आते हैं। आश्रम कॉरिडोर बनने के बाद यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे। मान्यता है कि वन गमन से पहले प्रभु श्री राम माता सीता और लक्ष्मण भारद्वाज मुनि के आश्रम में रुके थे। यहीं आश्रम से ऋषि ने उनको चित्रकूट जाने की सलाह दी थी। कहा जाता है कि लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद प्रभु श्री राम ऋषि से मिलने उनके आश्रम दोबारा लौट कर आए थे।

रेल जेहाद : लखनऊ में बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस को पलटने की थी साजिश

मलिहाबाद में ट्रैक पर रखी मिली पेड़ की डाल

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कानपुर के बाद लखनऊ में भी ट्रेन पलटने की साजिश रची गई। मलिहाबाद रेलवे स्टेशन के पास बृहस्पतिवार को ट्रैक पर रखी पेड़ की डाल बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस में फंस गई। इससे ट्रेन का एक्सल काउंटर टूट गया। चालक ने ट्रेन रोककर अधिकारियों को सूचना दी। रेलवे की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तो ट्रैक पर लकड़ी और पत्थर रखे मिले। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

रेलवे की ओर से साजिश की आशंका जताते हुए मलिहाबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सीनियर सेक्शन इंजीनियर अजय कुमार की तरफ से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक मलिहाबाद स्टेशन के पास बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस के इंजन में लकड़ी फंस गई।

घटनास्थल की जांच में ट्रैक पर लकड़ी और पत्थर डाले जाने का पता चला। ताजा टूटा एक्सल काउंटर भी पड़ा मिला। इस आपराधिक साजिश के चलते बड़ी जनहानि हो सकती थी। घटना की वजह से काफी देर तक रूट प्रभावित रहा। कुछ वक्त पहले ही कानपुर में इसी तरह रेलवे ट्रैक को बाधित करने की साजिश के कई मामले सामने आए थे।

जांच एजेंसियां उस मामले की तफ्तीश कर रही हैं। इसके बाद ऊंचाहार, बिजनौर में भी घटनाएं हुईं। ऐसे में राजधानी में हुई इस घटना को अफसरों ने गंभीरता से लिया है। लखनऊ पश्चिम के एडीसीपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने कहा कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। जांच की जा रही है। जो सुबूत मिलेंगे उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पाकिस्तान ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर श्रृंखला 2-1 से जीती

रावलपिंडी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नोमान अली और साजिद खान के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने शनिवार को तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराकर तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीत ली। इस जीत के साथ ही तीन साल से अधिक के इंतजार के बाद, पाकिस्तान ने आखिरकार घरेलू धरती पर टेस्ट श्रृंखला जीत की मिठास का स्वाद चखा।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लिश टीम ने जैमी स्मिथ (89) और बेन डकेट (52) के अर्धशतकों की बदौलत अपनी पहली पारी में 267 रन बनाए। पहली पारी में पाकिस्तान के लिए साजिद खान ने 6 और नोमान अली ने 3 विकेट लिए, जबकि 1 विकेट जाहिद महमूद को मिला।

जवाब में पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में सऊद शकील (134) के बेहतरीन शतक और नोमान अली (45) और साजिद खान (नाबाद 48) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 344 रन बनाए और 77 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। इंग्लैंड की तरफ से रेहान अहमद ने 4, शोएब बशीर ने 3, गस एटकिंसन ने 2 और जैक लीच ने 1 विकेट लिया।

दूसरी पारी में इंग्लिश बल्लेबाजी नोमान (6-42) और साजिद खान (4-69) की फिरकी के आगे पूरी तरह से ढ़ह गई और पूरी टीम 112 रन पर सिमट गई। जिससे पाकिस्तान को सीरीज जीतने के लिए केवल 36 रन की जरूरत थी।

पाकिस्तान ने 36 रनों का लक्ष्य सैम अयूब (08) का विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाकिस्तानी कप्तान शान मसूद ने जैक लीच की लगातार चार गेंदों पर चार चौके लगाए और शोएब बशीर के अगले ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाकर पाकिस्तान की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी।

नोमान और साजिद ने इंग्लैंड के 20 में से 19 विकेट चटकाए, जबकि पाकिस्तान ने मैच में अपने एकमात्र तेज गेंदबाज आमिर जमाल का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया। साजिद ने मैच में 10 और नोमान अली ने 9 विकेट लिए।

सऊद शकील को मैन ऑफ द मैच और साजिद खान को मैन ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया।

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप चैलेंज लीग बी के लिए युगांडा की टीम में शामिल हुए 44 वर्षीय नसुबुगा

कंपाला। युगांडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट विश्व कप चैलेंज बी के लिए 44 वर्षीय फ्रैंक नसुबुगा को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। युगांडा 4-16 नवंबर, 2024 के बीच कंपाला और एंटेबे शहरों में विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मुख्य कोच अभय शर्मा और एसोसिएशन चयन समिति द्वारा चुनी गई टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और पूर्व राष्ट्रीय अंडर-19 कप्तान पास्कल मुरुंगी सहित युवा प्रतिभाओं का मिश्रण है। कोच शर्मा ने एक नए कप्तान अली शाह को भी नियुक्त किया, जो एक गतिशील ऑलराउंडर हैं और ब्रायन मसाबा की जगह लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ शेष वनडे मैचों से बाहर हुई अमेलिया केर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की महिला ऑलराउंडर अमेलिया केर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सीरीज के पहले मैच में अपनी बायीं क्वाड्रिसेप की मांसपेशी में चोट लगने के कारण भारत के खिलाफ शेष वनडे मैचों से बाहर हो गई हैं। उस मैच में, अमेलिया को 4-42 के अपने स्पेल के दौरान चोट लगी थी और वह नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी थीं, जहां वह 25 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि न्यूजीलैंड की टीम 227 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 40.4 ओवर में 168 रन पर आउट हो गई थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने एक बयान में कहा कि 24 अक्टूबर को हुए मैच के बाद सुबह अमेलिया को स्कैन के लिए ले जाया गया था। स्कैन में ग्रेड वन क्वाड्रिसेप टियर का पता चला, जिसके ठीक होने में लगभग तीन सप्ताह लगेंगे। हेड कोच बेन सॉयर ने कहा।, हम मेली के लिए वाकई बहुत दुखी हैं। चोट लगना हमेशा ही किसी खिलाड़ी के लिए चुनौतीपूर्ण समय होता है और हम जानते हैं कि वह इन खेलों में नहीं खेल पाने से कितनी निराश है। हर कोई जानता है कि मेली इस टीम का कितना अहम हिस्सा है, इसलिए हम निश्चित रूप से उसे मिस करेंगे, लेकिन हम उसके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। न्यूजीलैंड द्वारा यूएई में 2024 महिला टी20 विश्व कप जीतने के बाद करियर की ऊंचाई हासिल करने के बाद अमेलिया भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरी थीं। उन्होंने टी-20 विश्व कप में 15 विकेट लिए और 135 रन बनाए, जो महिला टी20 विश्व कप के किसी भी संस्करण में किसी भी खिलाड़ी द्वारा लिए गए सबसे ज़्यादा विकेट हैं।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के बाद बांग्लादेश की कप्तानी छोड़ सकते हैं नजमुल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (हि.स.)। बांग्लादेश के सभी प्रारूपों के कप्तान नजमुल हुसैन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही टेस्ट श्रृंखला के समापन के बाद कप्तानी करने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने फरवरी 2024 में नजमुल को एक साल के लिए सभी प्रारूपों का कप्तान नियुक्त किया था और उम्मीद थी कि वह अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में टीम की अगुआई करेंगे। हालांकि, नजमुल ने बोर्ड को अपने पद से इस्तीफा देने की सूचना दे दी है और अब बोर्ड अध्यक्ष फारूक अहमद की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं, जो फिलहाल विदेश में हैं और जल्द ही उनके आने की उम्मीद है। क्रिकबज के अनुसार, बीसीबी के एक शीर्ष अधिकारी ने से इसकी पुष्टि करते हुए कहा, हां, उन्होंने हमें बताया कि वह दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। बीसीबी के एक शीर्ष निदेशक उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो इस समय संभव नहीं लगता। पता चला है कि 2024 टी20 विश्व कप के बाद नजमुल ने टी20 कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदल लिया और तीनों प्रारूपों से इस्तीफा देना चाहते थे। पिछले कुछ समय से नजमुल की कप्तानी लंबे समय से खराब फॉर्म में चल रही है, जिसके बाद कई लोगों ने उनकी आलोचना की है।

डब्ल्यूटीए ग्वांग्झू ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं सिनियाकोवा

गुआंगझोउ। चेक गणराज्य की शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा ने शुक्रवार को यहां डब्ल्यूटीए गुआंगझोउ ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिनियाकोवा ने संयुक्त राज्य अमेरिका की पेरा बर्नार्डा को सीधे सेटों में हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। पहले सेट के तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बावजूद, सिनियाकोवा ने एक घंटे 25 मिनट तक चले मुकाबले में बर्नार्डा को 6-4, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अन्य तीन एकल क्वार्टर फाइनल में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी ने चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग शियायू को 6-4, 6-1 से हराया, सर्बिया की ओल्गा डैनिलोविच ने थाईलैंड की मनंचया सावांगकाव को 6-4, 6-4 से हराया और संयुक्त राज्य अमेरिका की कैरोलिन डोलेहाइड ने स्पेन की बुजास मानेरो को 6-4, 4-6, 6-0 से हराया।

दूसरी पारी में भारतीय टीम 245 रनों पर ही सिमटी

न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को 113 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज जीती

पुणे,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट को तीन दिनों के अंदर ही 113 रन से जीत लिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 359 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 245 रनों पर ही सिमट गयी। इससे पहले सुबह न्यूजीलैंड की पारी 255 रन पर आउट हुई। इस तरह उसने भारतीय टीम को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य दिया। इस मैच में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 259 रन बनाये थे। इसके जवाब में टीम इंडिया अपनी पहली पारी में केवल 156 रन ही बना पाई। इस प्रकार मेहमान टीम को पहली पारी के आधार पर 103 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिली हुई थी। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 2-0 से सीरीज भी जीत ली है। उसने बेंगलूर में खेला गया पहला टेस्ट भी 8 विकेट से जीता था। वहीं दूसरे दिन 16 रन पर एक विकेट गंवाकर खेल रही टीम इंडिया ने अच्छी शुरूआत की। शुभमन गिल 72 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर सैंटनर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए जबकि विराट कोहली इस मैच में विफल रहे और मात्र एक रन पर आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल 30 रन बनाकर जबकि ऋषभ पंत 18 रन पर आउट हुए। तीसरे दिन न्यूजीलैंड टीम कल के स्कोर 5 विकेट पर 198 रन से आगे खेलते हुए 255 रन पर आउट हो गई। ग्लेन फिलिप्स 48 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं टॉम ब्लंडेल 83 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए। टिम साउदी (0), मिचेल सेंटनेर (4) और ऐजाज पटेल (1) भी टिक नहीं पाये। कीवी टीम 69.4 ओवर में 255 रन पर आउट हो गई। इससे भारत को 359 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने अच्छी शुरूआत की। हालांकि कप्तान रोहित रन नहीं बना पाये पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने पारी को आगे बढ़ाया और 96 रन तक ले गए। शुभमन 23 रन बनाकर आऊट हुए। विराट कोहली से उम्मीदें थीं पर वह भी 17 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत अपना खाता तक नहीं खोल पाये। जायसवाल ने 65 गेंदों पर 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने मध्यक्रम में 21 रन बनाए पर सेंटनर और ग्लेन फिलिप्स की गेंदों का भारतीय टीम के पास कोई जवाब नहीं था। सेंटनर ने एक बार फिर से पारी में पांच विकेट लिए। चाय तक जडेजा और अश्विन क्रीज पर थे। चाय के बाद अश्विन 34 गेंदों पर 18 तो अकाश दीप 1 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। रवींद्र जडेजा ने एक छोर संभाला और नाबाद 42 रन बनाए पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। अंत में बुमराह ने भी कुछ शॉट लगाए पर तब तक मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया था।

बल्लेबाजों को रन बनाने चाहिए थे : मोर्कल

भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने माना है कि टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। मोर्कल ने कहा कि गेंदबाज न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे। पहली पारी में बल्लेबाजों के विफल होने के बाद भी गेंदबाजों पर विरोधी टीम को सस्ते में समेटने का दबाव था। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट के पहले दिन ही केवल 156 रन बना पायी। मोर्कल ने कहा कि मुझे बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कभी भी टकराव पसंद नहीं रहा है पर मेरा मानना है कि बल्लेबाजों को पहली पारी में रन बनाने चाहिये थे। उन्होंने कहा कि अगर हम गेंदबाजी से दबाव बना लेते तो अच्छा रहता पर ऐसा हुआ नहीं। हमारे पास शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से वे अपनी प्रक्रिया में लगे हैं और वे जानते हैं कि असफलता से कैसे निपटना है। मोर्कल ने कहा कि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि टीम उन गलतियों को सुधार लेगी जिससे उसे नुकसान हुआ है। साथ ही कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि उसके पास अपनी गलतियों को सुधारने के लिए पर्याप्त अनुभव है। मोर्कल ने कहा कि मैं टीम को दूसरी पारी में मजबूती के साथ वापसी करते हुए देखना चाहता हूं। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि वे कैसे वापसी करते हैं और इस स्थिति और हालातों में कैसे खेलते हैं।

एफआईए ने नॉरिस पेनल्टी की समीक्षा करने की मैकलारेन की अपील को खारिज किया

मेक्सिको सिटी,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फॉर्मूला 1 की शासी संस्था ने यूनाइटेड स्टेट्स ग्रैंड प्रिक्स के दौरान लैंडो नॉरिस को दिए गए दंड की समीक्षा करने के मैकलारेन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है। खिताब के प्रतिद्वंद्वी मैक्स वेरस्टैपेन को ट्रैक से बाहर करने के लिए जारी की गई पांच सेकंड की पेनल्टी ने नॉरिस को अंतिम रेस स्टैंडिंग में तीसरे से चौथे स्थान पर खिसका दिया।

मेक्सिको सिटी ग्रैंड प्रिक्स सप्ताहांत से पहले गुरुवार को पुष्टि की गई कि वॉकिंग संगठन ने पिछले बार ऑस्टिन में तीसरे स्थान के लिए संघर्ष करते समय ट्रैक से बाहर वेरस्टैपेन को ओवरटेक करने के लिए नॉरिस को मिली पांच सेकंड की पेनल्टी के लिए अनुरोध किया था। इसके बाद शुक्रवार को एक सुनवाई हुई, जिसमें टीम के प्रतिनिधि को स्टीवर्ड के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लेना आवश्यक था।

अनुरोध की पुष्टि करते हुए एफआईए द्वारा जारी किए गए एक दस्तावेज़ में, यह कहा गया था कि सुनवाई यह निर्धारित करेगी कि क्या कोई महत्वपूर्ण और प्रासंगिक नया तत्व था जो संबंधित निर्णय के समय समीक्षा चाहने वाले पक्ष के लिए उपलब्ध नहीं था, यदि ऐसा पाया गया, तो दूसरी सुनवाई होगी। हालाँकि, यह घोषणा की गई है कि स्टीवर्ड ने अनुरोध को खारिज कर दिया है। मामले के परिणाम की व्याख्या करने वाले एक दस्तावेज़ में, यह कहा गया है कि मैकलारेन ने तर्क दिया कि मूल निर्णय दस्तावेज़ पर एक कथन गलत था, जो यह था कि कार 4 बाहर से कार 1 को ओवरटेक कर रही थी, लेकिन शीर्ष पर कार 1 के बराबर नहीं थी।

टीम ने सुझाव दिया कि यह एक त्रुटि थी क्योंकि उनके पास सबूत थे कि नॉरिस पहले ही ओवरटेक कर चुका था और ब्रेकिंग ज़ोन पर वेरस्टैपेन से आगे था। जोनाथन व्हीटली द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए रेड बुल ने अपना विश्वास व्यक्त किया कि इस मामले में समीक्षा के अधिकार के लिए एक सफल याचिका के मानदंड पूरे नहीं हुए थे।

दस्तावेज़ में आगे कहा गया है प्रासंगिकता के संबंध में, मैकलारेन यह प्रस्तुत करता प्रतीत होता है कि स्टीवर्ड का निष्कर्ष है कि कार 4 ने शीर्ष से पहले कार 1 को ओवरटेक किया था (और इसलिए कार 1 ओवरटेक करने वाली कार थी) और यह दावा किया गया त्रुटि अपने आप में एक नया तत्व है। यह अस्थिर है। समीक्षा के लिए याचिका किसी निर्णय में त्रुटि (तथ्य या कानून की) को ठीक करने के लिए की जाती है। किसी भी नए तत्व को उस त्रुटि को प्रदर्शित करना चाहिए। जिस त्रुटि का अस्तित्व सिद्ध किया जाना आवश्यक है, वह स्वयं अनुच्छेद 14 में उल्लिखित तत्व नहीं हो सकती।

टेनिसः एलेक्स डी मिनौर वियना ओपन के सेमीफाइनल में

विएना,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एलेक्स डी मिनौर ने जैकब मेनसिक को 6-7(2), 6-3, 6-4 से हराकर विएना ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिससे निट्टो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें बरकरार रहीं। 25 वर्षीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में नौवें स्थान पर है, ने कड़ी मेहनत की और दो घंटे 34 मिनट में जीत दर्ज की।

मेनसिक ने सबसे पहले गियर बदला, शुरुआती सेट टाई-ब्रेक में चला गया। उन्होंने आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक का इस्तेमाल किया और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी से गलतियाँ करवाकर पहला सेट 7-6(2) से अपने नाम किया। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने पहले सेट में 24 विनर्स लगाए, जिसमें नौ ऐस शामिल थे।

डी मिनौर ने दूसरे सेट के छठे गेम में एक महत्वपूर्ण ब्रेक अर्जित करके जवाब दिया और सेट को 6-3 से जीतकर मैच को बराबर कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने तीसरे सेट के पांचवें गेम में मेनसिक की फिर से सर्विस तोड़ी और मैच के बाकी समय तक नियंत्रण में रहे। हार के बावजूद, मेनसिक दिसंबर में होने वाले नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की राह पर हैं। 19 वर्षीय खिलाड़ी एटीपी लाइव रेस टू जेद्दा में तीसरे स्थान पर है।

दूसरी तरफ, खाचानोव ने मैटेओ बेरेटिनी को 6-1, 6-4 से हराया और अपनी जीत का सिलसिला सात मैचों तक बढ़ाया। पिछले सप्ताह अल्माटी ओपन जीतने वाले 28 वर्षीय खिलाड़ी ने विएना में एटीपी 500 टूर्नामेंट में अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इतालवी खिलाड़ी को एक घंटे और 18 मिनट में हराया। इस जीत के साथ, खाचानोव ने जोड़ी की एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज़ में अपनी पहली जीत दर्ज की, जिसमें बेरेटिनी 4-1 से आगे हैं।

पंजाब किंग्स ने हैडिन और जोशी को बरकरार रखा, सपोर्ट स्टाफ में शामिल हो सकते हैं होप्स

नई दिल्ली,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रिकी पोंटिंग ने पंजाब किंग्स में अपने सहयोगी स्टाफ की टीम बनाने में पहला बड़ा कदम उठाया है, जिसमें उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जेम्स होप्स को शामिल किया है, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स में अपने कार्यकाल के दौरान उनके साथ काम किया था। होप्स 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन सत्र में एक खिलाड़ी के रूप में फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा भी थे।

46 वर्षीय पोंटिंग के अनुबंध को दिल्ली कैपिटल्स ने नवीनीकृत नहीं किए जाने के बाद विस्तार की पेशकश की थी। हालांकि, होप्स, जिन्होंने 84 वनडे और 12 टी20आई में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया, ने अपने पूर्व कप्तान पोंटिंग के साथ काम करना जारी रखने का फैसला किया, जिन्होंने फ्रैंचाइज़ी के साथ चार साल का अनुबंध किया है।

होप्स के हस्ताक्षर से दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज चार्ल लैंगवेल्ट के बाहर होने का संकेत मिलता है, जिन्होंने 2023 और 2024 सीज़न के लिए ट्रेवर बेलिस के तहत टीम के तेज़-गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीकी ने 2020 सीज़न के दौरान फ्रैंचाइज़ी के लिए गेंदबाजी कोच की भूमिका भी निभाई थी।

इसके अतिरिक्त, पोंटिंग ने ब्रैड हैडिन को बनाए रखने का विकल्प चुना है, जो पिछले कुछ वर्षों से फ्रैंचाइज़ी के साथ सहायक कोच के रूप में काम कर रहे हैं। शुरुआत में ट्रेवर बेलिस द्वारा लाए गए हैडिन ने पहले सनराइजर्स हैदराबाद में भी ऑस्ट्रेलियाई के साथ काम किया था। वह फ्रैंचाइज़ी के बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे।

पोंटिंग ने भारत के पूर्व स्पिनर और मुख्य चयनकर्ता सुनील जोशी को भी रिटेन किया है। जोशी पिछले कुछ सीजन से पंजाब फ्रेंचाइजी के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के तौर पर जुड़े हुए हैं। फ्रेंचाइजी ने संजय बांगर को भी रिटेन किया है, जिन्होंने पिछले साल क्रिकेट डेवलपमेंट के प्रमुख के तौर पर अनुबंध किया था। उनका तीन साल का अनुबंध था, लेकिन बीच में ही यह अनुबंध खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्यों को भी रिटेन किया है, जिसमें एड्रियन ले रॉक्स (एस एंड सी कोच) और एंड्रयू लीपस (फिजियो) शामिल हैं।

पोंटिंग का पहला बड़ा काम रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों की सूची को अंतिम रूप देना होगा और आईपीएल में चर्चा है कि फ्रेंचाइजी हमेशा की तरह सबसे ज्यादा उपलब्ध राशि के साथ नीलामी में उतरेगी। बाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर विचार किया जा सकता है, हालांकि फ्रेंचाइजी के भीतर इस बात पर बहस चल रही है कि क्या वह 18 करोड़ रुपये के लायक हैं, जो एक रिटेन के लिए सुझाई गई स्लैब है। सोच यह है कि उन्हें राइट टू मैच कार्ड के जरिए शायद कम कीमत पर हासिल किया जा सकता है। चर्चा में शामिल अन्य नामों में शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा शामिल हैं, जिन्होंने पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था। दोनों खिलाड़ियों को अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में 4-4 करोड़ रुपये में बरकरार रखा जा सकता है।

डब्ल्यूटीटी चैंपियंसः बर्नडेट स्ज़ोक्स को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची मनिका बत्रा

नई दिल्ली,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने शुक्रवार रात फ्रांस के मोंटपेलियर में विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी बर्नडेट स्ज़ोक्स को हराकर डब्ल्यूटीटी चैंपियंस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व की 30वें नंबर की खिलाड़ी बत्रा ने आठवीं वरीयता प्राप्त रोमानियाई खिलाड़ी के खिलाफ 29 मिनट में 3-1 (11-9, 6-11, 13-11, 11-9) से करीबी मुकाबले में जीत हासिल की।

भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे गेम में दो गेम प्वाइंट बचाए। चौथे गेम में 4-7 से पिछड़ने के दौरान स्ज़ोक्स ने टाइम-आउट लिया। हालांकि, बत्रा ने अपने 29 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी की देर से वापसी का मुकाबला किया और अपने दूसरे मैच प्वाइंट को स्कोर में बदलकर मैच को 6-5 से जीत लिया। इस तरह हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में उनका स्कोर 6-5 हो गया।

बत्रा ने पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में भारत की 3-2 की जीत में स्ज़ोक्स को भी हराया था। फ्रांस की राजधानी में ओलंपिक में एकल में राउंड ऑफ़ 16 तक पहुँचने वाले देश की पहली खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली भारतीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला शनिवार को चीन की कियान तियानी से होगा।

विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी कियान ने अपने राउंड ऑफ़ 16 मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त और हमवतन वांग यिदी को 3-0 (11-7, 11-9, 13-11) से हराया।

बत्रा ने अपने अभियान की शुरुआत यूएसए की लिली झांग पर 3-0 (11-4, 11-8, 12-10) की शानदार जीत के साथ की। ड्रॉ में शामिल अन्य भारतीय श्रीजा अकुला को पहले दौर में विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी प्यूर्टो रिको की एड्रियाना डियाज़ से 3-2 (6-11, 11-7, 11-1, 8-11, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा।

अर्जुन एरिगैसी ने बनाया रिकार्ड, 2800 एलओ रेटिंग हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली। भारत के युव शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने यूरोपियन क्लब कप के पांचवें दौरमें रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन को हराकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है।

इसी के साथ ही अर्जुन 2800 एलओ रेटिंग हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड केवल विश्वनाथान आनंद के आना था आनंद ने साल 2011 में 2820 एलओ रेटिंग हासिल की थी अर्जुन ने यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2024 में सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए टीम अल्कलॉइड की ओर से पांचवें दौर में रूस के दिमित्री हराया। ??इस जीत से वह लाइव रेटिंग सूची में विश्व में तीसरे नंबर पहुंच गये। अर्जुन 2800 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले 16वें खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं अलीरेजा फिरोजा 2800 अंक की बाधा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वहीं पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इससे पहले भारत के अर्जुन ने फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव को हराकर 2024 डब्ल्यूआर शतरंज मास्टर्स कप अपने नाम किया था। उससे उन्हें 20,000 यूरो का शीर्ष पुरस्कार और 27.84 फिडे सर्किट अंक मिले थे। अर्जुन अब फिडे स्टैंडिंग में शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं जबकि भारत की बात की जाये तो वह शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अर्जुन ने पिछले कुछ महीनों में वह शानदार प्रदर्शन करते हुए बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड 2024 में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं टेपे सिगमैन शतरंज टूर्नामेंट में उन्हें दूसरा स्थान मिला। शारजाह मास्टर्स ओपन टूर्नामेंट में वह संयुक्त रूप से पाँचवाँ स्थान पर रहे।

नुकीली चोंच वाली स्वॉर्डफिश

स्वॉर्डफिश एक हिंसक मछली है, जो काफी ज्यादा प्रवास करती है। इसकी तेज-नुकीली तलवार जैसी चोंच की वजह से ही इसे स्वॉर्डफिश नाम दिया गया है। ये कोल्ड ब्लडेड होती हैं इसलिए सर्दी के मौसम में यह गर्म समुद्रों की ओर और गर्मी में ठंडे पानी की तलाश में प्रवास करती हैं। इनकी विशेषता होती है कि यह अपने हिसाब से अलग-अलग अंगों को गर्म कर सकती है। बोनी फिश जाति की 25,000 मछलियों में से केवल 22 मछलियों के पास ही यह खूबी है, स्वॉर्डफिश इन्हीं में से एक है। जरूरत पड़ने पर स्वर्डफिश सिर्फ अपने दिमाग और आंखों को गर्म कर सकती हैं जिससे इसे देखने और तैरने में काफी मदद मिल जाती है। इनका शरीर लंबा और गोलाई लिए होता है। वयस्क होने तक इनके सभी दांत और स्केल्स गिर जाते हैं। स्वॉर्डफिश की अधिकतम लंबाई 455 सेमी और वजन 540 किग्रा तक हो सकता है और जीवनकाल करीब 9 वर्षों का होता है।

स्वॉर्डफिश अकेले ही तैरना पसंद करती हैं। अन्य मछलियों की तरह स्वॉर्डफिश झुंड में नहीं तैरती हैं। तैरते हुए एक स्वॉर्डफिश वहीं तैर रही दूसरी स्वॉर्डफिश से लगभग 10 मीटर की दूरी बनाकर ही तैरती है। इसकी तेज और नुकीली चोंच के कई फायदे हैं। यह इसे शिकार करने में काफी मददगार होती है। वैसे तो स्वॉर्डफिश के प्राकृतिक शिकारी कम ही हैं, लेकिन जो हैं उन्हें भी इसका शिकार करने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है या यूं कहें कि यह कोई आसान शिकार नहीं है। मैको शार्क ऐसे ही कुछ समुद्री जीवों में से है, जो स्वॉर्डफिश का शिकार करने में सक्षम है।

स्वॉर्डफिश दुनियाभर के समुद्रों में पाई जाती है। अपनी स्ट्रीमलाइंड बॉडी और तीखी-नुकीली चोंच की वजह से इसके लिए तैरना काफी आसान हो जाता है। यह काफी तेज़ी से तैरती है, यहां तक कि 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भी तैर सकती हैं।

वैसे तो स्वॉर्डफिश उकसाए बिना इंसानों पर हमला नहीं करती लेकिन वार किए जाने पर यह काफी खतरनाक हो जाती है। स्वॉर्डफिश को पकड़ने के लिए बड़ी चुनौती होती है इसकी स्पीड। जब मछुआरे इसे पकड़ने के लिए इस पर भाले से प्रहार करते हैं तो नाकाम होने पर स्वॉर्डफिश उनकी नावों के तख्तों में छेद तक कर सकती है।

स्वॉर्डफिश व्यंजन के रूप में भी काफी प्रसिद्ध है। दुनियाभर में कमर्शियल फिशरीज़ में स्वॉर्डफिश भी आमतौर पर रखी जाती हैं और इसकी सबसे ज्यादा मांग उत्तरी अमेरिका और योरप में है।

खुशबूदार फूल चमेली

चमेली एक खुशबूदार फूल है। यह सारे भारत में पाया जाता है। आमतौर पर चमेली की बेल घरों, बगीचों में आसानी से देखी जा सकती है, जिसकी खुशबू मादक और मन को प्रसन्न करती है।

उत्तरप्रदेश के फर्रुखाबाद, जौनपुर और गाजीपुर जिले में इसे व्यावसायिक तौर पर काफी बड़ी मात्रा में उगाया जाता है। चमेली के फूल, पत्ते तथा जड़ तीनों ही औषधीय कार्यों में प्रयुक्त किए जाते हैं।

इसके फूलों से तेल और इत्र का निर्माण भी किया जाता है। चमेली के पत्ते हरे और फूल सफेद रंग के होते हैं, परंतु कहीं-कहीं पीले रंग के फूलों वाली चमेली की बेलें भी पाई जाती हैं।

इसका स्वाद तीखा और सुगंधित होता है। चमेली का तेल और इत्र एक व्यावसायिक उत्पाद है, जो चमेली के फूलों से बनाया जाता है। चमेली का रस पीने से वात और कफ में काफी आराम मिलता है। यह शरीर को चुस्त-दुरुस्त और मन को प्रसन्न रखती है।

हातिमताई की कहानी से आप सभी वाकिफ होंगे जिसमें शहजादी हुस्नबानो ने यह शर्त रखी कि जो कोई भी मेरे सवालों को पूरा करेगा, उसको मैं कबूल (स्वीकार) करूंगी। वह सात सवाल थे -

1. वह कौन सी चीज है जिसे एक बार देखा है, दूसरी दफा देखने की आरजू है!
2. नेकी कर दरिया में डाल, कौन कहता है?
3. बदी किसी से न कर - कर बुरा होगा बुरा।
4. सच कहने वाले को खुशी हासिल होती है।
5. कोहनिदा की खबर ला दे।
6. वह मोती जो मुर्गे के अंडे के बराबर है।
7. हम्माम बाग गर्द की खबर लाकर दे।

हातिम ने सातों सवालों के जवाब पूरे कर दिए थे।

अब एक किस्सा पढ़िए। हातिम कई दिनों तक बस चलता ही रहा और एक भयानक जंगल में पहुंचा। वहां उसे किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। हातिम उस ओर चल पड़ा जिधर से आवाज आ रही थी। वहां पहुंचकर उसने देखा कि एक जवान सिपाही फूट-फूटकर रो रहा है। हातिम ने कहा - 'तू मुझे अपनी पूरी कहानी कह सुना।'

वह जवान कहने लगा - मैं एक सिपाही हूं। रोजगार के वास्ते अपने शहर से निकला था। राह भूलकर इस शहर में आ पहुंचा और बस्ती वालों से पूछने लगा कि इस बस्ती के हाकिम का क्या नाम है? किसी ने बताया कि इस शहर का मालिक मसखरा जादूगर है। इस डर से मैं वहां से भागकर जंगल में आ गया लेकिन मुझे क्या पता था कि मुसीबतें यहां भी मेरा पीछा छोड़ने वाली नहीं हैं। इत्तफाक से राह में एक बाग मिला जो बड़ा ही खूबसूरत और दिलचस्प था। मैं बाग के अंदर घूमने चला गया। अभी बाग के अंदर में चार कदम चला ही था कि इतने में सुंदर लड़कियों का एक समूह आया। उन सबने जरी के चमचमाते कपड़े पहन रखे थे। उन लड़कियों ने दौड़कर मेरे बारे में जादूगर की बेटी बताया और फिर मुझे एक मकान में ले गईं।

जादूगर की बेटी ने मुझे अपने पास बिठाया। इतने में ही उसका बाप मसखरा जादूगर बाग में दाखिल हुआ। वह पहले तो मेरे घोड़े को देखकर पूछने लगा कि यह घोड़ा किसका है? किसी ने डर के मारे उसे जवाब न दिया। इतने में दाई ने आकर कहा कि ऐ खुदाबंद करीम, शहजादी अब जवान हो चुकी है। यह मुसाफिर बहुत ही अक्लमंद है और किसी बड़े आदमी का बेटा मालूम होता है। बेहतर यही है कि तुम इसके साथ अपनी बेटी की शादी कर दो। तब उसने अपनी बेटी से पूछा कि तेरी

मर्जी क्या है? उसने कहा कि मैंने इसे अपना पति स्वीकार किया।

जादूगर बोला - ठीक है मगर मेरी एक शर्त है। अगर यह मेरे तीन काम पूरा करदे तभी मैं इसकी शादी अपनी बेटी से करूंगा। मैंने पूछा कि वे तीन चीजें क्या हैं ? जादूगर ने कहा - 'जलपरी का एक जोड़ा, लाल सांप की मणि लाकर दो और खौलते घी के कड़ाह में कूदकर सही सलामत निकल आओ।' उसके इन तीन कामों को सुनकर मैं बहुत घबराया और तब से इस बियावान जंगल में पड़ा हूं।

हातिम ने कहा - 'ऐ जवान ! मैं खुदा की राह चलकर तेरी माशूका से तुझे मिला दूंगा।' फिर हातिम उससे विदा लेकर चला गया। थोड़ी दूर जाकर क्या देखता है कि एक किले में लोग बहुत सी लकड़ियां जमा करके उन्हें जला रहे हैं। पूछने पर लोगों ने बताया कि यहां एक जानवर बहुत आफत मचाने आता है और रोज दो-तीन आदमी खाता है। हातिम ने उस रात पहली बार वह जानवर देखा। उसके आठ पांव और सात सिर हैं। और वह हाथी, जैसा दिखता है। उसको तीन आंखें हैं। यह देखकर हातिम को ख्याल आया कि अगर बीच की आंख किसी भी तरह फूट जाए तो वह भाग जाएगा। और अगली रात ऐसा ही हुआ। हातिम ने एक तीर चलाकर उसकी बीच वाली आंख घायल कर दी। वह तड़पता हुआ भाग गया।

फिर एक दिन हातिम ने देखा कि एक सांप नेवले में लड़ाई हो रही है। दरअसल, वे दोनों जिन्न थे। उनमें से एक की बेटी से दूसरा आदमी शादी करना चाहता था, पर वह नहीं कर रहा था। हातिम ने उन्हें समझाकर शांत किया। उस बेटी का बाप एक बादशाह था। इस सुलह से खुश होकर उसने हातिम को सुर्ख सांप की मणि दी।

अब हातिम जलपरी ढूंढ़ने निकला। वह एक दरिया किनारे पहुंचा। रात को वह वहीं सो गया। तभी अचानक वह जागा। उसने सुना दो जलपरियां (एक मादा और एक पुरुष) आपस में बात कर रहे हैं कि आज की रात हातिम नाम का एक आदमी आया है। वह हमसे मिलना चाहता है। इसके बाद वे दोनों हातिम के नजदीक आए। उन्होंने हातिम की दरियादिली की तारीफ की। फिर जलपरी ने बच्चों का एक जोड़ा हातिम को दिया। हातिम ने जलपरी का जोड़ा और मणि उस जवान को दे दिया।

अब तीसरी शर्त पूरी करने की बारी थी। मसखरे जादूगर ने अपने लोगों को बुला कर कहा कि एक लोहे के कड़ाह में घी भर कर भट्टी पर रखो और उसे तेज आंच में गर्म करके खौलावो। यह सुनकर जवान डरा और हातिम से कहने लगा कि इस कड़ाह के गर्म घी से मैं जीवित नहीं बचूंगा।

तब हातिम ने उसे दिलासा देकर कहा, तुम यह ताबीज अपने मुंह में रख लो और बेधड़क इस खौलते घी में कूद जाओ। उस जवान ने यही किया। तो उसे गर्म घी ठंडे पानी जैसा लगा। मसखरे जादूगर ने जब देखा कि जवान खौलते घी में नहीं जला तो बहुत खुश हुआ, और अपने शर्त और अपने रस्म के मुताबिक अपनी बेटी का निकाह उसके साथ कर दिया। मसखरा जादूगर जवान से बोला कि यह सारा मुल्क और धन-दौलत मैं तुझे अपनी बेटी के साथ के साथ देता हूं। इसके बाद हातिम अगली यात्रा पर चल पड़ा।

होली आई रे

लेकर रंगों की बहार इन्द्रधनुषी रथ पर होकर
सवार ढेरों खुशियां संग लाई रे होली आई रे,
आई रे, होली आई रे।
रंगों की हो रही बौछार आई रंगों की बहार,
लाल, हरा, गुलाबी, पीला कहीं पर काला,
कहीं है नीला बच्चों के हाथों की पिचकारी छूटी
ऐसे मार किलकारी डाल गई सतरंगी फुहार
सब ओर मस्ती छाई रे, होली आई रे, आई रे,
होली आई रे।
टोली में सब घूम रहे हैं, ढोलक के संग झूम
रहे हैं, गब्बारों को चूमें जैसे आओ खेलें धूम
मचाएं एक-दूजे संग होली मनाएं भूलें सब
आपस के बैर समझें न आज किसी को गैर
अजब खुशी-सी छाई रे होली आई रे, आई रे,
होली आई रे।
यह संसार रंगों से भर दो सबके सपने सच्चे
कर दो मिल जाओ आपस में ऐसे पानी में रंग
घुलते जैसे होली की पवित्रता को बच्चो हमेशा
कायम रखना देखो इसकी मर्यादा का
उल्लंघन तुम कभी न करना बस रहना सब
घुलमिल कर यह संदेशा लाई रे होली आई रे,
आई रे, होली आई रे।

रास्ता ढूंढ़ें

यह लड़की आइसक्रीम तक पहुंचने का रास्ता भूल गई है। क्या आप इसकी मदद करेंगे?

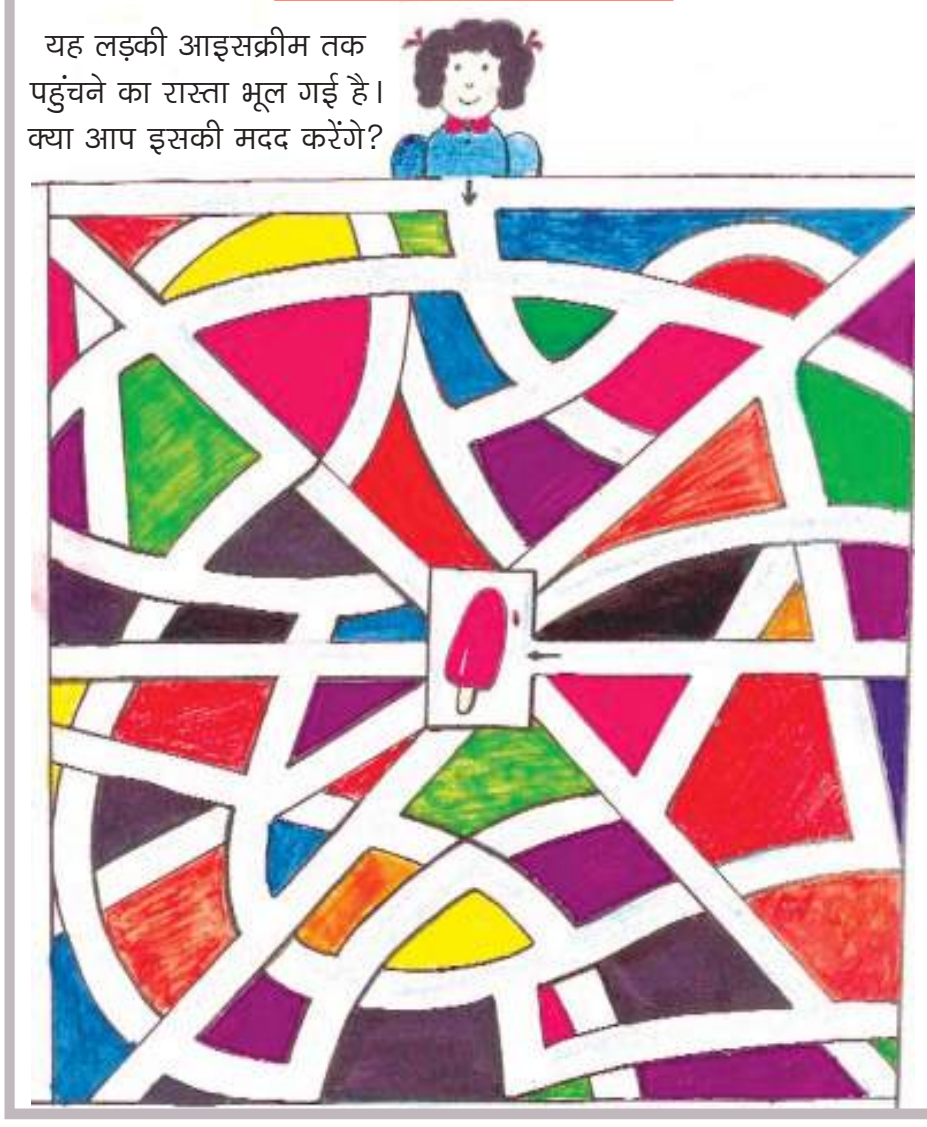

चाणक्य का नीति-दर्पण

चाणक्य नीति-दर्पण कहता है कि आचार्य चाणक्य भारत का महान गौरव है। चाणक्य कर्तव्य की वेदी पर मन की भावनाओं की होली जलाने वाले एक धैर्यमूर्ति भी थे। और उनके इसी आचरण पर भारत को गर्व है।

महान शिक्षक, प्रखर राजनीतिज्ञ एवं अर्थशास्त्रकार चाणक्य का भारत में स्थान विशेष है। वे स्वभाव से स्वाभिमानी, संयमी तथा बहुप्रतिभा के धनी थे। चाणक्य ने अपने निवास स्थान पाटलीपुत्र से तक्षशीला प्रस्थान कर शिक्षा प्राप्त की और राजनीति के प्रखर प्राध्यापक बने। उन्होंने हमेशा ही देश को एकसूत्र में बांधने का प्रयास किया। भारत भर के जनपदों में वे घूमें। एक सामान्य आदमी से लेकर बड़े-बड़े विद्वानों को उन्होंने राष्ट्र के प्रति जागृत किया।

अपने पराक्रमी शिष्य चन्द्रगुप्त मौर्य को मगध के सिंहासन पर बिठाने के बाद वे महामंत्री बने पर फिर भी एक सामान्य कुटिया में रहे। और अपने त्याग, साहस एवं विद्वत्ता को आमजन के समक्ष पेश किया। एक बार चीन के प्रसिद्ध यात्री फाह्यान ने जब यह देखा तो बहुत आश्चर्य व्यक्त किया तो उन्होंने उत्तर दिया - जिस देश का महामंत्री सामान्य कुटिया में रहता है, और वहां के नागरिक भव्य भवनों में निवास करते हैं। वहां के नागरिकों को कभी कष्टों का सामना नहीं करना पड़ता। राजा और

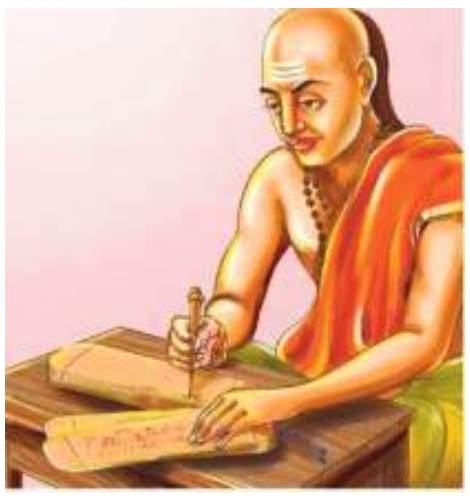

प्रजा दोनों सुखी रहती है। ऐसे महान विचारक और आदर्श से जीने वाले आचार्य चाणक्य आखिर इतने बड़े साम्राज्य के महामंत्री का जीवन इतना सादगीपूर्ण हो सकता है, उसने सोचा तक न था। चाणक्य ने उसे भारतीय जीवन पद्धति में सरलता के महत्व के बारे में समझाया। चाणक्य के इस आचरण से उस चीनी यात्री का मन उनके प्रति श्रद्धा से भर उठा।

जंगल की होली (बालगीत)

लगा महीना फागुन का होली के दिन आए
इसीलिए वन के राजा ने सभी जीव बुलवाए
भालू आया बड़े ठाठ से शेर रह गया दंग
दुनिया भर के रंग उड़ेले चढ़ा न कोई रंग
हाथी जी की मोटी लंबी पूँछ बनी पिचकारी
खरगोश ने घिघियाकर मारी तब किलकारी
उसका बदला लेने आया वानर हुआ बेहाल
लगा-लगाकर थका बेचारा चौदह किलो गुलाल
मौका ताड़े खड़ी लोमड़ी रंगू गधे को आज
लगा दुलत्ती नो दो ग्यारह हो गए गर्दभराज
घायल हुई लोमड़ी उसको अस्पताल पहुँचाया
गर्दभ को जंगल के जज ने दंडित कर समझाया
होली है त्योहार प्रेम का मौका है अनमोल
भूलो देश खूब रंग खेलो गले मिलो दिल खोल
यहाँ राज है जंगल का सबको न्याय मिलेगा
वरना जग में हमें आदमी फिर बदनाम करेगा।

रेगिस्तान का जहाज है ऊंट

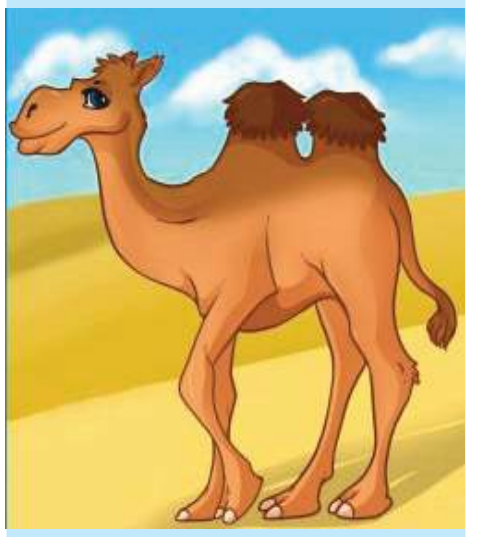

कैमेलस प्रजाति का प्राणी ऊंट अपनी कूबड़ की वजह से पहचाना जाता है। ऊंट की दो प्रजातियां होती हैं पहली एक कूबड़ वाले ऊंट जो अरब में पाए जाते हैं और दूसरे बैक्ट्रियन जिनके दो कूबड़ होते हैं। एक कूबड़ वाले ऊंट पश्चिम एशिया के रेगिस्तानी इलाकों में पाए जाते हैं, जबकि दो कूबड़ वाले ऊंटों का घर मध्य और पूर्वी एशिया है। दोनों ही प्रजातियां पालतू हैं, जिनका दूध और मांस मनुष्य के लिए उपयोगी है। यह बोझा ढोने का एक प्रमुख साधन भी है। ऊंटों की औसत आयु 40 से 50 वर्ष तक होती है। एक वयस्क ऊंट की ऊंचाई कूबड़ तक 7 फुट के लगभग होती है। यह 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ भी सकता है।

दुनिया में एक कूबड़ वाले सर्वाधिक ऊंट सोमालिया में पाए जाते हैं। यहां के लोगों के लिए यह दूध, भोजन और यातायात का प्रमुख साधन है। बैक्ट्रियन प्रजाति के ऊंट चीन के गोबी रेगिस्तान और मंगोलिया में पाए जाते हैं। भारत में सर्वाधिक ऊंट राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्र में होते हैं।

सामान्यत: ऐसा माना जाता है कि ऊंट अपने कूबड़ में पानी एकत्रित करते रखता है, परंतु यह गलत धारणा है। दरअसल उसकी कूबड़ में पूरे शरीर की चर्बी समाहित होती है। इस चर्बी से उसे गर्मियों में ऊर्जा मिलती रहती है। इसकी मोटी चमड़ी उसकी रेगिस्तानी हवाओं से रक्षा करती है, जिस कारण वह बिना पानी पिए कई दिनों तक रह सकता है। ऊंट की रक्त कोशिकाएं अंडाकार होती हैं। यह एक बार में 100-150 लीटर पानी पी लेता है। ऊंट को कभी भी पसीना नहीं आता। पेड़ों की हरी पत्तियां इसका मुख्य भोजन है। इसकी मोटी चमड़ी सूरज की रोशनी को रिफ्लेक्ट करती है। ऊंट के लंबे पैर उसे जमीन की गर्मी से दूरी बनाए रखने में मदद करते हैं।

ऊंट का मुंह बहुत मजबूत होता है। यह रेगिस्तान की कंटीले पेड़ों को भी चबा लेता है। ऊंट की आंखों पर तीन परतें होती हैं और उन पर बने बाल इस तरह होते हैं कि जब रेगिस्तान में रेतीली हवाएं चलती हैं तब भी वे आसानी से देख सकते हैं। रेत उनकी आंखों में नहीं जा पाती। ऊंट के पंजों की बनावट इस तरह होती है कि रेत में चलते वक्त ये अंदर की ओर नहीं धंसते। ऊंटों की किडनी पानी को लंबे समय तक रोके रखने में सक्षम होती है।

ईसा से 1200 वर्ष पूर्व से ऊंटों पर सामान लादकर लाने-ले जाने की प्रथा चल रही है। उसके बाद सैनिकों ने भी ऊंटों का उपयोग अपना सामान लादने के लिए किया। राजस्थान में अजमेर से 14 किमी दूर पुष्कर में प्रतिवर्ष पशु मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में ऊंटों की खरीद-फरोख्त होती है।

उल्लू मूर्ख होता है या बुद्धिमान?

बड़ी आंखें बुद्धिमान व्यक्ति की निशानी होती है और इसलिए उल्लू को बुद्धिमान माना जाता है। हालांकि ऐसा जरूरी नहीं है पर ऐसा विश्वास है।

यह विश्वास इस कारण है, क्योंकि कुछ देशों में प्रचलित पौराणिक कहानियों में उल्लू को बुद्धिमान माना गया है।

ग्रीक में बुद्धि की देवी, एथेन के बारे में कहा जाता है कि वे उल्लू का रूप धरकर पृथ्वी पर आई हैं। भारतीय पौराणिक कहानियों में भी यह उल्लेख मिलता है कि उल्लू धन की देवी लक्ष्मी का वाहन और इसलिए वह मूर्ख नहीं हो सकता है। हिन्दू संस्कृति में माना जाता है कि उल्लू समृद्धि और धन लाता है। डरावने लुक के कारण कुछ लोग उल्लू से डरते भी हैं।

क्रिप्टोकरेंसी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए बहुत बड़ा जोखिम : आरबीआई गवर्नर दास

वाशिंगटन/नई दिल्ली,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक ऑफ अंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शांतिकांत दास ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक स्थिरता के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। शक्तिकांत दास ने जोर देकर कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है।

आरबीआई ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी के पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में आयोजित मैक्रो वीक 2024 कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि मैं वास्तव में इस राय का हूं कि ये ऐसी चीज है जिसे फाइनेंशियल सिस्टम पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह बैंकिंग प्रणाली के लिए भी जोखिम पैदा करता है। यह ऐसी स्थिति भी पैदा कर सकता है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति से नियंत्रण खो सकता है। उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझ होनी चाहिए, क्योंकि लेनदेन क्रॉस-कंट्री है। इससे जुड़े बड़े जोखिमों के बारे में पूरी तरह से सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत क्रिप्टोकरेंसी के बारे में सवाल उठाने वाला पहला देश था। दास ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 में इस पूरे क्रिप्टो इकोसिस्टम से निपटने के संबंध में अंतरराष्ट्रीय समझ विकसित करने पर समझौता हुआ था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कुछ प्रगति हुई है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के सालाना बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के आधिकारिक दौर पर हैं।

यूएई एक्सचेंज सेंटर का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द किया

मुंबई। आरबीआई ने नियामक आवशयकताओं का पालन न करने के कारण यूएई एक्सचेंज सैंटर एलएलसी का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूएई एक्सचेंज सैंटर एलएलसी (यूएईईसी) सीमा पार धन हस्तांतरण का कारोबार नहीं कर सकेगी। यूएईईसी का पंजीकृत कार्यालय दुबई में है। उसे सीमा पार धन हस्तांतरण परिचालक (ग्राहक से ग्राहक के बीच) के लिए ओवरसीज प्रिंसिपल के रूप में प्राधिकरण प्रमाणपत्र (सीओए) जारी किया गया था। आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली परिचालक का सीओए नियामक आवशयकताओं का पालन न करने के कारण रद्द कर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

सरकार ने कॉरपोरेट आयकर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 दिन बढ़ाई

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शनिवार को आकलन वर्ष 2024-25 के लिए कॉर्पोरेट्स द्वारा आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा को 15 दिन बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जारी एक परिपत्र में कहा कि 31 अक्टूबर की समय-सीमा बढ़ाई जाएगी। सीबीडीटी के मुताबिक आकलन वर्ष 2024-25 (चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कॉर्पोरेट्स के आयकर रिटर्न दाखिल करने) के लिए नई समय-सीमा अब 15 नवंबर, 2024 है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सितंबर में सीबीडीटी ने आयकर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम समय-सीमा को सात दिन बढ़ाकर 7 अक्टूबर कर दी थी।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से एक लाख करोड़ से ज्यादा निकाले

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से अक्टूबर माह में अब तक एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की निकासी की है। एफआईआई ने 25 अक्टूबर तक 1,00,242.17 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। इस महीने में एफआईआई ने हर दिन शेयर बेचे हैं। विश्लेषकों के मुताबिक चीन में प्रोत्साहन उपायों की झड़ी के बाद एफआईआई एशियाई बाजार से लगातार पैसे निकालकर ड्रैगन के बाजार में लगा रहे हैं। खासकर, भारत से भारी निकासी की जा रही है। हालांकि, भारतीय बाजार को घरेलू निवेशकों से लगातार मदद मिल रही है और इन्होंने अक्टूबर में अब तक 97,090.83 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीदारी की है। इन दिनों एफआईआई ने सबसे ज्यादा बिकवाली की- 3 अक्टूबर 15,243.27 करोड़, 4 अक्टूबर 9,896.95 करोड़, 7 अक्टूबर 8,293.41 करोड़, 8 अक्टूबर 5,729.60 करोड़, 17 अक्टूबर 7,421.40 करोड़ और 23 अक्टूबर ,684.63 करोड़ रुपए। एफआईआई की लगातार बिकवाली ने रुपए को रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब बनाए रखा है।

8 लाख रुपए तक की इनकम हो सकती है टैक्स फ्री, 9 करोड़ लोग भर सकते हैं आईटीआर

नई दिल्ली। हर साल इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस साल करीब 7.3 करोड़ लोगों ने आईटीआर फाइल किया है और मार्च 2025 तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। यदि सरकार 8 लाख रुपये तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री करने का फैसला लेती है, तो यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस छूट की मांग जोर पकड़ रही है और ऐसी संभावना है कि सरकार 60 से 80 साल के वरिष्ठ नागरिकों को यह राहत दे सकती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के आर्थिक विभाग की रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर सरकार असेसमेंट ईयर 2024-25 में आईटीआर की संख्या बढ़ाना चाहती है, तो उसे ऐसे कदम उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को यह छूट दी जाती है, तो रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी। अनुमान है कि इस साल करीब 2 करोड़ और आईटीआर फाइल होंगे, जिससे वित्तीय वर्ष के अंत तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। अगले साल यह आंकड़ा 10 करोड़ के पार भी पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, असेसमेंट ईयर 2022 में कुल 7.3 करोड़ आईटीआर फाइल किए गए थे, जो असेसमेंट ईयर 2024 में बढ़कर 8.6 करोड़ हो गए। तय तारीख के बाद आईटीआर भरने वालों की संख्या में गिरावट आ रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि लोग समय पर आईटीआर फाइल करने के अनुशासन का पालन कर रहे हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी प्रक्रिया और फॉर्म को आसान बना दिया है, जिससे आईटीआर भरना सरल हो गया है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि सरकार को टीडीएस कटौती के दायरे में सुधार करना चाहिए और टीडीएस सर्टिफिकेट में भी बदलाव करने चाहिए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा-भारत का कोई भी गांव बिना बिजली के नहीं

निजी क्षेत्र को भारत में व्यापार से रोकने वाली कोई बाधा नहीं : मंत्री

वाशिंगटन/नई दिल्ली,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में व्यापार करने से रोकने वाली कोई बाधा नहीं है। कई गैर-भारतीय निजी बीमा कंपनियां पहले भारत में काम कर रही हैं।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को वाशिंगटन, डीसी में सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के अध्यक्ष और सीईओ जॉन जे. हेमरे के साथ फायरसाइड चैट के दौरान यह बात कही। अपनी टिप्पणी में सीतारमण ने याद दिलाया कि भारत सरकार ने 2021 के बजट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि ऐसे चार क्षेत्र हैं, जहां सरकार मौजूद रहेगी। हालांकि, इसमें किसी ऐसे क्षेत्र का उल्लेख नहीं किया गया, जहां निजी क्षेत्र शामिल नहीं हो सकता।

ग्रामीण विद्युतीकरण में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत के हर गांव में अब बिजली की सुविधा है। 2014 में भारत के कई गांवों में जिनमें राज्य की राजधानियों के पास के गांव भी शामिल हैं, बिजली के लिए बुनियादी ढांचे का अभाव था। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि आज भारत का कोई भी गांव बिजली से वंचित है। इसलिए अगर मुझे 2014 की स्थिति याद है, तो भारत के कई हिस्सों में कई ऐसे गांव थे, कुछ तो राज्य की राजधानी, प्रांतीय मुख्यालय के बहुत करीब थे, जहां बिजली के तार लगाने के लिए खंभा तक नहीं था। लेकिन, अब यह सब दूर हो गया है। घरों में बिजली आ गई है।

चैट के दौरान सीतारमण ने कहा कि नगर पालिकाओं और शहरी केंद्रों को राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह से सशक्त बनाया गया है। उनके पास चुने हुए प्रतिनिधि हैं, जो तय करते हैं कि उनकी प्राथमिकताओं को कैसे पूरा किया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे केंद्र सरकार का फंड राज्यों को दिया जाता है, वैसे ही नगर पालिकाओं और शहरी निकायों को भी फंड दिया जाता है। यह भारत की संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है और राजस्व वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार हस्तांतरित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों और नगर पालिकाओं को केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किए गए करों का एक हिस्सा मिलता है ताकि वे यह जानकर योजना बना सकें कि उनकी आकांक्षाओं और विकासात्मक जरूरतों के लिए बजट के माध्यम से क्या आता है। इसके अलावा आज हम बाजार से संसाधन जुटाने की उनकी क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। नगर पालिकाएं आर्थिक विकास का बहुत शक्तिशाली साधन हैं और वे अपने दम पर बहुत सारे संसाधन जुटा रही हैं। इसके अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री ने जल पहुंच और आर्थिक सशक्तीकरण में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला।

कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री ने जर्मनी के वित्त मंत्री से कई अहम मुद्दों पर की चर्चा

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन, डीसी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की 2024 की सालाना बैठक के मौके पर जर्मनी के वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि क्रिश्चियन लिंडनर ने मुलाकात के दौरान सीतारमण को मोदी सरकार में दोबारा वित्त मंत्री बनने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने वित्तीय प्रबंधन, फिनटेक, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के संबंध में वैश्विक निवेशकों के लिए भारत में निवेश करने के प्रवेश द्वार के रूप में आईएफएससी और गिफ्ट सिटी में अवसरों पर चर्चा की। निर्मला सीतारमण ने इस मुलाकात के दौरान जर्मनी के वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) द्वारा भारत के अनुकूल मूल्यांकन के लिए भी बधाई दी। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने भारत-जर्मनी सहयोग को बढ़ाने और गहरा करने के लिए भारत में चल रहे 7वें अंतर-सरकारी परामर्श पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने चर्चा के दौरान क्रिश्चियन लिंडनर से कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए जर्मन विश्वविद्यालयों में अध्ययन करते हैं। इसको देखते हुए जर्मन विश्वविद्यालय गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय शाखा परिसर स्थापित करने पर विचार कर सकते हैं, जिस तरह अन्य अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय इसमें अपना केंद्र स्थापित कर रहे हैं।

अफ्रीका में एयरटेल ने 3 महीने में कमाए 650 करोड़

मुंबई,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दूरसंचार कंपनी एयरटेल अफ्रीका ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं, जिनमें कंपनी ने 650 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ दर्ज किया है। इस दौरान शुक्रवार को भारत के शेयर बाजार में एयरटेल के शेयरों में लगभग एक प्रतिशत की गिरावट आई है।

इसके बावजूद एयरटेल अफ्रीका आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने पर विचार कर रही है। खबरों के अनुसार कंपनी लंदन में लिस्टिंग कराने का प्रयास कर रही है। भारती एयरटेल की टेलीकॉम यूनिट एयरटेल अफ्रीका को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.9 करोड़ डॉलर यानी 664 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1.3 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ था।

कंपनी ने बयान में कहा कि इसका लाभ 15.1 करोड़ डॉलर के असाधारण डेरिवेटिव और विदेशी मुद्रा घाटे से प्रभावित हुआ, जो इस अवधि के दौरान नाइजीरियाई की मुद्रा नाइरा में मूल्यह्रास का नतीजा है। एयरटेल अफ्रीका की आमदनी सितंबर तिमाही में 9.64 प्रतिशत घटकर 237 करोड़ डॉलर रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 262.3 करोड़ डॉलर थी। एयरटेल अफ्रीका कि एक अधिकारी ने कहा कि हमने देखा है कि लागत को अनुकूलतम बनाने हमारे कार्यक्रम में पहले से ही प्रारंभिक सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा कर्ज, बाजार से लिये गये कुल ऋण का मात्र 11 प्रतिशत रह गया है। बहीखाते को जोखिम मुक्त करने के लिए हमारे किए गए कार्य को दर्शाता है।

एयरटेल अफ्रीका आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने पर कर रही है विचार

चालू महीने में खाद्य तेलों का आयात बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। चालू त्योहारी सीजन में घरेलू बाजार में मांग भी तेजी दिखाई दे रही है। जिसके कारण खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पिछले महीने खाद्य तेलों के आयात शुल्क में इजाफा का मकसद आयात को हतोत्साहित करना, घरेलू उद्योग और किसानों को फायदा पहुंचाना था। जो फिलहाल पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। आयात शुल्क में बढ़ोतरी के बावजूद चालू महीने में खाद्य तेल का आयात अधिक रहने वाला है। खाद्य तेल कारोबारियों के मुताबिक अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल का आयात 13.50 लाख टन तक पहुंचने वाला है जो अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल के आयात का करीब 9 साल का उच्चतम स्तर हो सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंसा न रुकी ...

सनातन जागरण मंच ने चेतावनी दी है कि अगर इन मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो वे ढाका पर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेंगे।

बांग्लादेश के एकजुट हिंदू समुदाय का नेतृत्व कर रहे प्रमुख हिंदू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी ने कहा कि अगर कोई हमें इस देश से बेदखल करना चाहता है तो बांग्लादेश पक्के तौर पर अफगानिस्तान या सीरिया बन जाएगा। लोकतांत्रिक ताकत छिन्न-भिन्न हुई तो बांग्लादेश सांप्रदायिकता का अभयारण्य बन जाएगा। उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को यह चेतावनी चटगांव के लालदिघी मैदान में हिंदुओं की विशाल सभा को संबोधित करते हुए दी। चिन्मय ब्रह्मचारी ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों पर दमन के खिलाफ कार्रवाई हो। समुचित मुआवजा दिया जाए। हिंदुओं पर आक्रमण बंद हों। उन्हें कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाए। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी बांग्लादेश सनातन जागोरोन मोनचो के प्रवक्ता और पुंडरीक धाम के प्रमुख हैं। यह मंच पांच अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद हिंदू मंदिरों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों और शिक्षकों के जबरन इस्तीफे समेत आठ मांगों के लिए न्याय की मांग को लेकर लगातार दो महीने से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहा है।

चिन्मय ब्रह्मचारी ने कहा कि हिंदुओं पर जितना अधिक अत्याचार होगा, वह उतना ही अधिक एकजुट होगा। यह एकता बांग्लादेश की आजादी के बाद से बंगाल की संस्कृति की एकता है। इस एकता को किसी भी तरह से तोड़ा नहीं जा सकता है। 19 सदस्यों की समन्वय समिति बनाई गई है। इसका गठन आठ सूत्री मांगों को पूरा कराने के लिए किया गया है। उन्होंने घोषणा की कि हिंदू हर मंडल में सामूहिक रैलियां और हर जिले में सभाएं करेंगे। उसके बाद ढाका की ओर लंबा मार्च किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि संसद में हिंदुओं के लिए आनुपातिक आधार पर सीटों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने चेताया कि यदि आवश्यक हुआ तो मतदान का बहिष्कार करेंगे। लोकतंत्र के नाम पर तमाशा बर्दाश्त नहीं होगा। अन्य वक्ताओं ने कहा कि आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं की हमेशा उपेक्षा की गई है। हर सरकार हिंदुओं की पीड़ा, अन्याय और अत्याचार को छुपाने की कोशिश करती है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि दशकों से अल्पसंख्यकों को हत्या, यातना, भूमि कब्जा और उत्पीड़न के लिए न्याय नहीं मिला। दण्ड से मुक्ति की संस्कृति ने अपराधियों को ऐसी घटनाओं को दोहराने के लिए प्रोत्साहित किया है।

उनकी अन्य मांगों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों की सुनवाई के लिए त्वरित सुनवाई न्यायाधिकरण की स्थापना, बिना किसी देरी के अल्पसंख्यक संरक्षण अधिनियम और अल्पसंख्यकों के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन, अल्पसंख्यक कल्याण ट्रस्टों को फाउंडेशन का दर्जा देना, निहित संपत्ति की वसूली शामिल है। प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में अल्पसंख्यकों के लिए पूजा स्थलों का निर्माण और प्रत्येक छात्रावास में प्रार्थना कक्ष का आवंटन, संस्कृत और पाली शिक्षा बोर्डों का आधुनिकीकरण और दुर्गा पूजा के लिए पांच दिन की छुट्टी। सभा को तपनंद गिरि महाराज, रविश्वरानंद पुरी महाराज, लीलाराज गौड़ दास ब्रह्मचारी, महंत सच्चिददान पुरी महाराज, मुरारी दास बाबाजी, प्रांजलानंद पुरी महाराज के साथ-साथ पत्रकार, वकील, शिक्षक और विभिन्न वर्गों प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर सितंबर महीने तक दो हजार से अधिक हमले हुए। अक्टूबर में दुर्गा पूजा को केंद्र में रखते हुए लगभग 50 से अधिक घटनाएं हुईं।

बंटेंगे तो कटेंगे...

उस पर हिंदू और अन्य लोग चुप रहे, यदि हिंदू जातियों के नाम पर आपस में बंटे रहे, तो भारत कभी मजबूत नहीं बन पाएगा। दुखद बात यह है कि हमारे देश के अधिकांश राजनीतिक दलों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्हें डर है कि बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में आवाज उठाने से उन्हें भारत में अल्पसंख्यकों के वोटों का नुकसान होगा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने हिंदुओं के प्रति केवल जुबानी सहानुभूति दिखाई है, लेकिन हिंदुओं की सुरक्षा के लिए जमीनी स्तर पर कुछ नहीं किया गया। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व में इस्लामी कट्टरपंथियों ने अपना सिर उठाया है। इस्लामी जेहादी खुलेआम हिंदू परिवारों को डरा-धमका रहे हैं और उन्हें अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर रहे हैं। वर्तमान में, अधिकांश हिंदू बांग्लादेश में भय की स्थिति में जी रहे हैं, लेकिन एकजुट भी हो रहे हैं।

बांग्लादेशी हिंदू इस बार जन्माष्टमी नहीं मना पाए। इस बार दुर्गा पूजा नहीं मना पाए। मेहरपुर में इस्कॉन मंदिर हर साल शानदार जन्माष्टमी समारोह का आयोजन करता था, लेकिन इस बार मंदिर परिसर में खौफनाक सन्नाटा था। मंदिर पर जेहादियों ने हमला किया और आग लगा दी। हमले के बीस दिन बाद भी कुछ नहीं बदला है। जले हुए मंदिर परिसर में केवल एक पुजारी मौजूद है। इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी सुमोहन दास ने सभी को एक भावनात्मक संदेश देते हुए कहा, बांग्लादेश में हिंदू डर में जी रहे हैं, हमें सरकार से कोई मदद नहीं मिली है, इसलिए हम भारत समेत दुनियाभर के हिंदुओं से अपील करते हैं कि वे हमारे लिए आवाज उठाएं। इस संदर्भ में, योगी आदित्यनाथ की हिंदुओं से अपील अत्यंत महत्वपूर्ण है। योगी का नारा राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रनीतिक है।

मजबूत हो ...

रॉबर्ट हैबेक के साथ अच्छी बातचीत हुई। रणनीतिक और आर्थिक दोनों तरह की समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

आईजीसी की बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि पीएम मोदी और ओलाफ शोल्ज ने भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने और गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। जर्मनी के चांसलर ने गोवा में बिट्स पिलानी के छात्रों से भी मुलाकात की।

दूसरी तरफ, जर्मन नौसेना के अधिकारी रियर एडमिरल हेल्गे रिश ने शनिवार को भारत-जर्मनी के संबंधों को लेकर अपने विचार साझा किए रियर एडमिरल हेल्गे रिश ने कहा कि भारत और जर्मनी लोकतांत्रिक देश होने के साथ ही अच्छे साझेदार हैं। दोनों देश मिलकर दुनिया को सुरक्षित करना चाहते हैं। हेल्गे रिश की जर्मनी फ्रिगेट की टास्क फोर्स ग्रुप के कमांडर हैं। जर्मनी फ्रिगेट की सात मई को दक्षिणी गोवा के मोरमुगाओ बंदरगाह पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तैनाती की गई।

कमांडर रिश ने कहा कि दोनों देश लोकतांत्रिक हैं। साथ ही हम कई सारे मूल्यों और रुचियों को साझा करते हैं। हम दोनों देश क्षेत्रीय रूप से जुड़े हैं, लेकिन वैश्विक रूप से भी प्रतिबद्ध हैं। भारत और जर्मनी के बीच करीबी सहयोग की प्रेरणा है। संयुक्त नौसेना अभ्यास को लेकर उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों और उनकी नौसेना के बीच दोस्ती और साझेदारी मजबूत करने का प्रयास है। आने वाले समय में हम और भी अभ्यास करेंगे, मगर अभी इस बारे में कुछ भी कहना ठीक नहीं है। मुझे लगता है कि हमारे देशों की सरकार ने इस बारे में चर्चा जरूर की होगी। रिश ने कहा कि हिंद प्रशांत तैनाती के तौर पर जर्मन की नौसेना ने अमेरिका और एशिया में कई देशों के साथ साझा अभ्यास किए हैं। जर्मनी नौसेना भारत में इसलिए है क्योंकि यह विश्व के सबसे बडे लोकतांत्रिक देशों में से एक है। हमारे क्षेत्रीय संबंध काफी अच्छे हैं। हम दोनों का ही उद्देश्य दुनिया को सुरक्षित जगह बनाना है।

रियर एडमिरल हेल्गे रिश ने कहा कि भारत और जर्मनी दोनों राष्ट्र अच्छे साझेदार इसलिए भी हैं, क्योंकि हमारे मूल्य समान हैं। हमने अच्छे अभ्यास किए हैं। पहले हमने पूर्वी नौसैन्य क्षेत्र में अभ्यास किया और पिछले कुछ दिन से हम पश्चिमी तट पर अभ्यास कर रहे हैं। यह अभ्यास पूरी तरह से पेशेवर अंदाज में हुआ है। मैं भारतीय नाविकों के जुनून और पेशेवर ज्ञान से बहुत प्रभावित हूं। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज गुरुवार को भारत के दौरे पर आए हैं। उन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

पंजाब में धान...

लोगों ने मुझे बताया कि धान (सरकार द्वारा) नहीं खरीदा जा रहा है। किसी को पैसा नहीं मिल रहा है। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि किसानों को पैसा क्यों नहीं मिल रहा है, जबकि केंद्र सरकार ने पहले ही 44,000 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। किसानों को पैसा दिया जाना चाहिए और धान खरीदा जाना चाहिए।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए मैंने इतने साल धान और गेहूं की खरीद की है। लेकिन हमारी सरकार के समय कभी भी ऐसी नौबत नहीं आई। पंजाब में धान की खरीद न होने पर किसानों से मिलने के लिए अनाज मंडी खन्ना गया था। वहां किसानों से मिला और वहां के हालात देखे। मंडी में 10-12 दिन से धान पड़ा है। अगर बारिश आ जाए तो किसान तबाह हो जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार के पास धान खरीद को लेकर कोई प्लानिंग नहीं है। मंडियों में स्टोरेज स्पेस नहीं बनाए गए। जबकि यह काम प्रदेश सरकार का है। मेरे मुख्यमंत्री रहते हुए मैं खुद विभागों के अधिकारियों के साथ ट्रांसपोर्ट का अरेंजमेंट करने के लिए ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर के पास जाता था। मैं खुद रेलवे और फूड मिनिस्टर से मिलता था। पूरी प्लानिंग के तहत धान की खरीद होती थी।कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि खन्ना में एशिया की सबसे बड़ी मंडी है। यहां का जायजा लेने के लिए अभी तक प्रदेश के मुख्यमंत्री, खाद्य मंत्री, एग्रीकल्चर मिनिस्टर और यहां तक कि स्थानीय विधायक भी नहीं गया। इन्हें किसानों की परवाह नहीं है। अगर आप किसानों की समस्या जानने उनके पास नहीं जाएंगे तो किसान आपका विरोध करेंगे। मंडी में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शैलर मलिक, मजदूर व आढ़ती संघ बैठकर उनकी समस्या सुनी, कैप्टन ने इन यूनियन के नेताओं को भरोसा दिलाया कि उनकी यह समस्या वह खुद केंद्र सरकार के पास लेकर जाएंगे और इसका हल जल्द करवाएंगे। कैप्टन ने कहा कि पंजाब के इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है कि किसान, शैलर व मजदूर और आढ़ती धरना प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हैं। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार है वह हर फ्रंट पर फेल साबित हो रही है। आप सरकार को पता ही नहीं सरकार क्या होती है। मेरे टर्म में केंद्र में चाहे अटल बिहारी वाजपेई की सरकार हो या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मैं खुद वहां पर जाकर खाद्य सचिव से बात कर समस्या का हल करवाता रहा हूं।

कई देश अंतरराष्ट्रीय...

जिन्होंने अपनी स्वतंत्रता हासिल की है या जो अभी विकासशील हैं। ये ज्यादातर निम्न आय वाले देश हैं। इन देशों का भारत पर उच्च स्तर का भरोसा व उम्मीद है और इसके कारण भी हैं। मैं आपको तीन उदाहरण दे सकता हूं। पहला, वैश्विक दक्षिण के लोगों को याद है कि कोविड-19 के दौरान जब विकसित देश टीकों का भंडारण कर रहे थे, तब कई देशों ने अपना पहला टीका भारत से लिया। भारत ने अपने लोगों को टीका लगाने के साथ-साथ दूसरे देशों को भी मदद की, जिसका वैश्विक स्तर पर गहरा भावनात्मक असर पड़ा।

उन्होंने कहा, दूसरा उदाहरण यूक्रेन का है और तीसरा जी-20 बैठक का है। अफ्रीकी संघ कई वर्षों से जी-20 में एक सीट चाहता था। हर बैठक के पहले दिन अफ्रीकी संघ से कहा जाता था कि चिंता मत करो, इस बैठक में हम आपके बारे में सोचेंगे लेकिन अंतिम कुछ नहीं होता था।

अफ्रीकी देशों का मानना है कि भारत में संवेदना है, भारत की प्रतिष्ठा है और आज भारत के पास एक आत्मविश्वास है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 27 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल शिक्षा समिति के स्नातकोत्तर छात्रों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल सिक्षा समिति ने अपने स्नातकोत्तर एमबीए, एमसीए एवं एमएससी के 2024-26 सत्र के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता प्रो. ए. पेद्वीक ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

सभा का शुभारंभ परंपरागत तरीके से माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष प्रज्जवलन के साथ हुआ। अपने मंत्रमुग्ध करने वाले वक्तव्य में अतिथि वक्ता ने कहा कि शिक्षा अध्ययन एक ऐसा सुअवसर है जहाँ विद्यार्थी अपने जीवन में ज्ञान का भंडारण कर सकते हैं और अपने ज्ञान का उचित निवेश कर सकते हैं। यह एक ऐसा निवेश होगा जिसका फल उन्हें आजीवन प्राप्त होगा। इस पड़ाव पर उन्हें संपूर्ण समर्पण और पूरी ईमानदारी के साथ अपनी स्नातकोत्तर शिक्षा को पूर्ण करना है। यही शिक्षा उनके जीवन में भविष्य में जीविकोपार्जन का अवसर उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि वह योग्यता के आधार पर अपना और अपने परिवार का पालन पोषन करने के लायक बन सके। वर्तमान युग चनौतियों से भरा है। वर्तमान में ज्ञान प्राप्ति के साधन एवं पद्धति बदल गई है। हमको नए स्वरूप में अपने आपको ढालना होगा। हमें अपनी दूरदृष्टि के आधार पर लक्ष्य निर्धारित करना होगा और अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करना होगा। हमारा भविष्य हमें स्वयं निर्मित करना है। स्वरोजगार प्राप्ति का अर्थ कदापि यह नहीं है कि हम अपने अभिभावकों का अपमान करें। हमारे माता-पिता एवं हमारे शिक्षक हमारे मार्गदर्शक एवं प्रशंसक होते हैं।

सभा को संबोधित करते हुए एसडीएस कॉलेज (एमबीए) के करेस्पॉन्डेंट मुकुंदलाल अग्रवाल एवं एनबी साइन्स कॉलेज के करेस्पॉन्डेंट डॉ. ओम प्रकाश ने विद्यार्थियों का अभिवान किया व उनके सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा समिति की शिक्षण संस्थानों में विद्या अध्ययन का अनुभव जीवन में हमेशा यादगार बने और भविष्य की उन्नति के लिए नीव का काम करे(

अपने संदेश में समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि समिति अपने विद्यार्थियों को हर सुविधा प्रदान करेगी। जिसकी उनको आवश्यकता है। ज्ञान प्रसारण का हर स्रोत उपलब्ध कराया जाएगा। समिति अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है और 100 वर्ष की इस ऐतिहासिक यात्रा में आपका भी स्वागत है। यह आपका सौभाग्य है कि आप इस ऐतिहासिक उपलब्धि में हमारे सहचर बने।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने अतिथि वक्ता प्रोफ़ेसर की भूरि-भूरि प्रशंसा की एवं कहा कि अपने प्रभावी वक्तव्य से उन्होंने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ऐसी नवीन जानकारियां और योजनाएं बनाकर अगर हम चलें तो वास्तविक जीवन में सफलता निश्चित है।

त्रक्षा का संचालन एमबीए की निदेशक प्रो. पल्लवी रंगनाथ ने किया। मुख्य अतिथि का परिचय एमसीए की संचालिका एवं एनबी साइन्स कॉलेज की (पीजी) की उप-प्रचार्य श्रीमती के.एल. माधुरी ने दिया। एमएससी डिपार्टमेंट की हेड डॉ. एम. मालती ने आभार प्रदर्शन किया। उक्त कार्यक्रम में शिक्षा समिति की आदमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन, संयुक्त अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल, एसडीएस के प्रिंसिपल डॉ. डालपडाल, एनबी साइन्स कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बाबू राव एवं अन्य शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यगण, शिक्षकगण आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी विवाह मंच पर्ल महिला शाखा ने मिठाई बॉक्स किए वितरित

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ी विवाह मंच पर्ल महिला शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रकल्प आनंद सबके लिए के तहत नल्ला बाजार स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल के बच्चों में दिवाली के शुभ अवसर पर मिठाई के बॉक्स वितरित किए गए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में निवर्तमान अध्यक्ष वर्षा मखाना, कोषाध्यक्ष सुमन घोड़ेला, रक्तदान संयोजक पूनम बोहरा, मीना दुग्गड, वंदना दुग्गड, संतोष गुजरानी, गायत्री घोड़ेला, तन्विक दुग्गड, पर्व दूग्गड़ का सराहनीय योगदान रहा। जन सेवा संयोजिका सुनीता डूंगरवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यूरिका 2024: सृजन और नवाचार कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सैनिकपुरी में स्थित इंडस यूनिवर्सल स्कूल में छात्रों की रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान है। स्कूल की टीम, वित्त और प्रशासन विभाग के प्रमुख ई. किशन और प्रिंसिपल के.वी. नीलिमा के नेतृत्व में इस त्योहार का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों की प्रतिभा को उजागर करने और अभिभावकों और शिक्षकों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्रों ने अपने नवीनतम परियोजनाओं और विचारों के साथ इस उत्सव में भाग लिया और सभी को आकर्षित किया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित त्रिपुरा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश टी. अमरनाथ गौड़ ने छात्रों की प्रतिभा की विशेष प्रशंसा की और इस विविधता से भरे त्योहार के आयोजन के लिए स्कूल टीम को बधाई दी। उन्होंने स्कूल टीम की मेहनत और इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन में उनकी प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित किया, जो छात्रों के विकास में सहायक होती है।

इस कार्यक्रम में विशेष रूप से पहचान पाने वाले छात्र बी. श्रेयस ने ताइक्वांडो में अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन साल की उम्र में ताइक्वांडो सीखना शुरू किया और अपनी पहली बेल्ट प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म अभिनेता सुमन तलवार से प्राप्त की। वर्तमान में, उनके पास कुक्कियोन ताइक्वांडो में पहला डान है और उन्होंने अद्भुत विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है। इस कार्यक्रम में बी. श्रेयस ने 30 सेकंड में 100 स्पीड किक्स करके अद्भुत विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने नंचक पूम्से प्रदर्शन में भी अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जो ताइक्वांडो में उनकी विशेषता को दर्शाता है। इस कौशल को देखकर न्यायाधीश ने उनकी सराहना की।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक हिंदू असुरक्षित : गोपाल राय

जमुना पाठक महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और फिर हैदराबाद में हिंदू विरोधी घटनाओं पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हैदराबाद में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री राय ने कहा कि पहले कश्मीर, फिर बंगाल, उसके बाद केरल और अब हैदराबाद हिंदुत्व और भारत विरोध का केंद्र बन गया है। देश के विभिन्न हिस्सों में हिंदुओं और मंदिरों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं, जो कि एक चिंता का विषय है।

गोपाल राय ने बताया कि वह इस बढ़ते हिंदू विरोध के प्रति देशभर के हिंदुओं को जागरूक करने के लिए अभियान पर निकले हैं। उन्होंने कहा कि उनके इस अभियान का उद्देश्य है कि हिंदू समाज एकजुट होकर इन चुनौतियों का सामना करे और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होकर आगे बढ़े। श्री राय ने देश भर के मीडिया कर्मियों से भी आग्रह किया कि वे देश-विदेश में हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचार को जन-जन तक ले जाने में संगठन की मदद करें। हिंदू मजबूत रहेगा तभी समाज में शांति और एकता बरकरार रखी जा सकती है। गोपाल राय ने इस राष्ट्रवादी अभियान से महिलाओं को भी संगठन से जुड़ने का आग्रह किया और इसी कड़ी में जमुना पाठक को विश्व हिंदू रक्षा परिषद में महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। श्री राय ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि श्रीमती पाठक पूरे देश की महिलाओं को संगठन से जोड़कर इस अभियान को और मजबूती देंगी। इस मौके पर श्रीमती पाठक ने अपने कर्तव्यों का उचित तरीके से निर्वहन करने का संकल्प लिया और कहा कि देश में हिंदुओं को सुरक्षित करने में महिलाएं भी पीछे नहीं रहेंगी। साथ ही, देश में शांति और भाईचारे का समर्थन करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि समाज में हिंदुओं को उनका सही हक और अधिकार दिलाने तथा सौहार्द और न्याय की स्थापना के लिए है। प्रमुख रूप से राम बाबू (राष्ट्रीय संगठन मंत्री), मुकेश सिंह, संजय सिंह, सुरेश, अश्वनी आनंद, भवानी, विजयलक्ष्मी, कामाला, प्रसन्ना, मल्लेश अंदुला आदि लोग शामिल थे।

हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के हैदराबाद केंद्र द्वारा महाराष्ट्र राज्य के बीड जिले के माध्यमिक विद्यालय के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 14 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक हैदराबाद केंद्र पर 477वें नवीकरण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस पाठ्यक्रम का समापन समारोह 26 अक्टूबर को संपन्न हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व समकुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद प्रो. आरएस सर्राजु उपस्थित थे। इस दौरान पाठ्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे, विशिष्ट अतिथि, डॉ. रणजीत भारती, डॉ. रचना चतुर्वेदी, अतिथि प्रवक्ता एवं कार्यालय अधीक्षक डॉ. एस. राधा मंच पर उपस्थित थे। इस नवीकरण पाठ्यक्रम में कुल 25 हिंदी अध्यापक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था।

सर्वप्रथम मंचस्थ अतिथियों ने माँ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित किया। माँ सरस्वती वंदना, संस्थान गीत व स्वागत गीत सजग तिवारी के सहयोग से प्रस्तुत किया गया। जिजाऊ वंदना श्री आठवले, दत्तात्रय द्वारा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर आभासी मंच से प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मुझे पूर्व विश्वास है कि इस नवीकरण पाठ्यक्रम के दौरान आपने जो कुछ पाया, जो कुछ सीखा, अभिव्यक्त किया, सामूहिक रूप में संपन्न किया, जो बोध आपको मिला, वह आप अपनी पाठशाला में जाकर अपने छात्रों को अवश्य देंगे। हिंदी को संपर्क भाषा से विश्व भाषा तक ले जाने का मार्ग सशक्त करने में जितना सहयोग हिंदी भाषियों का है, उससे सौ गुणा अधिक हिंदीतर भाषियों का रहा है। यह गौरव की बात है कि हम सब हिंदीतर भाषी हैं। हमें सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। यदि आपको कुछ नया करना है, जीवन में आगे बढ़ना है, निर्माण करना, तो उस निर्माण की पहली एवं महत्वपूर्ण अनिवार्य शर्त क्या है? वह है आपको देखनी की दृष्टि सकारात्मक बनानी होगी। इस पाठ्यक्रम को आपने सकारात्मक दृष्टि से स्वीकार किया होगा और बहुत कुछ सीखने को मिला होगा। शिक्षक यदि गलती नहीं करेगा तो छात्र भी गलती नहीं करेगा। मुख्य अतिथि प्रो. आर. एस. सर्राजु, पूर्व समकुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि- यह दौर सूचना प्रौद्योगिकी का दौर है। एनईपी का दौर है। इससे पूर्व शिक्षक एवं विद्यार्थी के बीच के संबंधों को ज्यादा ध्यान दिया जाता था। किंतु अब उन दोनों के बीच एक और आयाम जुड़ गया है-वह है टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी)। आज दुनिया कृत्रिम बुद्धि की ओर जा रही है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. रणजीत भारती ने कहा कि- जो कुछ आपने इस नवीकरण पाठ्यक्रम में सीखा है उसे सीधा अपने जीवन में लागू करें। हमें व्यक्तिनिष्ठ नहीं वस्तुनिष्ठ होना चाहिए। अतिथि प्रवक्ता रचना चतुर्वेदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि- जो आपने इस नवीकरण पाठ्यक्रम में सीखा है, वह आपके शिष्यों को प्राप्त होना चाहिए। डॉ. राधा ने अपने वक्तव्य में कहा कि- अध्यापक का स्थान सर्वोपरि होता है। आप अध्यापक हैं। भाषा के अध्यापक हैं। भाषा के अध्यापक के नाते आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है क्योंकि आप भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं। देश की संस्कृति, सभ्यता को संजोकर रखने में आपकी अहम भूमिका है। कार्यक्रम संयोजक और क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे ने अपने अशीर्वचन में कहा कि- शिक्षक को हमेशा विद्यार्थी बनकर अपने को अद्यतन करते रहना चाहिए एवं ज्ञान को समेटकर अपने छात्रों को देना चाहिए। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा प्रचलित है। फिर भी मराठी भाषी एवं हिंदीतर भाषियों में मातृभाषा का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। इस अवसर पर प्रतिभागी पवार रूपेश द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की गई एवं वाघमारे शिवाजी एवं श्री देवकत्ते बाळीराम राव ने पाठ्यक्रम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। किरवले बाबा साहेबने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। श्री कांबले, श्री शिंदे के समूह द्वारा जय जय महाराष्ट्र माझा नामक महाराष्ट्र राज्य गीत प्रस्तुत किया गया। लहू चौहान, श्री जावके, श्री उपाडे के समूह ने बंजारा समाज का लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हस्तलिखित पत्रिका बीड-चंपावती नगर का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। साथ ही पर-परीक्षण में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान एवं प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त करने वाले अध्यापकों को पुरस्कार वितरित किए गए। इसी दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर सुश्री शोभनीम, असिस्टेंट प्रोफेसर, केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली केंद्र एवं सुश्री उमा शर्मा, केंद्रीय हिंदी निदेशालय उपस्थित थीं। शेख मोहम्मद ने शेर सुनाया। श्री सुखसे ज्ञानदेव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन लहू चौहान एवं कोलेकर विजय ने किया व तकनीकी सहयोग सजग तिवारी, संदीप कुमार व शेख मस्तान वली ने दिया।

गीत चांदनी की मूल्यांकन कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चांदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान हैदराबाद की प्रतिमास अंतिम रविवार को आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-324 का आयोजन रविवार, 27 अक्तूबर को दोपहर 1 बजे से नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा के सभा कक्ष में संपन्न होगा। मिलिंद प्रकाशन के संचालक व हिंदी सेवी श्रुतिकांत भारती, राज्य कर्मचारी जीवन बीमा निगम के सेवानिवृत्त वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ठाकुर दिनेश सिंह और गीत चांदनी के अध्यक्ष व गीतकार चंपालाल बैद बतौर विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित रहेंगे। गीत चांदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय कार्यक्रम का संचालन करेंगे और संस्था की गतिविधियों से अवगत करायेंगे।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गीत चांदनी कार्यदर्शी व संचालक गोविंद अक्षय ने बताया कि इस मूल्यांकन कवि गोष्ठी में रायपुर (छत्तीसगढ़) श्री समीर दीवान के संपादन में प्रकाशित होने वाली साहित्य की मासिक पत्रिका निरंतर पहल अक्तूबर, 2024 अंक : 40 में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकार चर्चा करेंगे। पत्रिका की प्रबंध संपादक अमीषा दीवान हैं। इस अवसर पर आयोजित होने वाली कवि गोष्ठी में कविगण कवि देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ करेंगे।

भाजपा सदस्यता अभियान पर प्रवासी प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 26 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

देश के विभिन्न प्रांतों से आकर तेलंगाना की धरती पर उद्योग, व्यापार, नौकरी व अन्य कार्यों हेतु बसने वाले प्रवासी प्रकोष्ठ की भाजपा तेलंगाना ईकाई के साथ भाजपा नगर कार्यालय में बैठक सम्पन्न हुई।भाजपा तेलंगाना प्रवासी प्रकोष्ठ के संयोजक सुभाष अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि उक्त विशेष सभा भाजपा तेलंगाना संगठन मंत्री श्री चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।सदस्यता अभियान प्रमुख एन. रामचंद्रराव ने सभा को संबोधित करते हुए प्रवासी बंधुओं द्वारा राज्य और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किये जा रहे सहयोग के बारे में बताते हुए तेलंगाना में अब की बार भाजपा की सरकार और आने वाले जीएचएमसी चुनावों में भी भारी जीत के लिए प्रवासियों को भाजपा का सदस्य बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आगामी जीएचएमसी के चुनावों में प्रवासियों की भूमिका व महत्व को नकारा नहीं जा सकता है, उनके वोट से ही क्रांति आएगी।अवसर पर तेलंगाना प्रदेश संगठन मंत्री श्री चंद्रशेखर ने सभा को सम्बोधित करते हुए तेलंगाना में बसे हुए सभी प्रवासियों के सहयोग की सराहना करते हुए सभा में उपस्थित सभी राज्यों के प्रतिनिधियों का परिचय लिया। उन्होंने देश की संस्कृति, धर्म एवं सुरक्षा हेतु प्रवासियों को तेलंगाना में भाजपा को मजबूत बनाने में सहयोग करने को कहा।

सभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे विकास के कार्यों के बारे में बताया एवं जीएचएमसी की परिधि में आने वाले सभी 150 म्युनिसिपल वार्डों में हर एक डिविजन की कोर कमेटी में एक प्रवासी सह-संयोजक के तौर पर नियुक्त करने हेतु नाम देने को कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और अधिक मजबूत बनाने हेतु सदस्य बनाने का आग्रह किया।प्रवासी प्रकोष्ठ संयोजक सुभाष अग्रवाल ने सभा में पधारे सभी का स्वागत करते हुए एक ही आह्वान पर अच्छी सँख्या में सभा में पधारने पर सभी का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने स्वागत संबोधन में प्रवासी संगठनों के प्रमुखों व सभा में पधारे प्रतिनिनिधियों से आग्रह करते हुए अभी तक के सदस्यता अभियान की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया साथ ही उन्होंने आगामी 15 नवंबर के पहले अधिक-से-अधिक संख्या में नए सदस्य बनाने की कोशिश करने पर जोर दिया, इसके लिये गंभीरतापूर्वक प्रयास करने का भी आव्हान किया।

उन्होंने प्रवासियों को राजनैतिक स्तर पर अपनी समान विचारधारा वाली पार्टी को समर्थन देकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिये और अधिक जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया। जो पार्टी अपने धर्म, संस्कृति व व्यापार आदि की सुरक्षा कर, उत्तिष्ठ व उन्नतिशील राष्ट्र का निर्माण कर सके, उसी को राजनीतिक समर्थन देना चाहिए। सिर्फ व्हाट्सएप तथा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर विचारों के आदान-प्रदान करने से हमारे लक्ष्य साध्य नहीं हो सकते हैं, हमें धरातल पर मजबूत कदम उठाने होंगे। उन्होंने बताया कि यह समय की माँग है कि वैश्विक व स्थानीय परिस्थितियों व वातावरण के मद्देनजर हमें एक सशक्त व सामर्थ्यवान राजनैतिक संरक्षण की आवश्यकता है, जो हमारे व्यापार, संस्कृति आदि की सुरक्षा कर सके और वर्तमान में भाजपा के अतिरिक्त अन्य किसी दल में हमारे व्यापार, संस्कृति आदि की सुरक्षा के लिये कोई अन्य विकल्प दूर-दूर तक दिखायी नहीं दे रहा है। अत: देश-विदेश में चल रहे घटनाक्रमओं को देखते हुए सभी प्रवासियों को सोच-समझकर, एकत्रित होकर देशहित में यह निर्णय लेना होगा कि हम राजनीतिक समर्थन किसे दें। सभी के एकमत व दूरदर्शितापूर्ण समर्थन से ही राज्य व देश का चहुमुखी विकास व उज्ज्वल भविष्य होगा। सभा में तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, भाजपा तेलंगाना सदस्यता अभियान के प्रमुख एवं पूर्व एमएलसी एन रामचंद्र राव, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चेवेल्ला महेन्द्र, भाजपा तेलंगाना राज्य प्रवासी प्रकोष्ठ के संयोजक सुभाष अग्रवाल, पूर्व संयोजक सोहनलाल कड़ेल, सह संयोजक भबुतसिंह राजपुरोहित, प्रचार-प्रसार संयोजक मुकेश जैन चौहान, दुर्गा प्रसाद तिवारी, सुरेंदर भाई, श्याम सुन्दर कश्यप, मीनाक्षी सिखवाल, सीडी चौहान, आँजनेयुलु, शांतिलाल सुथार, मनोज, लक्ष्मीकांत, जीत जायसवाल, टी. विजय कुमार, जिग्नेश गोकानी, मनीष व्यास एवं राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल आदि प्रदेशों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। सभा में लगभग तीन घंटों तक चली परिचर्चा का भबूतसिंह राजपुरोहित के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन हुआ।

राजस्थानी जागृति समिति द्वारा पहनने योग्य कपड़ों का उस्मानिया अस्पताल, गांधी अस्पताल, प्रसूती अस्पताल पेटला ब्रुज सिटी कॉलेज के पास जरुरतमन्द लोगों को वितरित करते हुए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी , रमेश मोदानी, गोविंद बिरादर, बालाप्रशद मोदानी, गोकुल, मनीष सोमानी एवं अन्य।

दिवाली के रंग-रंगोली के संग प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 26 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में 25 अक्टूबर को दिवाली के रंग , रंगोली के संग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार साध्वी शिवमाला जी आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में नमस्कार महामंत्र से प्रकाश पर्व कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में कार्यक्रम की संयोजिकाओं द्वारा मिच्छामी दुक्कडम गीत का मंगलाचरण किया, अध्यक्ष श्रीमती कविता आच्छा द्वारा सभी पधारे हुए श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत व दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित की गई। सभी को दिवाली पर किए जाने वाले अनुष्ठान की रूपरेखा बताई गई।

साध्वी श्री शिवमाला जी ने आत्मा का विमोचन व क्षमा जैसे प्रेरक प्रसंग के बारे में सुंदर और सरल तरीके से बताया ।उन्होंने फरमाया कि अध्यात्म, त्याग आदि का हमें अपने जीवन में अधिक संवर्धन करना चाहिए। साध्वीश्री अमित रेखा द्वारा उक्त विषय पर सुंदर वक्तव्य दिया गया । पूजनीय साध्वीओं द्वारा क्षमा दान देता हूं,... गीत का सुंदर गायन प्रस्तुत किया गया।

व्याख्यान के पश्चात सभी को एक-एक दीपक प्रदान किए गए। जिसके प्रकाश के साक्ष्य में, सभी ने अपने जीवन में हुए, किसी व्यक्ति द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को अपने मन में क्षमा प्रदान कर, अपनी आत्मा को उज्जवल किया, प्रकाशमय किया ।

अंत में मंडल मंत्री सुशीला मोदी ने सभी का आभार ज्ञापन किया । सभी रंगोली प्रतियोगिता के प्रतिभागियों ने बहुत ही सुंदर रंगोलियां बनायी। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूजा गोलछा, द्वितीय स्थान अनीता गिरिया व सुमति धोका ने प्राप्त किया । कार्यक्रम की संयोजिकाएं अनीता गिडिया, रूबी दुगड, संतोष गुजरानी एवं पायल पारक का पूर्ण सहयोग रहा ।

कार्यक्रम में परामर्शक चंद्रा सुराणा, परामर्शक चंदा जैन, परामर्शक मंजू दुगड, परामर्शक सरोज भंडारी, परामर्शक सुमन दुगड, पूर्व अध्यक्ष अंजू बैद, चंदा बैद, सरिता नखत अल्पना दुगड, मनीषा सिंघी आदि बहनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही ।

गौमाता को राष्ट्र माता घोषित कराने की मांग

हैदराबाद, 26 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

लव फोर काऊ फाउण्डेशन के पदाधिकारी व गौभक्त द्वारा नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय मे भाजपा नेताओं से भेंट कर गौमाता को राष्ट्र माता घोषित कराने की मांग की गई

यहां जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में लव फोर काऊ फाउण्डेशन के मैंनेजींग ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि लखनऊ उत्तर से विधायक डॉ. नीरज बोरा के नेतृत्व में लव फोर काऊ फाउण्डेशन की ओर से चेयरमेन जसमत पटेल, सदस्य सतीश जाजू आदि ने केन्द्रीय कोयला, खान मंत्री व भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी, बीजेपी राष्ट्रीय महासचीव व तेलंगाना प्रभारी सुनील बंसल और तेलंगाना प्रभारी (संगठन) चंद्रशेखर तिवारी से भेंटकर उन्हें दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दी तथा उनका

संस्था की ओर से स्वागत किया गया। अवसर पर वत्सल बोरा, विष्णुवर्धन रेड्डी, सौरभ पांडे, पिंटू कच्छवाहा आदि उपस्थित थे।इस अवसर पर लव फोर काऊ फाउण्डेशन के चेयरमेन जसमत पटेल ने कहा कि भाजपा नेताओं से गौमाता को राष्ट्र माता घोषितत कराने, गौमाता से जुडे आध्यात्मिक व वैज्ञानिक तथ्यों को सुन्दरता के साथ प्रभावी ढंग से समाज में प्रचारित करने, गौरक्षा से जुडे कार्यकर्ताओं को सरकारी नियमों व कानून की जानकारी देने तथा उस आधार पर गोवध रोकने का प्रयास करना, गो गव्य प्रचार एवं गोशालाओं को स्वालंबी बनाने के लिए गो गव्यों का आर्थिक उपार्जन करने के लिए प्रयास करना एवं किसानों को जैविक खेती हेतु प्रेरित करना आदि विषय पर फाउण्डेशन द्वारा कार्य किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी एवं उसमें सहयोग करने का आग्रह किया।केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा गौसेवा में किये जा रहे कार्यों की सराहना की, खासकर जसमतभाई पटेल द्वारा किये जा रहे प्रचार प्रसार के लिए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। सुनील बंसल एवं चंद्रशेखर तिवारी ने भी संस्था के संकल्प के बारे में अवश्य कार्यवाही करने का विश्वास दिलाया तथा संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और सहयोग करने का आश्वासन दिया।

तेलंगाना में राजनीतिक प्रचार के लिए सरकारी हेलीकॉप्टर का हुआ दुरुपयोग : पॉल

हैदराबाद/ नई दिल्ली, 26 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

वैश्विक शांति पहल के अध्यक्ष डॉ. के.ए. पॉल ने तेलंगाना प्रशासन की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि एक सरकारी हेलीकॉप्टर, जिसका उपयोग हाल ही में आई बाढ़ के दौरान मानवीय राहत कार्यों के लिए होना चाहिए था, उसे राजनीतिक प्रचार के लिए उपयोग किया गया। यह विवाद ऐसे समय में उठा है जब तेलंगाना विशेष रूप से खम्मम जैसे क्षेत्र गंभीर बाढ़ संकट का सामना कर रहा है।

डॉ. पॉल ने यहां आज तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, जब खम्मम के लोग बाढ़ से प्रभावित हो रहे हैं, तो हेलीकॉप्टर को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया गया। उन्होंने अपने मानवतावादी कार्यों का उल्लेख किया और कहा कि सरकारी संसाधनों का प्राथमिक उपयोग जनता की भलाई के लिए होना चाहिए।

गौरतलब है कि डॉ. पॉल ने स्वयं 2004 में आई सुनामी के दौरान अपने निजी विमान का इस्तेमाल करके राहत कार्य किया था। डॉ. पॉल ने यह भी कहा कि इस सरकारी हेलीकॉप्टर में बड़ी रकम, जो कि सौ करोड़ से अधिक हो सकती है, का परिवहन किया गया। उन्होंने इस पर गहन जांच की मांग की और कहा, सार्वजनिक धन और संसाधनों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। डॉ. पॉल ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से दायर एक मामले में, उन 10 विधायकों की अयोग्यता की मांग की जो भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के टिकट पर चुने गए थे और कांग्रेस में शामिल हो गए। पूर्व में आए न्यायायिक निर्णयों का हवाला देते हुए, उन्होंने भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची जो ऐसे दलबदल को रोकती है का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा,इन विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों के जनादेश का विश्वासघात किया है और उन्हें तुरंत अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। डॉ. पॉल ने तेलंगाना कांग्रेस मंत्री पौंगुलेती श्रीनिवास रेड्डी की कथित धमकियों पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि मंत्री की संपत्ति और सरकार में प्रभाव की उत्पत्ति की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सार्वजनिक कार्यालय में कोई भी व्यक्ति जांच से बच नहीं सकता। डॉ. पॉल ने कहा कि सरकार को जनता की आवश्यकताओं को राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर रखना चाहिए। उन्होंने नागरिकों की भलाई को सर्वोपरि बताया और कहा,तेलंगाना के नागरिकों को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो जनता के हितों को पहले रखें।

सिकंदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारत विकास परिषद आदेश्वर शाखा के अध्यक्ष जैनरत्न माणिकचंद समदरीया का अभिनंदन करते हुए शाखा के संघटन मंत्री भरत मेहता, महीला संयोजक राखी जैन, नीरमल प्रेम लता मेहता उगमा बाइ मांडोत, बेबी पहल एवं शाखा के सदस्य।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक दो सप्ताह के लिए स्थगित

हैदराबाद, 26 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक दो सप्ताह के लिए स्थगित की गई ।

प्रेस को विज्ञप्ति में कमेटी चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कमेटी की बैठक हर रविवार को प्रातः 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक समाज कार्यालय में आयोजित की जाती है, लेकिन त्यौहार को ध्यान में रखते हुए कमेटी ने निर्णय लिया है कि रविवार 27 अक्टूबर तथा 3 नवम्बर को दो सप्ताह के लिए यह बैठक स्थगित रहेगी।

अब कमेटी की बैठक आगामी रविवार 10 नवम्बर को समाज के कार्यालय चिराग़ अली लेन में हमेशा की भाँति आयोजित की जाएगी । सभी अग्र बंधुओं से आग्रह किया गया है कि वे अपने विवाह योग्य बालक-बालिकाओं के विवाह संबंधित जानकारी कमेटी के सभी सातों सदस्यों से फ़ोन के माध्यम से ले सकते हैं।

दूरदर्शन पर हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 26 अक्टूबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

दूरदर्शन द्वारा आयोजित हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन एवं मिज़ाहिया मुशायरा मआदाब हैदराबादफ का प्रसारण रविवार 27 अक्टूबर को डीडी यादगिरी चैनल पर दोपहर 2.00 बजे प्रसारित किया जाएगा। जिसमें नगर के कवि नरेन्द्र राय मनरेनफ, वेणुगोपाल भट्टड़, मुनव्वर अली मुख्तसर, शाहिद अदीली अपनी हास्य व्यंग्य रचनाएं प्रस्तुत करेंगे।

बाबा सिद्दीकी की सीट से चुनाव लड़ेगा लॉरेंस बिश्नोई

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव से पहले एक बार फिर जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर चर्चा तेज हो गई। चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत एक राजनीतिक दल उत्तर भारतीय विकास सेना ने लॉरेंस बिश्नोई की ओर से नामांकन दाखिल करने के लिए रिटर्निंग अधिकारी से एबी फॉर्म की मांग की। एबी फॉर्म नामांकन दाखिल करने के लिए एक आवश्यक और औपचारिक दस्तावेज है। उत्तर भारतीय विकास सेना के नेता सुनील शुक्ला पश्चिम बांद्रा निर्वाचन क्षेत्र से लॉरेंस बिश्नोई की तरफ से नामांकन दाखिल करना चाहते हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र राकांपा के दिवंगत नेता बाबा सिद्दीकी का था।

रिटर्निंग अधिकारी को लिखी चिट्ठी में सुनील शुक्ला ने दावा किया कि वे फॉर्म पर लॉरेंस बिश्नोई का हस्ताक्षर ले लेंगे। यह बिश्नोई की उम्मीदवारी को मान्य के लिए एक आवश्यक कदम है। यह बात लॉरेंस बिश्नोई को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी टिकट देने की पेशकश के बाद कुछ दिन बाद की गई है। चिट्ठी में पार्टी ने यह भी दावा किया कि अगर लॉरेंस बिश्नोई ने मंजूरी दे दी तो वह जल्द ही 50 उम्मीदवारों की सूची जारी कर देंगे।

लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल गुजरात के साबरमती जेल में बंद है। हाल ही में राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को धमकी देने के मामले में उसका नाम चर्चा में आया था।

पश्चिमी बांद्रा निर्वाचन क्षेत्र का उल्लेखनीय राजनीतिक महत्व है। दरअसल, यह बाबा सिद्दीकी का निर्वाचन क्षेत्र था। उत्तर भारतीय विकास सेना के नेता सुनील शुक्ला पहले खार पुलिस स्टेशन गए और फिर बलकरण बराड के नाम से नामांकन पत्र लेने के लिए रिटर्निंग अधिकारी के पास पहुंचे। दरअसल, लॉरेंस बिश्नोई का असली नाम बलकरण बराड है।

288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, जबकि विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। बता दें कि 2019 के विधानभा चुनावों में 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को सबसे ज्यादा 105 सीटें मिली थीं। वहीं, भाजपा की सहयोगी पार्टी शिवसेना को 56 सीटें आई थीं। दूसरी ओर एनसीपी को 54 सीटें जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस को 44 सीटें मिली थीं।

अकूत संपत्ति का मालिक है बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले का बिचौलिया

कोलकाता, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 230.6 करोड़ रुपए के सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में प्रसन्ना कुमार रॉय और शांति प्रसाद सिन्हा को गिरफ्तार किया गया था। पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग में हुए भर्ती घोटाले के ये दोनों आरोपी, वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), कोलकाता जोनल कार्यालय ने पश्चिम बंगाल राज्य सरकार में डब्ल्यूबीसीएसएससी के अधिकारियों द्वारा ग्रुप सी और डी स्टाफ भर्ती घोटाले में 163.20 करोड़ रुपए के होटल/रिसॉर्ट और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है। ये संपत्तियां मुख्य बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय और उनकी पत्नी काजल सोनी रॉय के नाम पर बताई गई हैं। इसमें मेसर्स श्री दुर्गा डीलकॉम प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। यह कंपनी भी प्रसन्न कुमार रॉय द्वारा नियंत्रित और संचालित है। कुर्क की गई संपत्तियों में 5 होटल/रिसॉर्ट्स शामिल हैं। इनके अलावा 120 लैंड पार्सल व 29 फ्लैट भी बताए जाते हैं। ईडी ने इस मामले में अभी तक कुल 544.8 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है।

5 रिजॉर्ट एवं होटल, 120 लैंड पार्सल और 29 आलीशान फ्लैट

जांच एजेंसी के मुताबिक, कुर्क किए गए होटल/रिसॉर्ट्स में हावड़ा के श्यामपुर में स्थित चलंकिता रिज़ॉर्ट, सुंदरबन में स्थित रॉयल बंगाल रिज़ॉर्ट, दीघा में स्थित होटल मिली (रुबीना), जलपाईगुड़ी में स्थित होटल मूर्ति और अलीपुरद्वार में स्थित बांस विलेज रिज़ॉर्ट शामिल हैं। मेसर्स श्री दुर्गा डीलकॉम प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर 120 भूमि पार्सल, प्रसन्ना कुमार रॉय के नाम पर 64 भूमि पार्सल और 12 फ्लैट/कार्यालय/दुकानें हैं। 34 भूमि पार्सल और 17 फ्लैट/कार्यालय/दुकानें, काजल सोनी रॉय के नाम पर हैं। ईडी द्वारा पश्चिम बंगाल सरकार में सी और डी के पदों पर अयोग्य लोगों को नियुक्ति देने के मामले की जांच की जा रही है। कथित अवैध नियुक्ति के मामले में भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत सीबीआई द्वारा दो एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी आधार पर ईडी ने मामले की जांच प्रारंभ की थी।

जांच में सामने आया कि गैर-सूचीबद्ध और नीचे रैंक वाले उम्मीदवारों को नौकरी दे दी गई, जबकि योग्य और वास्तविक उम्मीदवार वंचित कर दिए गए। आरोपों में कहा गया है कि इस मामले में निष्पक्षता बरकरार रखे बिना ही विभिन्न व्यक्तियों द्वारा आपराधिक साजिश रचकर और संबंधित नियमों का उल्लंघन कर नियुक्ति प्रदान की गई। सीबीआई के आरोप पत्रों से पता चला कि कुल 3432 (ग्रुप सी के लिए 1125 और ग्रुप डी के लिए 2307) कर्मचारियों को डब्ल्यूबीसीएसएससी के अधिकारियों द्वारा ग्रुप सी और डी स्टाफ के पद के लिए अवैध रूप से नियुक्त/अनुशंसित किया गया था। इस आपराधिक साजिश में कई दूसरे लोग भी शामिल थे।

पश्चिम बंगाल में 230.6 करोड़ रुपए के सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में प्रसन्ना कुमार रॉय (उम्मीदवारों से धन और विवरण के कथित संग्रह में शामिल मुख्य बिचौलिया) और शांति प्रसाद सिन्हा (सहायक शिक्षकों में डब्ल्यूबीसीएसएससी के तत्कालीन सलाहकार), को गिरफ्तार किया गया था। पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग में हुए भर्ती घोटाले के ये दोनों आरोपी, वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। पश्चिम बंगाल राज्य में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के एक अन्य मामले में, ईडी पहले ही 151 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क/जब्त कर चुकी है। पश्चिम बंगाल में ग्रुप सी और डी स्टाफ सहित शिक्षक भर्ती घोटालों में अब तक कुल 544.8 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क/जब्त की गई है।

भाजपा के स्टार प्रचारकों में पीएम मोदी और सीएम योगी शामिल

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में पहले नंबर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम रखा गया है। भाजपा ने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी और पूर्व सांसद नवनीत राणा का नाम शामिल है।

भाजपा ने महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्रियों की फौज उतार दी है। भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा शामिल हैं।

स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शिवराज सिंह चौहान, देवेंद्र फडणवीस, चंद्रशेखर बावनकुले, शिव प्रकाश, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, नारायण राणे, पीयूष गोयल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, राव साहब दानवे पाटिल, अशोक चव्हाण, उदयन भोंसले, विनोद तावड़े, आशीष शेलार, पंकजा मुंडे, चंद्रकांत पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार, राधा कृष्णा पाटिल, गिरीश महाजन, रविंद्र चव्हाण, स्मृति ईरानी, प्रवीण डेरकर, अमर सबले, मुरलीधर मोहोल, अशोक नेते, संजय कुटे और नवनीत राणा शामिल हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा महायुति गठबंधन में शामिल है। गठबंधन में भाजपा, एनसीपी और शिवसेना शामिल है। भाजपा ने 99 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट भी जारी कर दी है। इस लिस्ट में देवेंद्र फडणवीस का भी नाम है, जो नागपुर साउथ वेस्ट से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले कामठी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में चुनाव होंगे। 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। वहीं 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी। महाराष्ट्र महायुति गठबंधन का मुकाबला महाविकास आघाड़ी गठबंधन से है। महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) शामिल है।

यूपी पुलिस की शर्मनाक करतूत

व्यापारियों को अगवा कर बंधक बनाया और लाखों लूटे

बदायूं, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी पुलिस के सिपाही की शर्मनाक करतूत सामने आई है। सिपाही ने साथियों संग बदायूं के दो व्यापारियों से पांच लाख की रंगदारी मांगी। हापुड़ में सस्ता आलू दिलाने के लिए बुलाकर बंधक बना लिया। पुलिस ने व्यापारियों को मुक्त कराकर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यूपी पुलिस के सिपाही और उसके साथियों ने सस्ता आलू दिलाने का झांसा दे हापुड़ के पिलखुवा बुलाकर बदायूं के उझानी के दो व्यापारियों को अगवा कर लिया गया। आरोपियों ने फोन कर पांच लाख रुपए की फिरौती मांगी तो घबराए परिजनों ने पुलिस अफसरों से शिकायत की। पुलिस ने दो दिन बाद दोनों को मुक्त कराकर एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। तीन अन्य की तलाश जारी है। ओमप्रकाश पटेल गांव जिरौलिया और राजू सिंह रोशननगर के रहने वाले हैं। ओमप्रकाश के बेटे केतन के मुताबिक, 20 अक्टूबर को रिश्तेदार अक्षय सिंह ने उनके पिता को फोन कर बताया कि हापुड़ में अच्छी किस्म का आलू सस्ता बिक रहा है। अगले दिन दोनों व्यापारी 90 हजार रुपए लेकर हापुड़ पहुंचे।

वहां हापुड़ पुलिस लाइन में तैनात सिपाही मोहित कुमार, उसके साथी अक्षय सिंह, कमल और मोनू त्यागी ने दोनों व्यापारियों को बंधक बना लिया। आरोप है कि व्यापारियों से रुपए ऐंठने के लिए आरोपियों ने उनकी कार में प्रतिबंधित केमिकल रख दिया। कार्रवाई से बचाने की बात कहकर अक्षय ने मोहित को पुलिस का बड़ा अफसर बताते हुए दोनों व्यापारियों की मुलाकात कराई और उनसे 90 हजार रुपए हड़प लिए। इसके बाद दोनों को बंधक बनाया गया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 20^0

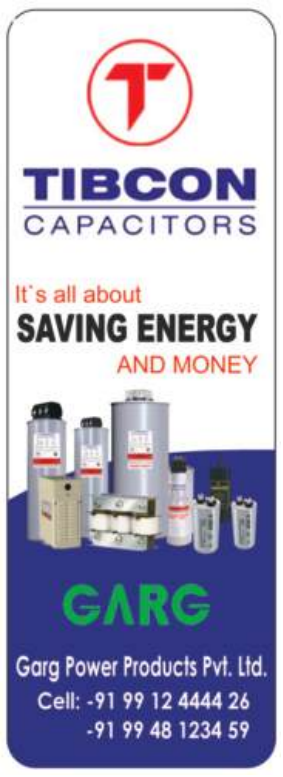

राकांपा (शपा) ने 22 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

बीड से मौजूदा विधायक संदीप क्षीरसागर और फलटन से दीपक चव्हाण को मैदान में उतारा

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शपा) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 22 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की।

राकांपा (शपा) ने अपनी दूसरी सूची में बीड से मौजूदा विधायक संदीप क्षीरसागर और फलटन से दीपक चव्हाण को मैदान में उतारा है, जिन्होंने पार्टी से अलग होने के बाद पार्टी में शामिल होने का फैसला किया था।

अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को छोड़ने वाले एमएलसी सतीश चव्हाण मराठवाड़ा के गंगापुर से पार्टी के उम्मीदवार होंगे। वहीं वर्धा से राकांपा (शपा) सांसद अमर काले की पत्नी मयूरा काले वर्धा जिले के अरवी से पार्टी की उम्मीदवार होंगी। पार्टी ने पूर्व विधायकों पांडुरंग वरोरा (शाहपुर-सु), दीपिका चव्हाण (बागलान) और सतीश पाटिल (एरंडोल) को फिर से टिकट दिया है। वरिष्ठ धनगर नेता उत्तम जानकर मालशिरस से चुनाव लड़ेंगे, जबकि पार्टी ने सचिन दोडके (खडकवासला) को एक और मौका देने का फैसला किया है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बाबासाहेब कुपेकर की बेटी नंदिनी बाबुलकर-कुपेकर कोल्हापुर के चांदगढ़ से पार्टी की उम्मीदवार होंगी। पार्टी ने नासिक जिले के येओला से माणिकराव शिंदे को टिकट दिया है और उनका मुकाबला राकांपा मंत्री और कद्दावर नेता छगन भुजबल से होगा। नये चेहरों में पार्टी ने मयूरा काले (अरवी), उदय सांगले (सिन्नार), ओमी कलानी (उल्हासनगर), सुनीता चारोस्कर (डिंडोरी), सत्यशील शेरकर (जुन्नर), गणेश गिते (नासिक पूर्व), सत्यशील शिलवंत (पिंपरी), अमित भांगरे (अकोले), अभिषेक कलमकर (अहिल्यानगर) और मदन करांडे (इचलकरंजी) को टिकट दिया है। धाराशिव की परांदा सीट से राकांपा (शपा) ने पूर्व विधायक राहुल मोटे को टिकट दिया है, जबकि शिवसेना (यूबीटी) ने पहले इसी सीट के लिए राहुल पाटिल के नाम की घोषणा की थी। राकांपा (शपा) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के साथ चर्चा कर रही है और जल्द ही कोई समाधान निकल आयेगा।

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, K MAHESHWARI Spouse of Service No. 2616924F Sep K BALARAJU, R/o. Vill & Mandal:Pangal, PO:Pangal, Teh:Kollapur, Dist:Wanaparthi, Telangana-509120 have changed my name from K MAHESHWARI to KOTAKARI MAHESHWARI vide affidavit dt:26-10-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

PLOTS REQUIRED
Plots and Acre's of lands purchase. Narne Estate's, Bibinagar, Ghatkesar Road, Oorjitha Projects, Shameerpet Road, Medchal Road, Ramoji Film City Road, Ibrahimpatnam, Sanga Reddy Road and near by.
Contact: 9949922669

पूरे देश को जोड़ने का सशक्त माध्यम है हिंदी : योगी

संवादी गोरखपुर में हिंदी, आत्मनिर्भर भारत और स्थानीय उत्पादों पर जोर

गोरखपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में संवादी गोरखपुर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी भाषा की महत्ता, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प, श्रमिकों के उत्थान और स्थानीय उत्पादों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मीडिया को लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभ माना गया है, जो जनचेतना को जागरूक कर समाज के मुद्दों को सरकार के सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि हमारे संसदीय लोकतंत्र में लोगों ने स्वत:स्फूर्त भाव से मीडिया को चौथा स्तंभ माना है। देश की आजादी के आंदोलन के दौरान पत्र-पत्रिकाओं ने जन चेतना के ज्वार को तेज किया। चाहे अलग-अलग क्रांतिकारी समूह रहा हो, या कोई भी लीडरशिप, वो किसी न किसी पत्र-पत्रिका के साथ जुड़ा रहा। कोई स्वराज, कोई राष्ट्रधर्म तो कोई धर्मयुग के नाम से जन चेतना को जागरूक करने का प्रयास करता रहा। उसी प्रकार की कविताएं और लेखन भी आए, जो लोगों के अंत:करण को झकझोरते रहे। मुख्यमंत्री ने काकोरी ट्रेन एक्शन के नायक राम प्रसाद बिस्मिल की अंतिम इच्छा का भी उल्लेख किया और बताया कि उनके वाक्यों ने देश के युवाओं को आजादी के आंदोलन से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने हिंदी भाषा को पूरे देश को जोड़ने का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि हिंदी ने भारत की आजादी के आंदोलन में महापुरुषों को जनता से जोड़ने का कार्य किया। सीएम योगी ने कहा कि अंत:करण से कही गई भाषा ही लोगों को सम्मोहित कर पाती है, हिंदी ने उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक संवाद का सशक्त माध्यम बनकर देश को एकजुट किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रनायकों के बारे में जो लेखन हुआ उसका अवलोकन करें तो पाएंगे कि कहीं श्याम नारायण पांडेय महाराणा प्रताप की वीरगाथा को देश के सामने रख रहे हैं तो कहीं सुभद्रा कुमारी चौहान झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को केंद्र में रखकर भारत की मातृशक्ति के शौर्य और सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने का कार्य किया।

भारत की आजादी के लिए अपना सब कुछ समर्पित करने वाले क्रांतिकारियों के प्रति रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां हम सभी को नई प्रेरणा देती हैं। जिसमें वह कहते हैं कि कलम आज उनकी जय बोल, जिन्होंने मातृभूमि के लिए अपना सबकुछ समर्पित कर दिया। उनके लिए नहीं जिन्होंने सत्ता के लिए स्वाभिमान के साथ समझौता किया हो। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने भी यही प्रेरणा हमें दी थी। हिंदी के बारे में तमाम तरह की भ्रांतियां फैलाने का कार्य होता है।

पद्मश्री से सम्मानित गुसाडी नृत्य मास्टर कनक राजू का निधन

कुमरामभीम आसिफाबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पद्म श्री पुरस्कार विजेता और गुसाडी नृत्य गुरु कनक राजू का शुक्रवार को जैनूर मंडल में उनके पैतृक स्थान मारलवई में बीमारी के कारण निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। कनक राजू को 2021 में पारंपरिक नृत्य शैली गुसाडी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनके योगदान के लिए उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा 1 करोड़ रुपये से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने

उत्साही शिक्षार्थियों को नृत्य शैली सिखाई। उन्होंने गुसाडी नृत्य की सारी विरासत अपने पूर्वजों से प्राप्त की और उस परंपरा को भावी पीढ़ियों के लिए जारी रखने की इच्छा के साथ अपनी सारी ऊर्जा खर्च की, नृत्य में नए रास्ते खोजे और अपनी उपलब्धि हासिल की।

उन्हें आदिलाबाद के गुसाडी स्कूल में मुख्य नृत्य मास्टर के रूप में नियुक्त किया गया था।

राज गोंड समुदाय से आने वाले कनक राजू ने महज आठ साल की उम्र में गुसाडी नृत्य में कदम रखा था। उन्होंने क्षेत्र में अपनी सफलता का श्रेय तत्कालीन आईएएस अधिकारी मदवी तुकाराम के अटूट प्रोत्साहन और समर्थन को दिया, जो उनके नृत्य से मंत्रमुग्ध थीं।

उन्होंने 1982 में नई दिल्ली में पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के सामने अपना शो प्रस्तुत किया था। उस प्रदर्शन के बाद कनकराज टीम ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने देश भर में हजारों शो किए। उन्होंने हजारों आदिवासी युवाओं को नृत्य शैलियां सिखाईं। बदले में उन्हें एक रुपए की भी उम्मीद नहीं थी। कनकराज की दो पत्नियां थीं भीमबाई और पार्वती। उनके 12 बच्चे हैं जिनमे तीन बेटे और नौ बेटियां हैं।

पद्मश्री अवॉर्डी डांसर कनक राजू के निधन पर पीएम मोदी और सीएम रेड्डी ने जताया शोक

हैदराबाद/नई दिल्ली/ आसिफाबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित गुसाडी लोकनृत्य गुरु कनक राजू का शुक्रवार को निधन हो गया। कनक राजू ने 84 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। कनक राजू के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया। कुमारम भीम आसिफाबाद जिले के जैनूर मंडल में कनक राजू के पैतृक गांव मरलावई में शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है कि एक विपुल नर्तक और सांस्कृतिक प्रतीक कनक राजू जी के निधन से दुखी हूं। गुसाडी नृत्य को संरक्षित करने में उनका समृद्ध योगदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री ने कनक राजू के परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, नर्तक के काम के स्थायी प्रभाव पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके समर्पण और जुनून ने यह सुनिश्चित किया कि सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण पहलू अपने प्रामाणिक रूप में फल-फूल सकें। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना।

ओम शांति। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भी प्रसिद्ध गुसाडी नर्तक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुसाडी को दुनिया से परिचित कराने और तेलंगाना की कला और सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षित करने के लिए कनक राजू को एक असाधारण कलाकार के रूप में पहचाना जाता है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार रेड्डी ने कहा कि प्रसिद्ध नर्तक का निधन लोक कला के लिए एक अपूरणीय क्षति है। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को कनक राजू का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ करने का आदेश दिया है। कला में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 2021 में प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित कनक राजू, गुसाडी नृत्य समुदाय, विशेष रूप से तेलंगाना में एक प्रमुख व्यक्ति थे। अपनी जीवंत अभिव्यक्तियों और लयबद्ध हरकतों के लिए मशहूर गुसाडी नृत्य का सांस्कृतिक महत्व बहुत गहरा है, जिसे अक्सर त्योहारों और सामुदायिक समारोहों के दौरान प्रदर्शित किया जाता है।

टीजीएसपी कर्मी अनुशासन बनाए रखें : डीजीपी

विशेष पुलिस कर्मियों की शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाएगा

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जितेंद्र ने तेलंगाना राज्य विशेष पुलिस (टीजीएसपी) कर्मियों से अनुशासन बनाए रखने का आग्रह किया है और उन्हें आश्वासन दिया है कि उनकी शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

शनिवार को जारी एक बयान में डीजीपी ने पुष्टि की कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के दिनों में स्थापित तेलंगाना राज्य पुलिस के भीतर ड्यूटी प्रणाली विभाजन के बाद भी प्रभावी बनी हुई है। वर्तमान भर्ती संरचना के तहत, पुलिस कांस्टेबलों को तीन प्रभागों में वर्गीकृत किया गया है, नागरिक पुलिस, सशस्त्र पुलिस और विशेष पुलिस। सिविल पुलिस जिला/शहर सशस्त्र पुलिस (एआर) द्वारा समर्थित जिलों में जांच, अपराध की रोकथाम और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है।

तेलंगाना राज्य विशेष पुलिस (टीजीएसपी) राज्यव्यापी कानून और व्यवस्था कर्तव्यों का प्रबंधन करती है एवं चुनाव और अन्य कार्यों के दौरान अन्य राज्यों में तैनात की जाती है,

जहां उन्होंने अनुकरणीय प्रदर्शन किया है। डीजीपी ने आश्वासन दिया कि पुलिस विभाग टीजीएसपी कर्मियों की चिंताओं को गंभीरता से लेता है और उनका सहानुभूतिपूर्वक समाधान करेगा।

वर्तमान में सभी पुलिस कर्मियों को समर्पण अवकाश और अतिरिक्त समर्पण अवकाश का लाभ मिलता है, जो त्योहारों और छुट्टियों के दौरान उनकी निरंतर ड्यूटी के कारण पुलिस के लिए अद्वितीय लाभ है। इसके अलावा, तेलंगाना पुलिस के वेतन और भत्ते भारत में सबसे ऊंचे स्थान पर हैं, और उनके समर्थन के लिए भद्रथ और आरोग्य भद्रथ जैसी कल्याणकारी पहल मौजूद हैं।

इन प्रावधानों को देखते हुए, डीजीपी ने विभाग की छवि और वर्दीधारी बल की अनुशासित प्रकृति को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए, टीजीएसपी कर्मियों को सार्वजनिक रूप से विरोध न करने की सलाह दी। उन्होंने टीजीएसपी कर्मियों और उनके परिवारों से किसी भी चिंता को स्थापित चैनलों जैसे दरबार के माध्यम से अधिकारियों, कमांडेंट और एडीजीपी टीजीएसपी सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उठाने की अपील की। डीजीपी ने यह भी याद दिलाया कि वर्दीधारी बलों में अनुशासनहीनता एक गंभीर मुद्दा है, जो पुलिस बल (अधिकारों के प्रतिबंध) अधिनियम और पुलिस (उकसाने) के प्रावधानों के अधीन है तथा (असंतोष) अधिनियम, के तहत कानून दंडनीय है।

आंध्र में कार-लॉरी की टक्कर से छह लोगों की मौत

अनंतपुर, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार को कार और लॉरी के बीच टक्कर से छह लोगों की मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक कार सवार लोग ताड़ीपत्री में नागरा कीर्तन कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अनंतपुर लौट रहे थे। इसी दौरान के नयनापल्ली क्रॉस पर कार का टायर पंचर हो गया और अनियंत्रित होकर लॉरी से टकरा गई। इस हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सतोष, शानमुख, वेंकन्ना, श्रीधर, प्रसन्ना और वेंकट के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

पूरे राज्य में सुरक्षित पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए : सीताक्का

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना पंचायत राज, ग्रामीण विकास, ग्रामीण जल आपूर्ति मंत्री दानसारी अनसूया सीताक्का ने शनिवार को अधिकारियों को स्थानीय जल स्रोतों और उपलब्ध जलाशय स्तरों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य भर में सुरक्षित पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हैदराबाद के एर्रा मंज़िल में मिशन भगीरथ कार्यालय में जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए सीताक्का ने बेहतर योजना और समन्वय के लिए प्रत्येक पांच से छह निर्वाचन क्षेत्रों को एक इकाई के रूप में मानने की आवश्यकता पर जोर दिया। कई गांवों में पानी की आपूर्ति करने के मिशन भागीरथ के प्रयासों के बावजूद, कुछ निवासी बोरहोल और आरओ संयंत्रों पर निर्भर रहना जारी रखते हैं, उन्होंने मिशन भागीरथ के कर्मचारियों से आपूर्ति किए गए पानी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सार्वजनिक विश्वास बनाने का आग्रह किया।

सीताक्का ने मिशन भागीरथ टैंकों की नियमित सफाई, सभी गांवों से पानी की आपूर्ति पर मासिक रिपोर्टिंग और उटनूर जैसे उच्च मांग वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात करने के महत्व पर जोर दिया।

मैदानी स्तर पर कोई भी समस्या हो तो उसे तुरंत उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाए। प्रत्येक सहायक अभियंता (एई) को भी एक स्पष्ट कार्य योजना बनाए रखनी चाहिए और मिशन भागीरथ की जल आपूर्ति में संभावित व्यवधानों को दूर करने के लिए आकस्मिक उपाय होने चाहिए।सीताक्का ने कहा कि हवा के बाद, स्वच्छ पानी सबसे आवश्यक संसाधन है। मिशन भगीरथ के प्रयास लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं, इसलिए समर्पण के साथ इस जिम्मेदारी को निभाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही के परिणामस्वरूप कार्रवाई होगी। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि इस पहल का समर्थन करने के लिए 13,456 मीठे पानी के सहायकों को प्रशिक्षित किया गया है और घोषणा की कि सार्वजनिक शिकायतों के लिए एक टोल-फ्री नंबर जल्द ही पेश किया जाएगा। बैठक में पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास सचिव लोकेश कुमार समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

विहिप ने की तेलंगाना कर्नाटक में वक्फ बोर्ड के भूमि पर दावों की आलोचना

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने तेलंगाना में हैदराबाद के मलकाजगिरी में 750 एकड़ और कर्नाटक के विजयपुरा जिले में 1,500 एकड़ भूमि पर वक्फ बोर्ड के दावे की आलोचना की है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुथला शशिधर ने शनिवार को एक बयान जारी कर वक्फ बोर्ड के हाल में किये गये दावों की निंदा की और उसे वोट बैंक की राजनीति के लिए जिम्मेदार ठहराया। श्री शशिधर ने वक्फ बोर्ड की कार्रवाइयों को चुनौती देने वाले स्थानीय आंदोलनों और कानूनी कार्रवाइयों के लिए समर्थन की प्रतिबद्धता जताई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.